जबलपुर मंगलवार 29 सितंबर 2026 > भाद्रपद शुक्ल पक्ष, तृतीया

वर्ष 32 अंक 92 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम

अधिकतम तापमान 32.4°C

न्यूनतम तापमान 21.4 °C

सूर्योदय - 6.01 | सूर्यास्त - 6.00

कांग्रेस कर रही लोकतंत्र की मर्यादा को लांघने ... ▸▸ 4

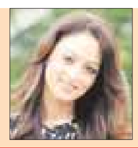

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग ... ▸▸ 7

काका हाथरसी सम्मान-हास्य रत्न से नवाजे ... ▸▸ 9

कक्षा 6 के बच्चों पर भी लागू नहीं होगा थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की थ्री लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर कक्षा 6 के छात्रों को बड़ी राहत देते हुए निर्देश दिया है कि वर्तमान कक्षा 6 के छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों की तरह ही इस नीति के तहत छूट दी जाए। दरअसल, इसे लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब 2026-27 के सत्र से कक्षा 6 में तीन भाषाओं की व्यवस्था लागू की गई। कई स्कूलों और याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि कुछ छात्र पहले से दूसरी भाषाएं पढ़ रहे हैं और अब उनसे भाषा बदलने को कहा जा रहा है। ऐसे में नए सत्र के बीच भाषा बदलना बच्चों के लिए परेशानी की वजह बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इसी परेशानी पर ध्यान दिया। कोर्ट ने कहा कि बच्चों को अनावश्यक कठिनाई में डालने के बजाय उन्हें सुविधा दी जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था को लेकर आगे की सुनवाई 1 अप्रैल 2027 से किया जा सकता है। यानी बच्चों को अचानक बीच सत्र में नई व्यवस्था में ढालने के बजाय बदलाव के लिए समय देने की बात कही गई है। सरकार की ओर से बताया गया कि करीब 99 फीसदी स्कूलों में तीसरी भाषा की नीति लागू करने के लिए जरूरी व्यवस्था हो चुकी है, जबकि करीब 1.2 फीसदी स्कूलों में अभी भी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद कोर्ट ने मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों के समान छूट देने का निर्देश दिया है। हालांकि, इसे लेकर कोर्ट ने पहले भी चिंता उठाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों को राहत देने की संभावना पर विचार करने को कहा था। सितंबर में कोर्ट ने सीबीएसई से पूछा था कि क्या इस शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा 6 के छात्रों को कुछ छूट दी जा सकती है? कोर्ट की चिंता थी कि बच्चों और उनके परिवारों को बीच सत्र में नई व्यवस्था की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके बाद 17 सितंबर की सुनवाई में भी कोर्ट ने तीन भाषा नीति को कक्षा 6 में अगले शैक्षणिक सत्र से लागू करने पर विचार करने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि बच्चों को बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए।

यह था सरकार का तर्क

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की है और वह मौजूदा कक्षा 6 को इस साल से छूट देने के पक्ष में नहीं है। सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि करीब 99 प्रतिशत स्कूलों में थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने के लिए जरूरी व्यवस्था की जा चुकी है। सरकार के मुताबिक करीब 2,800 से अधिक स्कूलों में से लगभग 1.2 प्रतिशत स्कूल ही ऐसे हैं जहां इस व्यवस्था को लेकर समस्या बनी हुई है। हालांकि, कोर्ट ने केवल यह देखने पर जोर दिया कि जिन छात्रों के लिए व्यवस्था पहले ही बदल चुकी है, उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

बच्चों को सुविधा चाहिए

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुझाव दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाकर उन स्कूलों और याचिकाकर्ताओं से बात की जाए, जो इस व्यवस्था को लेकर अपनी परेशानियां बता रहे हैं। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि अब किसी और समिति की जरूरत नहीं है और इस मामले में स्पष्ट फैसला लिया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि कोर्ट बच्चों को मुश्किल में डालने के बजाय उन्हें सुविधा देना चाहता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों को भी वही राहत दी जानी चाहिए जो कक्षा 7 के छात्रों को मिली है।

किताबों को लेकर भी उठा सवाल

सुनवाई के दौरान किताबों का मुद्दा भी सामने आया है। सरकार की ओर से कहा गया कि किताबें उपलब्ध हैं लेकिन याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि किताबें ऑनलाइन उपलब्ध होने और बच्चों के पास उनकी भौतिक प्रतियां होने में अंतर है। सीबीएसई ने अपने मई के आधिकारिक सत्र में कहा था कि निर्धारित भाषाओं की आर-3 पाठ्यपुस्तकें सीबीएसई और एनसीईआरटी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराने की योजना है। जिन भाषाओं के लिए अलग व्यवस्था की जरूरत है, उनके लिए स्कूलों को एससीईआरटी की किताबों या राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त सामग्री का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई थी।

पुलिस पर पथराव...उज्जैन में तनाव

मस्जिद तोड़ने के खिलाफ याचिका हाईकोर्ट में खारिज

उज्जैन। उज्जैन के शाही मस्जिद मामले में दायर याचिका मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच हुए समझौते के आधार पर मामले को डिस्पोज ऑफ कर दिया। याचिकाकर्ता शाही मस्जिद कमेटी के एडवोकेट कुलदीप पाठक ने कहा- कमेटी और प्रशासन के बीच समझौते के तहत सड़क के लिए 3 फीट जगह के साथ कुछ दुकानें हटाने पर सहमति बनी है। बड़ी मीनार को दूसरी ओर शिफ्ट किया जाएगा। दुकानों के लिए दूसरी जगह दी जाएगी। इससे पहले सोमवार सुबह मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। जवाब में लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी गई। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं। विवाद के बाद फोर्स तैनात कर दी गई, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया। सिंहस्थ प्रोजेक्ट के तहत उज्जैन में कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक डेढ़ किलोमीटर एरिया की सड़क 15 मीटर चौड़ी की जाएगी। इसके लिए 323 मकान तोड़े जाएंगे। इनमें 15 धर्मस्थल हैं। अब तक 12 धर्मस्थल हटाए जा चुके हैं। सड़क के दायरे में शाही मस्जिद का भी करीब 9 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा हिस्सा आ रहा है। दस्तावेज में इस मस्जिद के 100 साल से ज्यादा पुरानी होने की पुष्टि होती है। हालांकि, इमाम का दावा है कि यह 600 साल से ज्यादा पुरानी है।

7 लोगों पर एफआईआर

उज्जैन के एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने की कार्रवाई कमेटी की सहमति से लगातार जारी है। अब तक 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर की है। इनमें सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स भी शामिल हैं। पुलिस सोशल मीडिया की लगातार निगरानी कर रही है। अफवाह फैलाने या भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

यूपीआई पेमेंट: चार्ज पर रोक लगाने से इंकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2,000 रुपये से अधिक के निर्धारित यूपीआई व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से सोमवार को जवाब मांगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई और केंद्र, भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य को चार सप्ताह के भीतर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने एमडीआर लगाने के केंद्र के फैसले पर किसी तरह की अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 15 राज्यों में प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के 15 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली और केरलम में प्रदर्शन किया। इसके अलावा, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना, कर्नाटक में भी प्रदर्शन हुए। यूपी के आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'। राजस्थान के जयपुर में विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। विरोध में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी शामिल थे।

10.36 करोड़ का विदेशी सोना जब्त

नई दिल्ली (वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय ने देशभर में सक्रिय एक संगठित सोना तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए करीब 10.36 करोड़ रुपये मूल्य का 6.61 किलोग्राम विदेशी तस्करी का सोना जब्त किया है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि डीआरआई ने यह सिंडिकेट कूरियर नेटवर्क के जरिए तस्करी का सोना देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाता था। इस मामले में नेटवर्क के एक सरगना समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रेल कर्मियों को सरकारी आवासों का देना होगा अधिक किराया

नई दिल्ली (वार्ता) रेलवे के क्वार्टरों में रहने वाले सरकारी कर्मचारियों को अब ज्यादा किराया चुकाना पड़ेगा। रेलवे बोर्ड ने आवासीय क्वार्टरों के मानक किराये में बढ़ोतरी की है। बढ़ा हुआ किराया गत एक जुलाई से प्रभावी हो गया है। बोर्ड की ओर से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार टाइप-पांच के बड़े आवास में रहने वाले कर्मचारियों को अब अधिकतम किराया 5,860 रुपये प्रति माह तक देना पड़ेगा। बोर्ड के अनुसार बढ़ी हुई दरें टाइप-एक से टाइप-पांच तक के रेलवे क्वार्टर पर लागू होंगी। किराये की राशि आवास की श्रेणी और एरिया के अनुसार अलग-अलग होगी।

असम में 2 करोड़ की हेरोइन जब्त

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 262 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के मुताबिक, जब्त ड्रग्स की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुवाहाटी के सिजु नगर इलाके में की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि असम पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी की कोशिश को नाकाम किया है।

बेला एस्टेट में 727 लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है दिल्ली के चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र में गीता कॉलोनी के पास यमुना किनारे स्थित बेला एस्टेट की झुग्गी बस्ती में रहने वाले 728 लोगों में से 727 के नाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। श्री गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि ये लोग दशकों से यहां रह रहे हैं और 2024 के लोकसभा तथा 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में इनके घर तोड़ दिए गए थे लेकिन वे कहीं नहीं गए और अब भी वहीं रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने एसडीएम से फोन पर बात कर स्पष्ट किया कि मकान होने या न होने का वोट के अधिकार से कोई संबंध नहीं है। श्री गांधी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार खुद कह चुके हैं कि बेघरों के लिए हाउस नंबर 0 का प्रावधान है। श्री गांधी ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद 727 लोगों के नाम काट दिए गए। उन्होंने कहा, यह एसआईआर नहीं - यह वोट चोरी का तरीका है। जिन लोगों के पास पहले ही अधिकार सबसे कम है, उनसे उनकी इकलौती ताकत छीनी जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार जाएंगे पर जिस सिस्टम ने उनसे यह करवाया, उसका हिसाब भी होगा।

टीएमसी के नाम और सिंबल पर चार माह में होगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम ने सोमवार को टीएमसी के नाम और सिंबल के मामले पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग को तीन महीने में फैसला करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग को विवाद पर अंतिम निर्णय के लिए 'चुनाव चिह्न आदेश' के तहत समय दिया गया है। हालांकि, खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि यह तीन महीने की अवधि चार हफ्तों बाद शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तीन महीने की अवधि चार हफ्ते बाद शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नाम और 'फूल और घास' वाले चुनाव चिह्न को लेकर चल रहे विवाद पर फैसला लेने के लिए चुनाव

यौन अपराधों की रिपोर्टिंग पर मीडिया संयम रखे

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की रिपोर्टिंग पर मीडिया को जिम्मेदारी बरतने को कहा। कोर्ट ने जिम्मेदार, संवेदनशील और संयमित पत्रकारिता की सलाह दी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि सनसनीखेज हेडलाइन और यौन हिंसा का भड़काऊ विवरण जनहित में नहीं है। इससे पीड़ितों और उनके परिवारों को गंभीर मानसिक आघात हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की से कथित गैंगरेप समेत तीन मामलों का संज्ञान लिया। इनमें दिल्ली के स्वरूप नगर में किशोरी से कथित गैंगरेप और हत्या का मामला भी शामिल है। तीसरा मामला चलती स्लीपर बस में नाबालिग लड़की से कथित यौन हमले का है। कानून लागू करने वाली एजेंसियां ग्रेटर नोएडा से दिल्ली तक 47 किलोमीटर से ज्यादा चलने वाली बस को कथित तौर पर नहीं रोक सकीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन अपराधों की रिपोर्टिंग संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। मीडिया संस्थानों, पत्रकारों और पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म्स को इस जिम्मेदारी का ध्यान रखना चाहिए। बेंच ने कहा, सनसनीखेज हेडलाइन, यौन हिंसा का ग्राफिक या भड़काऊ विवरण और असंवेदनशील भाषा जनहित में नहीं है। इससे पीड़ितों और उनके परिवारों को गंभीर मानसिक आघात का खतरा रहता है। कोर्ट ने कहा कि हेडलाइन और रिपोर्टिंग में सनसनी के बजाय गरिमा, तथ्यों की सटीकता और संस्थागत जवाबदेही को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। चर्चा का केंद्र न्याय और सुरक्षा रहना चाहिए।

पीड़ितों की पहचान उजागर न करें

सुप्रीम कोर्ट ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया संगठनों को बीएनएस की धारा 72 का सख्ती से पालन करने की याद दिलाई। पॉक्सो एक्ट की धारा 23 के तहत भी यौन हमले की पीड़ित या नाबालिग बच्चे की पहचान बताने पर रोक है। यह रोक पीड़ित की पहचान सीधे या परोक्ष रूप से उजागर करने पर लागू होती है। बेंच ने कहा कि जिला प्रशासन को मीडिया संस्थानों के साथ तुरंत बैठक करनी चाहिए। अखबारों में एक अलग कॉलम और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अलग समय तय किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे भरोसा है कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इस जिम्मेदारी को निभाएगा।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रडार पर बड़े सितारे

फिल्मों के नाम पर पैसा बाहर भेजने का आरोप

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक बार फिर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। मुंबई इनकम टैक्स विभाग की टीमों ने टैक्स चोरी और फिल्मों के नाम पर विदेशों में पैसा भेजने के सिलसिले में कई नामी हस्तियों और प्रोडक्शन हाउसों पर एक साथ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक, इस कार्रवाई के तहत एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह, दिग्गज फिल्म निर्माता वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज से जुड़े करीब 12 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इनकम टैक्स विभाग को लंबे समय से इनपुट मिल रहे थे कि फिल्मों की शूटिंग, ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन और प्रोडक्शन के नाम पर भारी रकम विदेशों में भेजी जा रही है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर टैक्स की हेराफेरी और वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। इसी सिलसिले में मुंबई आईटी की अलग-अलग टीमें मुंबई स्थित कई दफ्तरों और परिसरों की तलाशी ले रही हैं। फिलहाल इनकम टैक्स विभाग का सर्च ऑपरेशन जारी है। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद आईटी विभाग इस वित्तीय हेराफेरी से जुड़े बड़े खुलासे कर सकती है।

ट्रैफिक चालान को बिजली बिल से जोड़ो

सुप्रीम कोर्ट ने वाहन-लाइसेंस पर भी कार्रवाई के दिए संकेत

नई दिल्ली

ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद ई-चालान भरने में लापरवाही करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त कदमों पर विचार करने को कहा है। अदालत ने सुझाव दिया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बकाया ई-चालान की रकम वसूलने के लिए व्यावहारिक तरीके तलाशने चाहिए। इनमें बकाया चालान को बिजली बिल से जोड़ने का सुझाव भी शामिल है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सोमवार को कोयंबटूर के ऑर्थोपेडिक सर्जन एस. राजसीकरन बनाम भारत संघ मामले में ई-चालान और ट्रैफिक नियमों के इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सिर्फ बड़ी संख्या में ई-चालान जारी करना पर्याप्त नहीं है। असली सवाल इन चालानों पर लगाई गई जुर्माने की रकम की वसूली का है। अदालत ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो बकाया रकम को बिजली के बिल से जोड़ने की व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है। इससे बकाया चालान

जमा कराने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं, तो इसे उनके बिजली के बिल में जोड़ दें। उन्हें बिजली का बिल भरना होगा, नहीं तो बिजली की लाइन काट दी जाएगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि करीब 14 वर्षों से दिए जा रहे निर्देशों का वास्तविक स्तर पर कितना पालन हुआ है। कोर्ट ने कहा कि अगर निर्देश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे और उनका पालन नहीं होगा तो आगे सख्त कदम उठाने की स्थिति आ सकती है। अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता और अमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल से निर्देशों की स्थिति बताने वाला एक चार्ट तैयार करने को कहा है। इसमें अब तक जारी निर्देश, उन्हें लागू करने के लिए दिया गया समय, वर्तमान स्थिति और अमिकस की टिप्पणियां शामिल होंगी। इस मामले में आगे की कार्यवाही के दौरान बकाया ई-चालान की वसूली और सड़क सुरक्षा से जुड़े उपायों पर अदालत की दिशा स्पष्ट हो सकती है।

45 हजार करोड़ के ई-चालान बकाया

अदालत को बताया गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्तर पर करीब 45,000 करोड़ रुपये के ई-चालान की रकम वसूलना बाकी है। इनमें से करीब 25,000 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में अदालत ने बकाया चालानों की वसूली के लिए कई संभावित उपायों पर चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि जिन वाहनों पर चालान बकाया है, उनके लिए कुछ वाहन संबंधी सेवाओं को रोका जा सकता है। इनमें वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के नवीनीकरण, डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने और मालिकाना हक में बदलाव जैसी सेवाओं को बकाया चालान से जोड़ने पर विचार किया गया। अदालत ने परिवहन पोर्टल पर ऐसे वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने और उनका स्वामित्व ट्रांसफर रोकने का सुझाव भी दिया। इसके अलावा, फिटनेस सर्टिफिकेट और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसी जारी करने या नवीनीकरण पर

आर-पार की लड़ाई में अध्यापक संयुक्त मोर्चा अपनी मांगों को लेकर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठा

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

शासन प्रशासन से बार-बार अनुनय विनय के बाद कोई हल न निकलने के कारण समस्त शिक्षक संवर्ग एकजुट होकर के 27 सितंबर से राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे हैं छात्रों के पढ़ाई प्रभावित न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए हर संभाग को एक-एक दिन भूख हड़ताल में बैठना है जिसकी तैयारी के लिए 26 सितंबर को विकासखंड सोहागपुर की बैठक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंहपुर में रखी गयी जिसमें सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे बैठक की अध्यक्षता कर रहे संभागीय अध्यक्ष श्याम नारायण पाठक ने सभी साथियों को बताया कि हम अब सेवा निवृत्ति के करीब हैं जहां आज हमारा वेतन 80, 85000 है सेवानिवृत्ति के बाद सीधे हम चार-पांच हजार में आ जाएंगे जब भी फायदे की बात होती है तो चाहे हम कोर्ट से डिसीजन लेकर आए या चाहे हम अपनी अनुनय विनय करें लेकिन सरकार उस पर ध्यान नहीं देती है और जब हमारे

विरोध में कोई भी निर्णय पारित होता है उस पर सरकार डंडा चलाने लग जाती है नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता एवं छतवान वेतनमान और साथ में वेतनमान की भुगतान की बात सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट से निर्णय हो चुका है लेकिन सरकार उसको देने में आना-कानी कर रही है और वही परीक्षा का जो 'निर्णय हुआ है उसमें सरकार डंडा चला रही है जब कोर्ट की बात माननी है तो हमारे हित में भी कोर्ट की बात मानी जाए' यह कर्मचारी जगत में पहली बार ऐसाहो रहा है की नियुक्ति के 20-30 साल बाद इस पद के लिए परीक्षा ली जाए बैठक में ऋषि पांडे के द्वारा भी विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी साथियों को एकजुट होकर भोपाल चलने के लिए आगमन किया गया बैठक में जिला प्रतिनिधि के रूप में मनोज निगम एवं अनिल सिंह उपस्थित रहे बृजेंद्र गुप्ता कोषाध्यक्ष एवं बाबूलाल कुशवाहा के प्रयास से यह बैठक आयोजित हुआ जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष मंसूर एवं मन्नान मिलकर सिंहपुर संकुल खैर हा संकुल सोहागपुर संकुल एवं मनन शंकुलम के साथियों को उपस्थित करने में माहिती भूमिका अदा किया महिला शक्ति भी सहयोग प्रदान करी हैं।

बैठक में मुख्य रूप से यह अपील की गई की कोई किसी कारण बस अगर भोपाल नहीं जा पा रहा है क्योंकि पितृपक्ष भी चल रहे हैं तो वह कम से कम जिस दिन हमारे शहडोल संभाग की बारी है उसे दिन वह अवकाश लेकर के ही घर में रहे कोई भी साथी विद्यालय न जाए।

शहडोल में शंख प्रक्षालन महाशिविर सम्पन्न सौ साधकों ने लिया आंतरिक शुद्धि का लाभ

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

शिवजी योग एवं वैलनेस, शहडोल के तत्वावधान में आयोजित शंख प्रक्षालन महाशिविर का सफलतापूर्वक समापन शान्ति देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में हुआ। शिविर में शहडोल सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए सौ साधकों ने योग की प्राचीन शुद्धि क्रिया का लाभ लिया। शिविर का संचालन योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला के सान्निध्य में किया गया। श्री शुक्ला ने बताया कि शंख प्रक्षालन योग की छह प्रमुख शुद्धि क्रियाओं में से एक है, जिससे सम्पूर्ण पाचन तंत्र की आंतरिक सफाई होती है। इससे कई असाध्य रोगों एवं कब्ज, गैस, अपच जैसी कई समस्याओं में लाभ मिलता है तथा शरीर हल्का और मन शांत होता है। पूर्व सीएमएचओ डॉ. ओमप्रकाश चौधरी ने सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं शिवानी नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने स्वास्थ्य परीक्षण में अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में साधकों को विशेष योगासनों ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटि चक्रासन, तिर्यक भुजंगासन और उदराकर्षणासन का अभ्यास सेंधा नमक एवं नीबू युक्त गुनगुने पानी के साथ कराया गया। उसके बाद योग निद्रा का अभ्यास कराया गया। क्रिया के पश्चात सभी साधकों को विशेष खिचड़ी प्रसाद उसके महत्त्व को बताकर खिलाया गया। और 72 घंटे की सावधानियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर रवीन्द्र तिवारी, हरीश अरोरा, सौरभ कटारे, विवेक जैसवाल सहित कई साधकों ने इसका लाभ लिया। सभी ने शिविर की खूब सराहना की एवं ऐसे आयोजन करते रहने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में योगासन स्पोर्ट्स का शानदार कलात्मक प्रदर्शन शिवेंद्र त्रिपाठी के बच्चों ने किया। आयोजकों ने सभी साधकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प दिलाया।

जयसिंहनगर महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं को लेकर एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

पं. अटल बिहारी बाजपेयी महाविद्यालय जयसिंहनगर में छात्र-छात्राओं की विभिन्न समस्याओं एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर एनएसयूआई द्वारा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से महाविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई। एनएसयूआई ने प्रमुख रूप से लाइब्रेरी में आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराने, सभी कक्षाएं निर्धारित समय पर संचालित करने, कक्षाओं एवं महाविद्यालय परिसर में नियमित साफ-सफाई कराने, कैंटीन में गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था करने तथा महाविद्यालय आने-जाने वाले मार्ग को पक्का एवं डामरीकृत कराने की मांग रखी। एनएसयूआई ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधाओं एवं शैक्षणिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इन समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि 7 दिनों के भीतर मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो एनएसयूआई छात्रहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, महेंद्र यादव, सत्यम तिवारी, आरुष तिवारी सहित काफी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

समय-सीमा की बैठक में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

100 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का आगामी बैठक से पहले करें निराकरण - सीईओ जिला पंचायत

80 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का निराकरण नहीं करने वाले विभागों पर होगी कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)। समय-सीमा की बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों एवं शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 100 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए आगामी बैठक से पहले सभी प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि प्राप्त शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग 80 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने नॉन-अटेंडेंट शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए ऐसी शिकायतों के लंबित रहने के कारणों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में आरटीओ के लगातार अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा संबंधित ऑपरेटर एवं क्लर्क को 5-5 दिवस का अवैतनिक करने के निर्देश भी दिए गए। सीईओ जिला पंचायत ने जिले में संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों के निरीक्षण की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निरीक्षण रिपोर्ट पोर्टल पर फोटो एवं प्रतिवेदन सहित दर्ज करने के निर्देश दिए। जिन अधिकारियों द्वारा अभी तक छात्रावास एवं आश्रमों का निरीक्षण नहीं किया गया है, उन्हें शीघ्र निरीक्षण करने को कहा गया। साथ ही पूर्व निरीक्षण में पाई गई कमियों के संबंध में भी प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने आगामी माह में छात्रावास एवं आश्रमों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जानकारी दी। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्रद्धा पेन्द्रे, एडीएम द्वय संरोधन सिंह एवं मिनीषा पाण्डेय, एसडीएम जयसिंहनगर काजोल सिंह, सोहागपुर अमृता गर्ग, जैतपुर दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर अंतोनियो एक्का, भागीरथी लहरे, अंकित उईके, गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

पाँच दिवसीय हाथी महोत्सव का मानपुर विधायक की उपस्थिति में हुआ समापन, छुट्टी और मौज मस्ती खत्म कर काम पर लौटेंगे गजराज

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आयोजित हाथी महोत्सव के दौरान हाथियों को पांच दिनों तक विशेष देखभाल और आराम देने के बाद सोमवार 28 सितंबर को मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह की उपस्थिति में महोत्सव का समापन हो गया। मंगलवार सुबह से बांधवगढ़ के 15 छोटे-बड़े हाथी एक बार फिर अपने नियमित काम पर लौट आए। हाथियों ने जंगल में गश्त, निगरानी और रेस्क्यू सहित अन्य कार्यों में अपनी जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी।

हाथी महोत्सव के दौरान हाथियों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई थी। पांच दिनों तक उन्हें केले, सेब, मक्का, गन्ना, नारियल और नाशपाती सहित विभिन्न फल एवं खाद्य सामग्री खिलाई गई। इस दौरान हाथियों की दिनचर्या में बदलाव करते हुए उन्हें आराम और भरपूर पौष्टिक आहार दिया गया। महोत्सव का उद्देश्य हाथियों की देखभाल के साथ उनके स्वास्थ्य और उनकी सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना भी रहा।

हाथियों के स्वास्थ्य की हुई जांच- महोत्सव के दौरान हाथियों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए हाथियों के रक्त और यूरिन के सैंपल लिए गए, ताकि उनकी शारीरिक स्थिति और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक पहलुओं की जांच की जा सके। इसके साथ ही हाथियों की देखभाल करने वाले महावतों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वन विभाग द्वारा हाथियों और महावतों की नियमित सेहत की निगरानी को महत्वपूर्ण बताया गया।

बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहा हाथी कृष्णा-हाथी महोत्सव के दौरान कैंप में नर हाथी कृष्णा विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कैंप में पहुंचे बच्चों ने कृष्णा के साथ खूब मस्ती की और उसे नजदीक से देखकर उत्साहित नजर आए। इस दौरान कृष्णा भी बच्चों के बीच सहज दिखाई दिया और अपनी गतिविधियों से सभी का ध्यान आकर्षित करता रहा। बच्चों के लिए हाथियों को करीब से देखना और उनके व्यवहार को समझना खास अनुभव रहा।पांच दिनों तक चले इस आयोजन के बाद अब बांधवगढ़ के हाथी पुनः जंगल में अपनी नियमित जिम्मेदारियों में जुट गए हैं। गश्त और निगरानी के साथ जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू कार्यों में भी हाथियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। महोत्सव के दौरान हाथियों को मिले विशेष आहार, आराम और स्वास्थ्य परीक्षण से उनके नियमित कार्यों के लिए तैयार होने में मदद मिली है।

बालक छात्रावास उमरिया में स्वास्थ्य शिविर कुपोषण मुक्त भारत का लिया संकल्प

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सेवा भारती महाकौशल प्रांत के मार्गदर्शन में बालक छात्रावास उमरिया में सुपोषण अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य, संतुलित आहार, स्वच्छता तथा कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन मंत्री आत्माराम जी भाईसाहब उपस्थित रहे। शिविर के दौरान छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता, पौष्टिक भोजन एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।इस अवसर पर सेवा भारती उमरिया के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह ने विद्यार्थियों को कुपोषण के कारणों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों का उचित मात्रा में शामिल होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पौष्टिक आहार लेने, स्वच्छ पानी पीने

तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।मुख्य अतिथि आत्माराम जी ने सेवा, संस्कार और स्वावलंबन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सेवा भारती द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के साथ-साथ अनुशासन, आत्मनिर्भरता और समाज के प्रति सेवा भाव विकसित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभाग कार्यवाह रवीन्द्र पटेल, जिला कार्यवाह आदित्य शिवहरे, जिला सचिव अखिलेश त्रिपाठी, छात्रावास अधीक्षक अनिरुद्ध रैदास सहित छात्र उपस्थित रहे।

रिटायर्ड बैंककर्मी के घर मे चोरों के घुसने पर वार्डवासियों में दहशत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शहर के विकटगंज स्थित पुरानी आरटीओ कॉलोनी में बीती रात अज्ञात चोरों ने ऐसा दुस्साहस किया कि घर के अंदर परिवार के लोग मौजूद थे और चोरों ने कमरे के बाहर से कुंडी लगाकर मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। सुबह मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिलने और घर में सामान अस्त-व्यस्त पाए जाने के बाद चोरी की जानकारी सामने आई। बताया जा रहा है कि मकान रिटायर्ड बैंककर्मी श्री खंडेलवाल का है। वारदात के दौरान परिवार के सभी लोग घर में मौजूद थे। चोरों ने पहले कमरे के बाहर से कुंडी लगा दी, जिससे अंदर मौजूद लोग बाहर न निकल सकें। फिलहाल चोर कितने माल पर हाथ साफ कर गए हैं, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। सामान के मिलान के बाद ही चोरी की वास्तविक जानकारी स्पष्ट होगी। घटना के बाद पुरानी आरटीओ कॉलोनी के रहवासियों में दहशत और नाराजगी का माहौल है। यह मकान शहर के बड़े कारोबारी रहे स्वर्गीय चिम्मनलाल खंडेलवाल के दामाद का है। खास बात यह भी है कि करीब एक साल पहले इसी क्षेत्र में आसपास के कई मकानों को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया था। लगातार चोरी की घटनाओं से रहवासी अब रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात में नियमित गश्त बढ़ाने,संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

कारोपानी में आज भी दौड़ती है प्राकृतिक विरासत

जबलपुर-अमरकंटक मार्ग के समीप स्थित प्राकृतिक हिरण पार्क बना वन्यजीव प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र, संरक्षण में ग्रामीणों की भी अहम भूमिका

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले की पहचान केवल घने जंगलों, नदियों और प्राकृतिक सुंदरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां वन्यजीवों की ऐसी अनूठी विरासत भी मौजूद है, जो प्रकृति और मानव के बीच बेहतर सामंजस्य की कहानी कहती है। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर जबलपुर-अमरकंटक मार्ग के समीप स्थित कारोपानी प्राकृतिक हिरण पार्क में आज भी काले हिरण खुले प्राकृतिक वातावरण में स्वच्छंद विचरण करते दिखाई देते हैं। हरियाली से घिरे खुले पठारी मैदानों में हिरणों के झुंड का दौड़ना यहां आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। कारोपानी की खासियत यह है कि यहां वन्यजीवों को पारंपरिक तरीके से किसी छोटे कृत्रिम बाड़े में कैद रखने के बजाय उनके प्राकृतिक परिवेश को बनाए रखने पर जोर दिया गया है। खुले मैदान, आसपास की हरियाली और प्राकृतिक वातावरण काले हिरणों को विचरण के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराते हैं। यही कारण है कि कारोपानी को डिंडौरी की प्राकृतिक और वन्यजीव विरासत के महत्वपूर्ण स्थलों में गिना जाता है।

खुले मैदानों में दिखाई देता है हिरणों का झुंड-कारोपानी पहुंचने वाले लोगों को खुले मैदानों में काले हिरणों के झुंड दिखाई देना अपने आप में अलग अनुभव देता है। कभी हिरण शांत वातावरण में चरते नजर आते हैं तो कभी अचानक झुंड के साथ तेज गति से दौड़ते हुए दिखाई देते हैं। प्राकृतिक वातावरण में इनका यह स्वच्छंद विचरण कारोपानी को अन्य सामान्य पर्यटन स्थलों से अलग पहचान देता है। काले हिरणों की

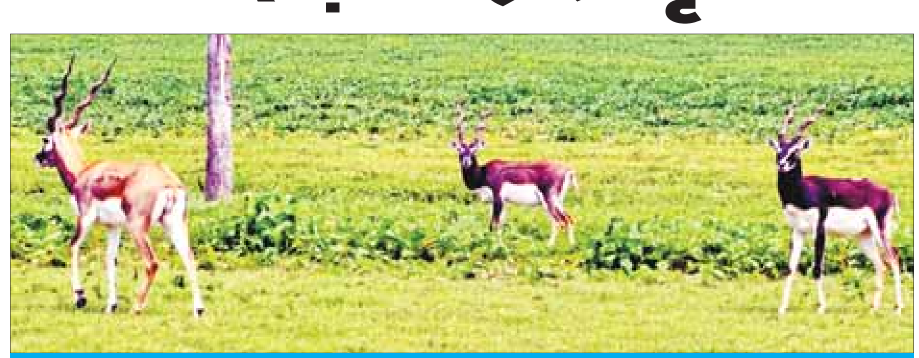

खुले मैदानों में स्वच्छंद विचरण करते हैं काले हिरण

मौजूदगी क्षेत्र की जैव विविधता को भी समृद्ध करती है। प्राकृतिक वनस्पति और खुले भू-भाग के बीच इन वन्यजीवों की मौजूदगी यह बताती है कि यदि वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखा जाए तो संरक्षण के बेहतर परिणाम सामने आ सकते हैं।

ग्रामीणों की सहभागिता से मजबूत हुआ संरक्षण-कारोपानी में वन्यजीव संरक्षण की कहानी केवल वन विभाग अथवा प्रशासन तक सीमित नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिरणों के प्रति ग्रामीणों में अपनापन और संरक्षण की भावना ने वन्यजीवों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में योगदान दिया है। ग्रामीणों और वन्यजीवों के बीच यह सह-अस्तित्व प्रकृति संरक्षण का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा सकता है। वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाने के बजाय उनके संरक्षण के प्रति स्थानीय स्तर पर जागरूकता बनाए रखना कारोपानी की सबसे बड़ी ताकतों में शामिल है। इससे यह संदेश भी मिलता है कि स्थानीय समुदाय को संरक्षण की प्रक्रिया से जोड़कर वन्यजीवों के संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

प्रकृति के साथ ग्रामीण जीवन की भी झलक-कारोपानी की खूबसूरती केवल हिरणों तक सीमित नहीं है। यहां का प्राकृतिक परिवेश, खुले मैदान और आसपास की हरियाली क्षेत्र को विशेष बनाते हैं। एक ओर खुले मैदानों में काले हिरणों के झुंड दिखाई देते हैं, वहीं दूसरी ओर आसपास का ग्रामीण परिवेश प्रकृति के साथ स्थानीय जीवन की झलक प्रस्तुत करता है। शहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए यह स्थान प्रकृति को करीब से देखने और वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण में समझने का अवसर प्रदान कर सकता है। यही वजह है कि कारोपानी में प्रकृति आधारित पर्यटन की संभावनाओं को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पर्यटन के लिए संभावनाओं से भरा क्षेत्र-जबलपुर-अमरकंटक मार्ग के समीप स्थित होने के कारण कारोपानी की पर्यटन दृष्टि से भौगोलिक स्थिति भी महत्वपूर्ण है। जिले में आने वाले पर्यटकों को यदि प्राकृतिक स्थलों और वन्यजीव क्षेत्रों से जोड़ा जाए तो कारोपानी भविष्य में पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकता है। प्राकृतिक वातावरण में विचरण करते काले हिरण पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण साबित हो सकते हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में प्रकृति दर्शन, वन्यजीव जागरूकता और स्थानीय ग्रामीण जीवन से जुड़े पर्यटन को विकसित करने की संभावनाएं भी मौजूद हैं। हालांकि पर्यटन विकास के साथ यह जरूरी होगा कि हिरणों के प्राकृतिक आवास और उनके स्वच्छंद विचरण में किसी तरह का व्यवधान न आए।

दूर होती वैदिक गणित की परंपरा

वैदिक गणित भारत की प्राचीन गणितीय परंपरा से जुड़ी एक चर्चित गणना पद्धति है। इसमें विभिन्न गणितीय गणनाओं को अपेक्षाकृत सरल और तेज तरीके से करने की तकनीकें बताई जाती हैं। आज तकनीक और कैलकुलेटर का इस्तेमाल बढ़ने के साथ मानसिक गणना का अभ्यास कम होता जा रहा है। ऐसे में वैदिक गणित की विधियों को समझना विद्यार्थियों के लिए गणना कौशल विकसित करने का एक उपयोगी माध्यम हो सकता है।

वैदिक गणित का महत्व

वैदिक गणित से संबंधित साहित्य में 16 सूत्र और 13 उपसूत्रों का उल्लेख मिलता है। इनके आधार पर जोड़, घटाव, गुणा, भाग, वर्ग, वर्गमूल और अन्य गणनाओं को अलग-अलग तरीकों से हल करने का अभ्यास कराया जाता है। नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों में गणना की गति, एकाग्रता, तार्किक सोच और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में समय प्रबंधन के लिहाज से भी मानसिक गणना का अभ्यास उपयोगी माना जाता है।

क्यों हो रही है उपेक्षा?

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में वैदिक गणित को अलग विषय के रूप में सीमित स्थान मिलने और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण विद्यार्थियों का मानसिक गणना से जुड़ाव कम हुआ है। इसके अलावा स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों और व्यवस्थित प्रशिक्षण की कमी भी इसके प्रसार में बाधा बन सकती है। परिणामस्वरूप नई पीढ़ी भारतीय गणितीय परंपरा के इस पहलू से कम परिचित हो रही है।

संरक्षण और प्रसार की जरूरत

विद्यार्थियों को वैदिक गणित से परिचित कराने के लिए स्कूलों में कार्यशालाएं, गणित प्रतियोगिताएं और गतिविधियां आयोजित की जा सकती हैं। शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं तथा डिजिटल माध्यमों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सरल गणना तकनीकों को विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाए। हालांकि, इन विधियों को सामान्य गणित की अवधारणाओं के विकल्प के बजाय उनके साथ अभ्यास के रूप में अपनाना अधिक उपयोगी होगा।

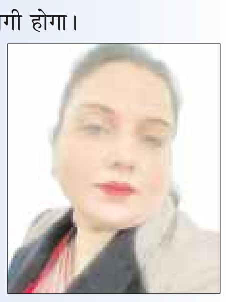

दीपशिखा गुप्ता

शिक्षक, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी गोविंदगंज, जबलपुर।

जीवा से कोण तक, वृत्त की ज्यामिति समझें आसान तरीके से

ज्यामिति में वृत्त एक महत्वपूर्ण अध्याय है। परीक्षा की तैयारी के हिसाब से वृत्त से जुड़े प्रश्नों में जीवा, चाप, त्रिज्या, व्यास और कोण की अवधारणाओं को समझना जरूरी है। इनकी परिभाषा और प्रमुख प्रमेय स्पष्ट होने पर प्रश्नों को हल करना काफी आसान हो जाता है।

जीवा क्या है?

वृत्त की परिधि पर स्थित किसी भी दो बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड को जीवा (Chord) कहते हैं। वृत्त में अनेक जीवाएं बनाई जा सकती हैं। इनमें केंद्र से होकर गुजरने वाली जीवा को व्यास (Diameter) कहते हैं। व्यास वृत्त की सबसे लंबी जीवा होती है। इसकी लंबाई त्रिज्या की दोगुनी होती है।

सूत्र- व्यास = 2 × त्रिज्या

उदाहरण - यदि किसी वृत्त की त्रिज्या 6 सेमी है, तो,

व्यास = 2 × 6 = 12 सेमी होगा।

चाप को समझें

वृत्त की परिधि के किसी भाग को चाप (Arc) कहते हैं। इसके मुख्य रूप से तीन प्रकार समझे जाते हैं।

1 लघु चाप - परिधि के आधे से छोटा चाप।

2 दीर्घ चाप - परिधि के आधे से बड़ा चाप।

3 अर्धवृत्त - परिधि का ठीक आधा भाग, जिसका कोणीय माप 180 डिग्री होता है।

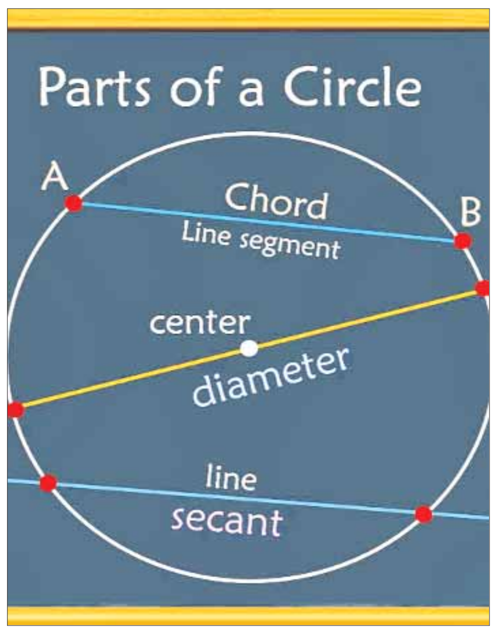

केंद्रीय कोण और परिधीय कोण

जब दो त्रिज्याएं केंद्र पर मिलकर कोण बनाती हैं, तो उसे केंद्रीय कोण कहते हैं। वहीं, वृत्त की परिधि पर स्थित किसी बिंदु से दो जीवाओं या रेखाखंडों द्वारा बना कोण परिधीय कोण कहलाता है।

वृत्त के प्रश्न चरणबद्ध तरीके से ऐसे हल करें

वृत्त से जुड़े प्रश्नों में सही उत्तर के साथ हल करने की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होती है। खासकर परीक्षा में चित्र को समझकर सही प्रमेय का प्रयोग करने से प्रश्न आसानी से हल किया जा सकता है। प्रश्न हल करते समय निम्न चरणों को क्रम से अपनाएं,

1 प्रश्न और चित्र को ध्यान से पढ़ें- सबसे पहले दिए गए प्रश्न को पूरा पढ़ें। चित्र में वृत्त का केंद्र, त्रिज्या, व्यास, जीवा, चाप और कोण पहचानें। किसी भी बिंदु या रेखा को बिना समझे आगे न बढ़ें।

2 दिए गए तथ्य लिखें- प्रश्न में जो मान दिए गए हैं, उन्हें अलग से लिखें। जैसे, त्रिज्या = 6 सेमी, केंद्रीय कोण = 80 डिग्री आदि। इससे सवाल की जानकारी स्पष्ट हो जाती है।

3 क्या ज्ञात करना है, यह तय करें- प्रश्न में किस राशि का मान पूछा गया है, उसे स्पष्ट रूप से लिखें। उदाहरण के लिए, ज्ञात करना है, परिधीय कोण =?

4 संबंधित प्रमेय पहचानें- अब देखें कि प्रश्न किस प्रमेय पर आधारित है। केंद्रीय कोण और परिधीय कोण में संबंध, अर्धवृत्त में बना कोण 90 डिग्री होना या एक ही चाप पर बने कोणों की समानता जैसे प्रमेयों का सही चयन करें।

5 प्रमेय या सूत्र लिखें- समाधान की शुरुआत संबंधित प्रमेय या सूत्र से करें। इससे परीक्षक को स्पष्ट होता है कि आपने सही नियम का प्रयोग किया है।

6 मान रखकर गणना करें- दिए गए मानों को सूत्र या प्रमेय में रखें और गणना को एक-एक चरण में लिखें। बीच के चरण छोड़कर सीधे उत्तर लिखने से बचें।

7 चित्र से उत्तर का मिलान करें- गणना पूरी होने के बाद देखें कि प्राप्त उत्तर प्रश्न के चित्र और दिए गए तथ्यों के अनुरूप है या नहीं।

8 अंतिम उत्तर स्पष्ट लिखें- अंत में उत्तर को अलग से स्पष्ट करें। कोण के उत्तर में डिग्री और लंबाई में सेमी जैसी सही इकाई जरूर लिखें।

परीक्षा में खास ध्यान रखें

प्रमेय का नाम या कथन लिखने के बाद उसका प्रयोग करें। चित्र साफ बनाएं, बिंदुओं के नाम स्पष्ट रखें और रफ कार्य को व्यवस्थित रखें। रोजाना 2 से 3 प्रमेय आधारित प्रश्नों का अभ्यास करने से प्रश्नों को पहचानने और हल करने की गति बेहतर होती है।

गणित, समझकर और नियमित अभ्यास के साथ पढ़ने की जरूरत

गणित केवल एक विषय नहीं है, बल्कि बच्चों में तर्क, एकाग्रता, धैर्य और समस्याओं को सही तरीके से हल करने की क्षमता विकसित करने का माध्यम है। अक्सर विद्यार्थी गणित को कठिन विषय मानकर उससे डरने लगते हैं। सही मार्गदर्शन नियमित अभ्यास से गणित को हर विद्यार्थी के लिए आसान और रुचिकर बनाया जा सकता है। विद्यार्थियों को सबसे पहले अवधारणा यानी कॉन्सेप्ट समझना चाहिए। केवल सूत्रों को रटने से गणित में अच्छे अंक प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। किसी भी प्रश्न को हल करते समय पहले यह समझें कि प्रश्न में क्या दिया गया है, क्या ज्ञात करना है और उसे हल करने के लिए किस विधि या सूत्र का प्रयोग किया जाएगा।

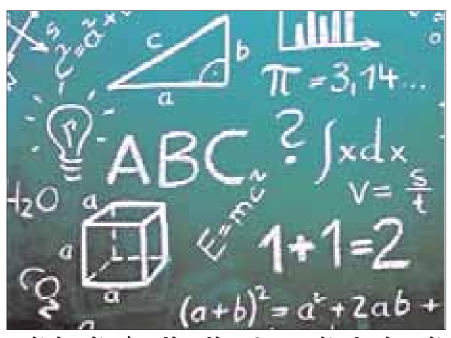

रोज थोड़ा अभ्यास जरूरी

गणित में निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी है। विद्यार्थियों को प्रतिदिन कुछ समय गणित के लिए निर्धारित करना चाहिए। शुरुआत आसान प्रश्नों से करें और धीरे-धीरे कठिन प्रश्नों की ओर बढ़ें। इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रश्न हल करने की गति भी बेहतर होगी।

पिछले प्रश्नपत्रों से करें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों को हल करना परीक्षा की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे प्रश्नों के स्वरूप और समय प्रबंधन को समझने में मदद मिलती है। प्रत्येक अध्याय के महत्वपूर्ण प्रश्नों का नियमित पुनरावर्तन भी जरूरी है।

परीक्षा में रखें इन बातों का ध्यान

- पहले कॉन्सेप्ट समझें, फिर सूत्र याद करें।
- प्रत्येक अध्याय के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास करें।
- पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करें।
- हर चरण स्पष्ट रूप से लिखें, ताकि पूरे अंक मिल सकें।
- सूत्रों और महत्वपूर्ण प्रश्नों का नियमित रिवीजन करें।
- समय बचाने के लिए प्रश्न हल करने की गति पर भी ध्यान दें।

अभिभावकों और शिक्षकों को भी बच्चों पर केवल अंक लाने का दबाव डालने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। गणित हमें केवल संख्याओं से काम करना नहीं सिखाता, बल्कि यह भी सिखाता है कि जीवन की हर समस्या का कोई न कोई समाधान जरूर होता है।

वर्षा पांडेय

**प्राचार्य
हितकारिणी उ.मा. शाला, सहजपुर, जबलपुर।**

गणित के महत्वपूर्ण तथ्य

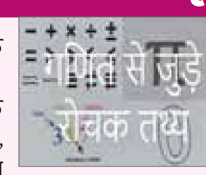

- शून्य न तो धनात्मक संख्या है, न ऋणात्मक।
- हर पूर्ण संख्या एक परिमेय संख्या होती है, क्योंकि उसे हर 1 के रूप में लिखा जा सकता है।
- किसी संख्या का विपरीत और उस संख्या का योग 0 होता है।
- 1 का गुणात्मक प्रतिलोम भी 1 होता है।
- किसी संख्या को 10 से भाग देने पर दशमलव बिंदु एक स्थान बाईं ओर खिसकता है।
- किसी संख्या को 1000 से गुणा करने पर दशमलव बिंदु तीन स्थान दाईं ओर खिसकता है।
- भिन्न में अंश और हर दोनों को समान गैर-शून्य संख्या से गुणा करने पर भिन्न का मान नहीं बदलता।
- दो ऋणात्मक संख्याओं का गुणनफल धनात्मक होता है।
- धनात्मक और ऋणात्मक संख्या का गुणनफल ऋणात्मक होता है।
- किसी संख्या का वर्ग हमेशा ऋणात्मक नहीं होता; वास्तविक संख्या का वर्ग शून्य या धनात्मक होता है।
- अभाज्य संख्या के केवल दो धनात्मक गुणनखंड होते हैं, 1 और स्वयं वह संख्या।
- 2 सबसे छोटी और एकमात्र सम अभाज्य संख्या है।
- 1 अभाज्य संख्या नहीं है, क्योंकि इसका केवल एक धनात्मक गुणनखंड है।
- दो समानांतर रेखाएं कभी एक-दूसरे को नहीं काटतीं।
- त्रिभुज की सबसे बड़ी भुजा के सामने सबसे बड़ा कोण होता है।
- आयत की विपरीत भुजाएं बराबर और समानांतर होती हैं।
- वर्ग एक आयत भी है और समचतुर्भुज भी, क्योंकि उसमें आयत और समचतुर्भुज दोनों के गुण पाए जाते हैं।

गणितः छोटी-सी लापरवाही, कट सकते हैं मार्क्स

गणित ऐसा विषय है जिसमें सही तरीका अपनाने के बावजूद छोटी-सी गलती पूरे उत्तर को गलत कर सकती है। कई बार विद्यार्थी अवधारणा समझने के बाद भी जल्दबाजी, गणना में लापरवाही या प्रश्न को ठीक से न पढ़ने के कारण अंक गंवा देते हैं। परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए यह समझना जरूरी है कि गलतियां कहां होती हैं और उनसे कैसे बचा जाए।

प्रश्न को पूरा न पढ़ना

कई विद्यार्थी प्रश्न देखते ही हल करना शुरू कर देते हैं। इससे यह समझने में गलती हो सकती है कि वास्तव में पूछा क्या गया है। खासकर शब्द-प्रश्नों में इकाई, शर्त या दिए गए आंकड़ों को नजरअंदाज करने से उत्तर गलत हो सकता है।

सावधानी - प्रश्न को कम से कम दो बार पढ़ें। दिए गए तथ्य और ज्ञात करना है, दोनों अलग-अलग लिखें।

चिन्हों की गलती

जोड़, घटाव, गुणा और भाग के चिन्हों के साथ-साथ धनात्मक और ऋणात्मक संख्याओं में गलती आम है। बीजगणितीय सवालों में माइनस का चिन्ह छूट जाने से पूरा उत्तर बदल सकता है।

सावधानी - प्रत्येक चरण में चिन्ह पर विशेष ध्यान दें और अंतिम उत्तर की दोबारा जांच करें।

सूत्र गलत लगाना

क्षेत्रफल, परिमाप, घनफल, प्रतिशत या ज्यामिति के प्रश्नों में विद्यार्थी कई बार सही मान होने के बावजूद गलत सूत्र लगा देते हैं।

सावधानी - सूत्र को याद करने के साथ यह भी समझें कि उसका प्रयोग कब करना है। उत्तर लिखने से पहले सूत्र जरूर लिखें।

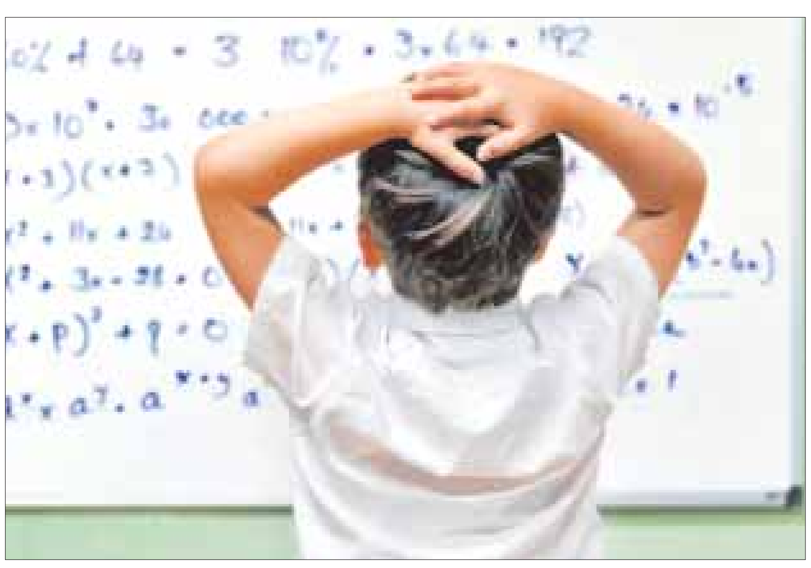

इकाई लिखना भूल जाना

लंबाई, क्षेत्रफल और आयतन के प्रश्नों में इकाई महत्वपूर्ण होती है। सेमी की जगह वर्ग सेमी या घन सेमी लिखने में गलती हो सकती है।

सावधानी - अंतिम उत्तर के साथ सही इकाई लिखें और देखें कि प्रश्न में कौन-सी इकाई दी गई है।

जल्दबाजी में उत्तर जांचे बिना छोड़ देना

समय बचाने के चक्कर में विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका जमा करने से पहले जांच नहीं करते। गणना की छोटी गलती, दशमलव या चिन्ह की भूल आसानी से पकड़ी जा सकती है।

सावधानी - परीक्षा के अंतिम 10 से 15 मिनट उत्तर जांचने के लिए रखें। पहले वे प्रश्न देखें जिनमें गणना अधिक है।

गणित में गलती होना सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन एक ही गलती बार-बार न हो, इसका ध्यान रखना जरूरी है। गलत प्रश्नों की 'मिस्टेक कॉपी' बनाएं और उसमें गलती का कारण तथा सही तरीका लिखें। नियमित अभ्यास, साफ-सुथरा चरणबद्ध हल और अंतिम जांच से गणित में सटीकता बढ़ाई जा सकती है।

शब्द पहेली - 8989

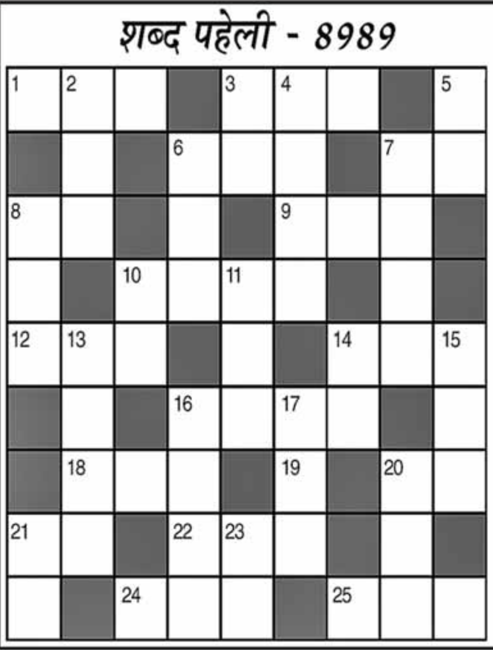

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8988 का हल

■	अ	जा	न	■	स	ली	का	■
दा	दा	■	सी	■	ह	■	या	द
मि	■	■	ब	र	सा	त	■	म
नी	र	व	■	थ	■	र	ह	न
■	■	ज	रा	■	सा	की	■	■
सु	ल	ह	■	दां	■	ब	हा	व
दा	■	■	सा	व	न	■	■	ज
मा	ता	■	ह	■	य	■	का	न
■	त	म	स	■	न	क	ल	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

कमिश्नर ने पट्टा धारकों को जारी किया नोटिस

सिविल लाइन.धवारी रोड के किनारे के 80 धारणाधिकार पट्टे होंगे निरस्त

सतना (स्वतंत्र मत)

धवारी चौराहे के बगल से रेलवे भूमि में प्रस्तावित आरएलडीए के व्यावसायिक कम आवासीय प्रोजेक्ट के लिए सड़क तक सीधी पहुंच बाधित है। रेलवे भूमि और रोड के बीच में काफी संख्या में दुकानें और अन्य भवन निर्मित हैं। ये सभी निर्माण धारणाधिकार के तहत दिए गए हैं। लेकिन जांच में पाया गया है कि यह धारणाधिकार नियम विरुद्ध तरीके से आवंटित किए गए हैं। इसकी रिपोर्ट कलेक्टर ने संभागायुक्त रीवा को भेजते हुए इन पट्टों को निरस्त करने का प्रस्ताव रखा है। इसे लेकर अब संभागायुक्त रीवा ने सुनवाई प्रारंभ करने का निर्णय लिया है और सभी पट्टाधारकों को नोटिस दिया है। सभी को तय तिथि पर कमिश्नर न्यायालय में पेश होने का आदेश दिया है। इसके बाद से माना जा रहा है कि इनके पट्टे विधिवत सुनवाई के बाद निरस्त किए जा सकते हैं और संबंधितों से धारणाधिकार पट्टों के लिए ली गई राशि वापस की जाएगी।

जांच में सामने आया बड़ा खेल

कलेक्टर ने जब इसकी जांच प्रारंभ करवाई तो पाया कि यहां जिन लोगों के आवास या व्यावसायिक भवन बने हैं वे सभी धारणाधिकार पट्टाधारी हैं। जब राजस्व अभिलेखों की जांच की गई तो पाया गया कि जिस जमीन पर यह धारणाधिकार पट्टा दिया गया है वह अभिलेखों में सड़क और खंती दर्ज है। जबकि राजस्व विभाग के परिपत्र के अनुसार ऐसी भूमि जो सार्वजनिक प्रयोजन के लिए हो जैसे सड़क खंती आदि उन पर किसी भी दशा में धारणाधिकार पट्टे नहीं दिए जा सकते हैं। लिहाजा पूर्व में वितरित किए गए पट्टे नियम विरुद्ध पाए गए। लिहाजा इन्हें पुनरीक्षण में लेकर निरस्त करने का प्रस्ताव कमिश्नर को भेजा है।

संभागायुक्त ने शुरू की प्रक्रिया

कलेक्टर के प्रस्ताव के बाद अब संभागायुक्त न्यायालय रीवा ने इस मामले में प्रकरण दर्ज करते हुए सुनवाई प्रारंभ कर दी है। इसके तहत लगभग 80 लोगों को नोटिस जारी किया है। इन सभी के जवाब के बाद आगे निर्णय लिया जाएगा।

इस तरह सामने आया मामला

रेलवे की रेल लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ;आरएलडीएने अपना व्यावसायिक कम आवासीय प्रोजेक्ट प्रारंभ किया है। जिस पार्टी ने यह प्रोजेक्ट टेंडर में पाया है उसने रेलवे को आपत्ति जताई कि रेलवे की जमीन और रोड के बीच में काफी संख्या में निर्माण हो चुके हैं। ऐसे में इस प्रोजेक्ट की रोड तक पहुंच नहीं है। ऐसे में प्रोजेक्ट लेने में दिक्कत होगी। रेलवे ने अपनी जमीनों के रिकॉर्ड में पाया कि उसकी जमीन के बाद सीधे रोड है ऐसे में बीच में भवन निर्माण नहीं हो सकते थे। इस पर रेलवे ने जिला प्रशासन से आपत्ति जाहिर की।

सतना शहर में अतिक्रमण बेलगाम फुटपाथ पर दुकानें

सतना (स्वतंत्र मत)

सतना शहर में अतिक्रमण की समस्या अब बेकाबू होती जा रही है। नगर निगम प्रशासन की अनदेखी के चलते शहर के मुख्य बाजारों चौराहों और सड़कों पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा जमा लिया है। हालात यह है कि फुटपाथ पर खेल खिलौने और सब्जियों की दुकानें लगी हैंए तो मुख्य सड़क पर ठेले और खोमचे वालों ने डेरा डाल रखा है। इससे पैदल चलने वाले लोगों के लिए फुटपाथ पर जगह नहीं बची है और वाहनों के लिए सड़क संकरी हो गई है। वही पूरे शहर में गड्ढे से तब्दील सड़क हो गई है जिससे और भी परेशानी लोगों को हो रही है। शहर के सबसे व्यस्त इलाके सिविल लाइन चौराहा बस स्टैंड बिरला रोड सुभाष पार्क गल्ला मंडी बिहारी चौक लालता चौक पन्ना नाका पतेरी चौराहा सहित लगभग हर बड़े मार्ग का यही हाल है। सुबह से लेकर शाम तक इन क्षेत्रों में अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। स्कूली बच्चों ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों के सामने तक सामान फैला रखा है। कहीं.कहीं तो दुकान का आधा सामान सड़क पर रखा रहता है। इसके अलावा सब्जी मंडी के आसपास तो सड़क पर ही सब्जी की दुकानें लग जाती हैं जिससे दो पहिया और चार पहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो एम्बुलेंस तक जाम में फंस जाती है। राहगीरों का कहना है कि निगम प्रशासन सिर्फ कागजों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता है। कभी.कभार दिखावे के लिए एक.दो जगह से ठेले हटाए जाते हैं लेकिन दो दिन बाद फिर वहीं पर दुकानें लग जाती हैं। स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई जा रही है। यातायात पुलिस भी इस जाम से परेशान है। सड़क संकरी होने के कारण ट्रैफिक व्यवस्था संभालना मुश्किल हो रहा है। सिविल लाइन से बस स्टैंड और बिरला रोड से गल्ला मंडी तक शाम के समय पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। लोगों को मजबूरन सड़क के बीच से चलना पड़ता है जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। शहर के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि अगर निगम प्रशासन ने जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाएगी। त्योहारों का सीजन नजदीक है ऐसे में बाजारों में भीड़ और बढ़ेगी। यदि अभी से अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो शहर पूरी तरह से जाम में तब्दील हो जाएगा और लोग घंटों जाम में फंसे रहेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 29 सितंबर को जिले में होंगी विभिन्न गतिविधियां

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 29 सितंबर को जिले में विभिन्न विभागों द्वारा जनहित, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर विभागीय स्तर पर निर्धारित गतिविधियां आयोजित होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा ग्राम जोबा में शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूकता एवं 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा साईंखेड़ा में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय स्तर पर प्लास्टिक-मुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा महाविद्यालय परिसर में नशामुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

चार माह बाद भी नहीं खुला शिवराजपुर मंदिर चोरी का राज

सतना (स्वतंत्र मत)। जिले के शिवराजपुर स्थित प्राचीन मंदिर में करीब चार माह पूर्व हुई चोरी की घटना का पुलिस अब तक खुलासा नहीं कर पाई है। पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज शिवराजपुर के ग्रामीणों और मंदिर समिति के सदस्यों ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और जल्द से जल्द चोरी का खुलासा करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग चार माह पहले रात के समय अज्ञात चोरों ने मंदिर को निशाना बनाया था। चोर मंदिर से दान पेटी घंटे पीतल के बर्तन और अन्य पूजन सामग्री चोरी कर ले गए थे। घटना की जानकारी सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तब लगी। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और संबंधित थाने में मामला दर्ज कराया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने शुरुआत में तो जल्द खुलासे का आश्वासन दिया था लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी जांच वहीं की वहीं अटकी हुई है। पुलिस न तो घटनास्थल पर दोबारा जांच करने पहुंची और न ही किसी संदेही से पूछताछ की गई। इससे ग्रामीणों में पुलिस के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंदिर में चोरी की घटना से गांव में आस्था को भी ठेस पहुंची है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि मंदिर गांव की आस्था का केंद्र है। चोरी की घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है। उन्हें डर है कि चोर दोबारा ऐसी घटना को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस की निष्क्रियता के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। एसपी कार्यालय में ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम गठित कर जांच कराई जाए। सीसीटीवी फुटेज मुखबिर तंत्र और आसपास के आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों से पूछताछ कर जल्द से जल्द आरोपियों का पता लगाया जाए और चोरी गया सामान बरामद किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना.प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर करेली एवं चांवरपाठा में विकासखंड स्तरीय व्याख्यान एवं कार्यशालाएं आयोजित हुई

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले के विकासखंड करेली एवं चांवरपाठा में विकासखंड स्तरीय व्याख्यान कार्यक्रम एवं कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रमों में पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, व्यक्तित्व एवं विचार-दर्शन, विशेषकर एकात्म मानववाद, अंत्योदय, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण की अवधारणाओं पर विचार-विमर्श किया गया। विकासखंड करेली में शासकीय सांदीपनि विद्यालय में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की कक्षा के अंतर्गत व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री कमलेश कौरव, श्री आकाश दुबे, श्री विजय चौधरी मौजूद थे। श्री कमलेश कौरव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के संपूर्ण जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के साथ व्यक्ति, समाज, मानव और प्रकृति के परस्पर संबंधों के संबंध में चर्चा की। श्री आकाश दुबे ने एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय की अवधारणा तथा शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के साथ चार पुरुषार्थ के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। विकासखंड समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक ने कार्यक्रम की भूमिका एवं प्रस्तावना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं के लिए रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

कांग्रेस कर रही लोकतंत्र की मर्यादा को लांघने का काम

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस द्वारा भ्रम फैलाने पर अपनी बात रखते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना उचित नहीं राजनैतिक असफलता का ठीकरा कांग्रेस और विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ रहा है। केबिनेट सेकेटरी को भेजे गये पत्र को लेकर भी विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाया गया चुनाव आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यह पत्र किसी नीतिगत विषय अथवा एस.आई.आर. से संबंधित नही था, बल्कि प्रतिनियुक्ति पर आये अधिकारी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से संबंधित आंतरिक मामला था। चुनाव आयोग को लेकर भ्रम फैलाने पर राहुल गांधी को माफी मांगकर स्तीफा देना चाहिए क्योंकि चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस के झूठ और भ्रम की राजनीति बेनकाब हो गई है। हर नागरिक का मताधिकार सुनिश्चित करना आयोग की प्राथमिकता में शामिल रहा है। राहुल गांधी और कांग्रेस एंटी बीजेपी नहीं एंटी नेशनल बातें करते हैं कांग्रेस लोकतंत्र की मर्यादा को बार बार लांघने का काम कर रही है। और कांग्रेस को आज आत्म मंथन करना चाहिए कि जनता उसे लगातार क्यों नकार रही है। इसके साथ ही उन्होने कहा कि राहुल गांधी ने जिस मीडिया रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग और एस.आई.आर. को लेकर सवाल खड़े किए चुनाव आयोग के स्पष्टिकरण के बाद उस रिपोर्ट की तथ्यात्मिकता पर भी सवाल खड़े हो गए। राजनैतिक दलों से अपेक्षा होती है कि वे किसी संवैधानिक संस्था पर गंभीर आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पूरी जांच करें उसके बाद आरोप लगायें किसी मीडिया रिपोर्ट के आधार पर आरोप लगाकर उसे देश की लोकतांत्रित व्यवस्था के खिलाफ उसे बड़े मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करना अनुचित है। इसी तरह कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर जाकर भारतीय न्यायपालिका और लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करना अनुचित है। राजनैतिक दलों का यह फर्ज है कि वे देश की संवैधानिक संस्था के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत करने की जिम्मेदारी निभायें। लेकिन कांग्रेस इसके उलट की कार्य कर रही है। एस.आई.आर.की प्रक्रिया के तहत फार्म 6 से जुड़े डिक्लरेशन को लेकर सवाल उठाये गये लेकिन दस्तावेज के अनुसार 24 मई 2026 को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा फार्म 6 से जुड़े डिक्लरेशन को वैद्य ठहराया जा चुका है। फिर भी इसमें मनमाने बदलाव किए जाने का आरोप किस आधार पर लगाया जा रहा है। जब न्यायपालिका का निर्णय सामने है तो इस पर राजनैतिक आरोपो की बजाय न्याय प्रक्रिया और तथ्यों का सम्मान कांग्रेस द्वारा किया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने सदैव संवैधानिक संस्थाओं पर लगाये प्रश्न चिन्ह

यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा किसी संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये गये है। इसके पहले 2024 में ई.वी.एम. को ब्लैक बॉक्स बताकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाये थे। जैसे कि 2016-22 सेना का अपमान किया जिसमें सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगना एवं खून की दलाली कहना और तवांग में झड़प पर सेना का मनोबल गिराना, कांग्रेस के प्रमुख कार्य रहे हैं। जबकि 2019 में देश के प्रधानमंत्री को लेकर चौकीदार चोर है के ब्यान को लेकर सुप्रीम कोर्ट से बिना सर्त माफी मांगनी पड़ी थी। आज चुनाव आयोग ने अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है तब कांग्रेस और राहुल गांधी भी देश के सामने स्पष्ट करें कि वे चुनाव आयोग के सर्वसम्मत निर्णय न्याय पालिका के निर्णय और देश की संवैधानिक संस्था पर विश्वास करते हैं कि नहीं।

एनटीपीसी विंध्याचल में दो दिवसीय एमएसएमई वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)। एनटीपीसी विंध्याचल के संविदा एवं सामग्री विभाग तथा एमएसएमई डीएफओ, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 24 एवं 25 सितंबर 2026 को एनटीपीसी वीवा क्लब, विंध्याचल में दो दिवसीय एमएसएमई वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को बढ़ावा देना तथा एमएसएमई एवं सार्वजनिक उपक्रमों के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), एनटीपीसी विंध्याचल सहित एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी तथा डीआईसीसीआई एवं एससीसीआई के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों एवं संगठनों द्वारा कुल 15 स्टॉल लगाए गए। इनमें एनसीएल, बीएचईएल, सिपेट, बीआईएस, आरएक्सआईएल, बीएसएनएल, इंडिया पोस्ट तथा एवीएनएल जबलपुर सहित अन्य संगठनों ने सहभागिता की। इन स्टॉलों के माध्यम से एमएसएमई प्रतिनिधियों को विभिन्न संगठनों की खरीद प्रक्रियाओं, आवश्यकताओं, प्रक्रियात्मक दिशा-निर्देशों तथा संभावित व्यावसायिक सहयोग के अवसरों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। इस अवसर पर श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया तथा प्रतिभागी संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी गतिविधियों एवं कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

एनसीएल में राजभाषा पखवाड़ा 2026 का हुआ समापन

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)। सोमवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में 'राजभाषा पखवाड़ा' 2026 के समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के दौरान एनसीएल के निदेशक (तकनीकी), आशुतोष द्विवेदी, सीवीओ एनसीएल, अजय कुमार जायसवाल, कंपनी जेसीसी सदस्य सीएमएस से अजय कुमार, आरसीएसएस से लाल पुष्पराज सिंह, बीएमएस से अशोक मिश्रा, एचएसएम से अशोक कुमार पांडे और सीएमओएआई के महासचिव सर्वेश सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में निदेशक (तकनीकी) आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि हिंदी हमारी समृद्ध भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने हिंदी बोलने में हीन भावना न रखने तथा राजभाषा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर बल दिया।

इसके अलावा मुख्य सतर्कता अधिकारी, अजय कुमार जायसवाल ने मातृभाषा से प्रेम करने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एनसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधकगण, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, अधिकारी व कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में विद्यालयों के बच्चे उपस्थित रहे। 'राजभाषा पखवाड़ा' 2026 का आयोजन एनसीएल के राजभाषा विभाग के तत्वावधान में किया गया। इस दौरान स्वागत उद्बोधन महाप्रबंधक (राजभाषा), पी. के. त्रिपाठी द्वारा किया गया। समापन समारोह में धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक (मानव संसाधन), आर. के. राठौड़ तथा मंच संचालन प्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशासन),कौशल कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजभाषा पखवाडा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परियोजनाओं और कर्मियों तथा स्कूली बच्चों को पुरस्कृत किया गया ।

विवेक तन्खा के 70वें जन्मदिन पर रोटरी क्लब राना का अनूठा सेवा संकल्प

फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का किया रोपण, सेवा का दिया संदेश

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

रोटरी क्लब राना गाडरवारा ने रोटरी के पितृ पुरुष एवं राज्यसभा सांसद रोटेरियन विवेक कृष्ण तन्खा के 70वें जन्मदिवस को सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए 70 फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। क्लब के कार्यकाल के प्रथम सेवा कार्यक्रम के रूप में आयोजित इस आयोजन में रोटरी सदस्यों के साथ गणमान्य नागरिकों, महिला शक्ति एवं पत्रकारों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान के स्मरण एवं विधि-विधान से मंत्रोच्चार के साथ पौधों के पूजन से किया गया। इसके पश्चात जन्मदिन गीत के साथ पौधारोपण किया गया। उपस्थित सदस्यों ने रोटेरियन विवेक कृष्ण तन्खा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। रोटरी क्लब राना के अध्यक्ष अभिषेक बड़कुर ने कहा कि रोटरी सदैव स्वास्थ्य सेवा,पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा और समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देती रही है। विवेक तन्खा जी के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर 70 पौधों का रोपण इसी सेवा भावना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि च्प्रकृति बचेगी, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।ज्ज लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण के लिए भी क्लब के सदस्यों द्वारा संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में कदम संस्था के प्रमुख अजय खत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. स्वाति कुरचनिया, मंजू खत्री, मनोज द्विवेदी, नारायण सोनी, महेश प्रजापति एवं चंद्रकुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही। रोटरी क्लब राना से जिनेश जैन, मनीष जायसवाल, प्रियंक सोनी, नीलेश साहू, अमन जैन, रूपेश राय, प्रशांत मालपानी, अनीश जैन, सौरभ जैन, अभिषेक चौकस (सालेचौका), ऋषभ मालपानी, देवेश बुधौलिया, महेश रघुवंशी, सेतु जैन, लोकेश मालपानी, पुलकित काबरा, चतुर्भुज पेशवानी, संदीप, स्वप्निल बिश्नोई, रुचिर सराफ,डॉ अरविंद चौकसे,आयुष जैन एवं सर्वेश राय सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। रोटरी क्लब राना के मीडिया प्रभारी नीलेश साहू ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य जन्मदिन जैसे विशेष अवसर को केवल उत्सव तक सीमित न रखते हुए उसे समाजसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखा जाए। इसी उद्देश्य से क्लब सदस्यों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महिला शक्ति की भी सक्रिय एवं गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर नम्रता बड़कुर,राशि जैन,स्मृति जैन,स्मिता जैन,पूजा जैन, रुचि मालपानी,रुचि सोनी,विधि माहेश्वरी,सुबी जैन,पल्लवी जैन, सोनम जैन,रीना बुधौलिया,दीपिका उपाध्याय,स्वप्नाली बिस्नोई एवं खुशबू जायसवाल सहित अन्य मातृशक्ति उपस्थित रहीं। एवं पत्रकारगणों की भी सक्रिय उपस्थिति रही। रोटरी क्लब राणा के इस प्रथम सेवा कार्यक्रम ने च्जन्मदिन मनाएं, पौधे लगाएं और पर्यावरण बचाएंज्ज का सार्थक संदेश देते हुए समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

बिना दाम के नहीं होता कोई काम: उप तहसील बम्हनी के नहीं सुधरे हालात, किसका संरक्षण और किसकी चल रही मिलीभगत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

उप तहसील कार्यालय बम्हनी से जुड़े क्षेत्री ग्रामीण किसान और आम नागरिक रोजाना उपतहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। छोटे-छोटे कामों के लिए उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। शिकवा शिकायत के बाद भी सुनवाई नही हो रही है। ऐसा लग रहा है कि उपतहसील कार्यालय बम्हनी में पदस्थ अमले को राजनैतिक संरक्षण और प्रशासनिक संरक्षण मिला हुआ है। बीते दिनों यहां पर रिश्वत कांड होने के बाद भी अब तक अमले को हटाया नही गया है। तो वहीं जनसुनवाई में पहुंचे किसान ने बताया कि सरकार किसानों की सुविधा के लिए ऑनलाइन व्यवस्था और समय-सीमा में प्रकरणों के निराकरण की बात करती है लेकिन जमीनी स्तर पर कई किसानों को आज भी छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मंडला तहसील के बम्हनी सर्किल क्षेत्र से सामने आया है जहां राजस्व अभिलेखों में नाम की त्रुटि सुधार के लिए एक किसान पिछले करीब

आठ माह से परेशान है ग्राम औघटखपरी निवासी भूस्वामी कृषक दिनेश कुमार पिता स्व. महासिंह लोधी के अनुसार तहसील के सर्किल बम्हनी अंतर्गत पटवारी हल्का सेक्टर खड़देवरा में खसरा नंबर 608 एवं 761/2 की कृषि भूमि के राजस्व अभिलेख में उनके नाम के स्थान पर धनेश्वर नाम दर्ज है। इसी प्रकार सेक्टर सुकतरा के खसरा नंबर 174 की भूमि में भी धनौरा नाम दर्ज है। किसान का कहना है कि दोनों ही प्रविष्टियां गलत हैं और इन्हें सही कराकर उनका नाम दिनेश कुमार दर्ज किया जाना है किसान ने नाम संबंधी त्रुटि के सुधार के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत चालन राशि जमा कर ऑनलाइन आवेदन किया। इसके साथ मूल दस्तावेजों के अलावा आधार कार्ड, अंकसूची, खसरा, बही, ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र तथा स्कूल के दाखिल-खारिज की छायाप्रतियां भी संलग्न की गईं। किसान के मुताबिक 29 जनवरी को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन भी जमा किया गया था इसके बाद भी जब मामले में कार्यवाही नहीं हुई तो किसान ने 30 जून को कलेक्टर की जनसुनवाई में भी आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्या से प्रशासन को अवगत कराया। किसान का कहना है कि आवेदन दिए लंबा समय बीत जाने के बावजूद अब तक प्रकरण में कोई स्पष्ट कार्रवाई या निराकरण नहीं किया गया है किसान दिनेश कुमार का कहना है कि राजस्व अभिलेखों में नाम की त्रुटि के कारण उसे भविष्य में भूमि संबंधी कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वह लगातार यह जानने का प्रयास कर रहा है कि उसके आवेदन पर कब तक कार्यवाही होगी और नाम की त्रुटि किस प्रक्रिया के तहत सुधारी जाएगी लेकिन उसे स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है किसान ने प्रशासन से मांग की है कि उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और आवेदन की जांच कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज गलत नामों को नियमानुसार शीघ्र सुधारा जाए। साथ ही आवेदन के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए ताकि उसे अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें डिजिटल व्यवस्था और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के दौर में किसान की ओर से समय पर आवेदन और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के बावजूद यदि महीनों तक प्रकरण लंबित रहता है तो इससे राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। बता दें कि रिश्वतखोरी को लेकर उपतहसील बम्हनी में एक प्राईवेट कर्मचारी की नियुक्ति की गई। जिसके भरोसे पूरे सरकारी दस्तावेज पासवर्ड आईडी छोड़ दी गई अधिकारी घूमने में मस्त रहते थे और कर्मचारी पीड़ितों से आवेदकों से डीलिंग किया करता था इस राशि से किसका कितना हिस्सा होता था यह तो जांच के बाद ही सामने आयेंगा लेकिन अजब मंडला गजब कहानी एक बार फिर सामने आई हैं। लंबे समय से उप तहसील कार्यालय बम्हनी बंजर विवादों में दिखाई दे रही हैं। यहां पर छोटे छोटे कामों के लिए बिना लिए दिए कोई काम नही होते हैं अनेक ऐसे आदेश भी किए जा चुकें हैं जो नियम विरूद्ध हैं। यहीं नही यहां पदस्थ रहे एक नायब तहसीलदार ने अवैध कॉलोनी संचालकों से भी मोटी रकम वसूलकर उन्हें अवैध कॉलोनी निर्माण का अभयदान दिया था जैसे तैसे यहां से उन्हें हटाया गया लेकिन हाल ही में आए नायब तहसीलदार अजय श्रीवास्तव भी उसी रंग में दिखाई देने लगें मामला तब और गंभीर हो गया जब नायब तहसीलदार के प्राइवेट कर्मचारी को जबलपुर लोकायुक्त ने 8 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था।

चौराहा नामकरण की मांग, जयंती पर माल्यार्पण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बुधवारी चौंक स्थित अमर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया गया। जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुनील दुबे अन्ना महाराज आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, भारतीय सेवा परिषद अध्यक्ष अजय वंशकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। यहां पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री दुबे ने कहा कि उनके कार्यकाल में देश के अमर शहीदों की अनेक प्रतिमा नगर में स्थापित कराई गई है। ये प्रतिमाएं नागपुर में तैयार की गई थी इनकी सुरक्षा और संरक्षण पर नगर पालिका लापरवाही बरत रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि बुधवारी चौंक का नाम

शहीद भगत सिंह चौक होना चाहिए। इस दौरान आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज इस महत्वपूर्ण दिन में यहां पर साफ सफाई न होना नगर पालिका की लापरवाही को प्रमाणित करता है। उन्होंने कहा कि इन शहीदों के स्मारकों के सौन्र्दीयकरण में भी लापरवाही बरती जा रही है। अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी को नमन करते हुए उनके आदर्शों को स्मरण किया कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवियों ने कहा कि शहीद भगत सिंह जैसे राष्ट्रभक्तों ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर देश की स्वतंत्रता और राष्ट्रहित को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। उनका जीवन त्याग कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण संकल्प और उच्च लक्ष्य के प्रति दृढ़ आस्था का प्रेरणादायी उदाहरण है। ऐसे महापुरुषों का जीवन आने वाली पीढ़ियों को भी राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

पटवारियों की वरिष्ठता पात्रता के आधार पर हो पदोन्नति

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला पटवारी संघ ने पटवारियों की पदोन्नति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित किया है। जिलाध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी के हस्ताक्षर से 28 सितंबर को मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम तथा कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया संघ ने मांग की है कि पटवारी संवर्ग में पदोन्नति के लिए लागू 50 वर्ष की आयु सीमा के कारण जो पात्र पटवारी पदोन्नति से वंचित हो रहे हैं उन्हें सेवा अवधि एवं पात्रता के आधार पर पदोन्नति का अवसर प्रदान किया जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा पटवारी संवर्ग की पदोन्नति संबंधी प्रक्रिया में आवश्यक जानकारी संकलित की जा रही है। प्रदेश में बड़ी संख्या में पटवारी लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे

हैं ऐसे में 50 वर्ष की आयु सीमा के कारण पात्र एवं वरिष्ठ पटवारियों के पदोन्नति के अवसर प्रभावित होने की स्थिति सामने आ रही है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 से संबंधित प्रक्रिया को लेकर भी शासन के समक्ष अपनी आपत्तियां और व्यावहारिक कठिनाईयां रखी हैं। संघ द्वारा सौंपे गए दूसरे ज्ञापन में कहा गया है कि 24 सितंबर को भोपाल में आयोजित बैठक में इस विषय से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई थी, लेकिन शासन स्तर से जारी दस्तावेजों और निर्देशों के क्रियान्वयन को लेकर मैदानी स्तर पर कुछ व्यावहारिक एवं प्रशासनिक कठिनाईयां सामने आ रही हैं। संघ के अनुसार इस योजना से संबंधित कार्यों में पटवारियों की भूमिका को स्पष्ट किया जाना आवश्यक है। संघ ने शासन के समक्ष यह मुद्दा उठाया कि पहचान संबंधी मामलों में आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन किया जाता है। इसके बावजूद यदि नाम में अंतर होने के कारण पटवारी को निष्पादन से संबंधित जिम्मेदारी दी जाती है तो यह उसके लिए व्यवहारिक एवं विधिक कठिनाई का कारण बन सकता है ग्राम स्तर पर निवासियों की स्थानीय पहचान एवं निवास संबंधी जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत पहचान और पारिवारिक स्थिति का अंतिम प्रमाण प्रस्तुत करना पटवारी के नियमित दायित्व का हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए संघ के अनुसार ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच एवं सचिव के पास ग्राम के समस्त निवासियों से संबंधित स्थानीय जानकारी उपलब्ध रहती है।

नैनपुर में इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आगाज

पहले दिन मैदान पर दिखा खिलाड़ियों का जोश, रेलवे स्कूल ने 2-0 से दर्ज की जीत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नगर में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने और स्कूली विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से खेल युवा समिति नैनपुर के तत्वावधान में स्थानीय जेआरसी मैदान में इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में नगर के छह विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट विद्यालय, नवीन स्कूल, रेलवे स्कूल, भारत ज्योति विद्यालय, ज्ञान ज्योति स्कूल एवं विवेकानंद स्कूल की टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट के पहले दिन मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। खिलाड़ियों ने पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपने हुनर का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में भारत ज्योति विद्यालय

और ज्ञान ज्योति स्कूल की टीमें आमने-सामने रहीं। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। वहीं दूसरे मुकाबले में उत्कृष्ट विद्यालय और रेलवे स्कूल के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। रेलवे स्कूल की टीम ने बेहतरीन तालमेल और प्रभावी खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। दिन के तीसरे मुकाबले में एक बार फिर ज्ञान ज्योति स्कूल और भारत ज्योति विद्यालय की टीमें मैदान में उतरीं। इस मुकाबले में भारत ज्योति विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से मुकाबला अपने नाम किया। खिलाड़ियों के बीच गेंद पर नियंत्रण, पासिंग और गोल करने के प्रयासों ने दर्शकों को खासा रोमांचित किया। मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए आयोजन समिति के सदस्यों के साथ वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद नितिन ठाकुर एवं वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद मोहित झारिया सहित नगर के गणमान्य नागरिक और खिलाड़ियों के अभिभावक मौजूद रहे। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरे मैदान में खेल भावना और उत्साह का माहौल बना रहा। प्रतियोगिता के सफल संचालन में रेफरी पवन नंदा, आनंद नंदा, संदीप ठाकुर, अनुज ठाकुर, संदीप यादव, राजू विश्वकर्मा, लखन दुबे सहित सहयोगी साथियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतिभाओं को मंच देने की पहल- इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट केवल जीत और हार तक सीमित प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह नैनपुर के स्कूली विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने, अनुशासन और टीम भावना सीखने तथा फुटबॉल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रहा है। खेल युवा समिति नैनपुर की इस पहल को नगरवासियों और अभिभावकों का भी सकारात्मक सहयोग एवं समर्थन मिल रहा है। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश, दर्शकों का उत्साह और फुटबॉल के प्रति बढ़ता आकर्षण यह संकेत दे रहा है कि नैनपुर में स्कूली स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं।

संकल्प सेवा अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता और नागरिक दायित्वों का संदेश

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। संकल्प सेवा अभियान के अंतर्गत 28 सितंबर को नगर पालिका परिषद नैनपुर द्वारा नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा एवं संकल्प से जुड़े कार्यों को नुक्कड़ नाटक के जरिए प्रदर्शित किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता, जनभागीदारी और नागरिक दायित्वों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक किया गया। कलाकारों ने प्रभावी एवं मनोरंजक प्रस्तुति के जरिए नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ और सुंदर शहर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, पार्षद राजाराम शर्मा, नितिन ठाकुर, सुनील विश्वकर्मा, मदन यादव, प्रदीप मिश्रा एवं श्रीमती किरण स्वामी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश रजक सहित जनप्रतिनिधियों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस उपस्थित रहे।

एसडीएम को समस्याओं से कराया अवगत

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

किसानों की मूलभूत समस्या को देखते हुए किसान संघ अध्यक्ष जमुना यादव सहित अनेक किसानो ने अनुविभागीय राजस्व बिछिया से मुलाकात कर सरकार के द्वारा धान खरीदी हेतु पंजीयन कार्य प्रारंभ है जिसमें वन ग्रामों की जमीनों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है जिसकी जानकारी एसडीएम बिछिया को मौखिक रूप से अवगत कराया गया साथ ही अति वर्षा के कारण विकासखंड मवई के ग्राम मुरकुटा ग्राम पंचायत इंद्री में श्रीमती लामिया बाई पति सुनार जाति बैगा एवं शुभम झरिया पिता जय सिंह झरिया का कच्चा मकान बारिश के कारण गिर गया एवं प्रदीप कुमार कश्यप पिता पीतम कश्यप के खेत में बाढ़ का पानी आने से पूरी तरह से सब्जी की फसल नष्ट हो गई एव ग्राम दानीटोला

निवासी सुशील साहू के द्वारा बताया गया की दानी टोला धान खरीदी केंद्र में कुछ किसानों का पिछला भुगतान आज भी शेष है इन सारी समस्याओं के विषय पर एसडीएम को अवगत कराया गया जिसमें अनुविभागी अधिकारी राजस्व के द्वारा शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री बिछिया नरेश सिंह राजपूत राकेश यादव , जमुना यादव, पूर्व सरपंच कटंगा रूप सिंह परतें भाजपा कार्यकर्ता सुशील साहू ग्राम दानी टोला ऐवन झारिया ग्राम मुरकुटा उपस्थित रहे।

कृषि ऋण वितरण में नैनपुर बी-पैक्स शाखा को मिला प्रथम स्थान

कलेक्टर ने प्रबंधक को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

किसानों को कृषि ऋण उपलब्ध कराने के क्षेत्र में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, मंडला की बी-पैक्स नैनपुर शाखा ने वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अल्पकालीन रबी एवं खरीफ कृषि ऋण वितरण में जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। शाखा की इस उपलब्धि पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, मंडला द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कृषि क्षेत्र में किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण में नैनपुर शाखा का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। शाखा द्वारा किसानों तक ऋण

सुविधा पहुंचाने के प्रयासों का परिणाम रहा कि नैनपुर शाखा ने जिले की अन्य शाखाओं के बीच प्रथम स्थान प्राप्त किया। किसानों तक पहुंची सहकारी बैंक की ऋण सुविधा बी-पैक्स नैनपुर शाखा की यह उपलब्धि क्षेत्र के किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कृषि कार्यों के लिए समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में ऋण वितरण के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करना शाखा के कार्यों की उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, मंडला की ओर से बी-पैक्स नैनपुर शाखा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र में शाखा के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हैं। प्रशस्ति पत्र पर कलेक्टर/प्रशासक राहुल नामदेव धोटे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री साक्षी पंद्राम के हस्ताक्षर हैं। हर किसान का बैंक की सोच को मिली मजबूती नैनपुर शाखा की यह उपलब्धि सहकारी बैंक के 卐जेएसके बैंक-हर किसान का बैंक卐 संदेश को भी मजबूती प्रदान करती है। कृषि ऋण वितरण में प्रथम स्थान हासिल करने से शाखा के कर्मचारियों एवं सहकारी संस्था से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल है। किसानों के बीच भी इस उपलब्धि को लेकर सकारात्मक चर्चा है।

अवैध शराब पर दबिश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध शराब के निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध दबिश दी बिंझिया और कटरा से हाथ भट्टी की 20 लीटर कच्ची शराब तथा खिना रपटा, पिपरिया, खैरानी, मेड़ी और मनेरी क्षेत्रों से 17 बोतल विदेशी मदिरा बीयर, 19 नग देशी मदिरा, 9 नग एमडी व्हिस्की और 15 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 13 हजार 400 रुपये बताई गई है।

कलेक्टर का निवास भ्रमण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने निवास क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय संस्थाओं एवं योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सरसवाही स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र शासकीय उचित मूल्य दुकान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरिया एवं सांदीपनि विद्यालय निवास का निरीक्षण किया कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र सरसवाही में पहुंचकर केन्द्र के रजिस्टरों के संधारण एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी ली इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया।

बच्चों के साथ आत्मीय संवाद

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत ग्राम टिकरवारा के आंगनबाड़ी केन्द्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके शामिल हुईं। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए बच्चों एवं माताओं से आत्मीय संवाद किया कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का वीडियो संदेश भी उपस्थित महिलाओं, बच्चों एवं अभिभावकों को दिखाया गया

प्रो.खरे जबलपुर में सम्मानित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। देश की जानी-मानी साहित्यिक संस्था मंथनश्री जबलपुर द्वारा रानी दुर्गावती संग्रहालय के सभागार कला वीथिका में आयोजित वार्षिकोत्सव में मंडला के साहित्यकार प्रो डॉ. शरद नारायण खरे को उनकी समर्पित पांच दशकीय श्रेष्ठ साहित्य सेवा पर मोतीमाल, अंगवस्त्र, अलंकरण पत्र आदि प्रदान कर अलंकृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे ने की मुख्य अतिथि जगद्गुरु बालगोविंदाचार्य महाराज थे जबकि विशिष्ट अतिथि आचार्य हरिशंकर दुबे व प्रतुल श्रीवास्तव रहे। श्री खरे देश भर की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे, रेडियो-टीवी से सतत् प्रस्तुत अनेक श्रेष्ठ कृतियों के रचयिता,मप्र साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों व अभिनंदन से विभूषित हो चुकें है।

अनुपयोगी सामग्री से बनाई कलाकृति

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में बैगलेस डे का आयोजन किया गया इस दौरान छात्राओं ने रच नात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की छात्राओं ने अनुपयोगी खाली पेन की सामग्री का उपयोग करते हुए भगवान गणेश की आकर्षक कलाकृति तैयार की। कलाकृति में छात्राओं की सृजनात्मक सोच और कला प्रतिभा देखने को मिली। बैगलेस डे प्रभारी अपूर्णा तेकाम ने बताया कि ऐसे आयोजन छात्राओं की छिपी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि गतिविधियों के माध्यम से छात्राएं अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न रचनात्मक कार्यों में भाग लेती हैं। इससे छात्राओं में रचनात्मकता के साथ-साथ अनुपयोगी वस्तुओं के सदुपयोग की समझ भी विकसित होती है।

संपादकीय

ज्ञानेश का अधिनायकवाद

चुनाव आयोग कोई एक व्यक्ति नहीं, बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था है। यह व्यवस्था और दर्जा संसद में पारित किया गया है। 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की सरकार ने चुनाव आयोग को तीन सदस्यीय कर उसे 'अधिनायकवाद' से बचाया था। तब की कांग्रेस सरकार तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन से बहुत दुखी और परेशान थी, नतीजतन आयोग में तीन आयुक्तों की व्यवस्था की गई। सीईसी और दो अन्य आयुक्तों की संवैधानिक शक्तियां एक समान तय की गईं। कोई भी फैसला, आदेश, निर्देश चुनाव आयोग का तब मान्य और स्वीकार्य होगा, जब आयुक्त सर्वसम्मति या बहुमत से निर्णय लेंगे। बीते दिनों मीडिया रिपोर्ट से चुनाव आयोग का भीतरी यथार्थ और विरोधाभास सार्वजनिक हुए हैं कि 10 महीने में 14 आपत्तियां दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने जताई हैं। ये सामान्य आपत्तियां नहीं हैं। संवैधानिक शख्स की आवाज हैं। वैचारिक मतभेद और बहुसदस्यीय आयोग होने के कारण अथवा किसी भी विविध मंच पर ऐसी असहमतियां जताना बुनियादी तौर पर 'लोकतांत्रिक' है। सवाल है कि चुनाव आयोग का भीतरी मामला कैबिनेट सचिव तक पहुंचने की नौबत क्यों आई?

चुनाव आयोग भारत सरकार के तहत काम नहीं करता, बल्कि राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह है। राष्ट्रपति ही सीईसी सहित तीनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं, बेशक भारत सरकार की सलाह पर ही नियुक्तियां की जाती हैं। असहमत आयुक्तों को सीधा राष्ट्रपति को पत्र लिख कर शिकायत करनी चाहिए थी। क्या ऐसे संदर्भ के बावजूद आयोग दावा कर सकता है कि सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं? दूसरा मामला फॉर्म 6 का चुनाव आयुक्तों ने उठाया है। यदि फॉर्म में बदलाव किए गए हैं तो यह संविधान और सरकारी कार्यप्रणाली का घोर उल्लंघन भी है! दोनों असहमत चुनाव आयुक्तों ने फॉर्म 6 में कथित बदलाव को 'अवैध' और 'अनधिकृत' करार दिया है। आयोग को ऐसे संशोधन या परिवर्तन करने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। बदलाव का विशेषाधिकार सरकार और संसद को है। कानून मंत्रालय का विधायी विभाग अपेक्षित बदलाव के बाद गजट में अधिसूचना जारी करता है। उसके बाद ही चुनाव आयोग किसी बदलाव को लागू और प्रभावी कर सकता है। इसके अलावा, दोनों असहमत चुनाव आयुक्तों ने विशेष गहन पुनरीक्षण, काटे गए करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम, मतदाता सूचियों के 'केंद्रीकरण', आईटी विभाग की डीजी सीमा खन्ना, मतदाता पंजीकरण अधिकारी की संबद्ध विभाग तक पहुंच न होने, संपूर्ण आयोग के फैसले या निर्देश के बिना ही आधिकारिक बयान जारी करने और अधिकारियों की विदेश यात्रा, बैठकों के एजेंडे और मिनट्स उपलब्ध न कराए जाने पर भी आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। फैसले सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता के स्तर पर ही लिए जाते रहे हैं। मतदाता सूचियों के केंद्रीकरण का मतलब यह है कि आयोग के स्तर पर किसी भी मतदाता का नाम जोड़ा या काटा जा सकता है। बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा में ऐसा महसूस किया जा चुका है। बंगाल में ट्रिब्यूनल काम कर रहे हैं और अभी तक 91 फीसदी से अधिक मतदाताओं को बहाल किया जा चुका है। उनके नाम सूची में शामिल करने के विरोध की भी अपील की गई है। उसमें भी चुनाव आयोग की भूमिका सामने आई है, क्योंकि असहमत आयुक्तों ने सवाल उठाए हैं। बहरहाल आश्चर्य यह है कि मीडिया रिपोर्ट को न तो तीनों आयुक्तों में से किसी ने भी खारिज किया है और न ही तीनों ने एक साथ सार्वजनिक मंच पर आकर स्पष्टीकरण दिया है। आयोग के उपनिदेशक की सफाई सरकारी किस्म की, बेमानी है। विपक्ष और देश के निशाने पर सीईसी हैं। सवाल किए जा रहे हैं कि क्या चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार का ही है?

आज विश्व हृदय दिवस पर विशेष

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है। हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है-हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मैंने अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है?

आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है-समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है।

यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

इसके साथ ही सरकारों को 'हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान' जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक निःशुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए 'हेल्दी हार्ट' कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं।

दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियां बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं।

विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना-ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं।

हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है-जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं।

विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो-दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील

प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरींदे अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें।

माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजराईल हम्मास युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ओफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी।

दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड यील्ड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37 प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेंगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त मार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्याज के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है। तीसरे, भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शादियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं।

समय का उपहार है प्रेम को जीवित रखने की सबसे बड़ी शर्त

-डॉ. पंकज भारद्वाज

प्रेम मनुष्य की सबसे सुंदर अनुभूति है, लेकिन केवल प्रेम का एहसास किसी रिश्ते को लंबे समय तक जीवित नहीं रख सकता। हर संबंध को जीवंत बनाए रखने के लिए विश्वास, संवाद और सबसे बढ़कर एक-दूसरे के लिए समय की आवश्यकता होती है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में यही समय सबसे दुर्लभ होता जा रहा है और यही अभाव अनेक रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। आज अधिकांश लोग अपने काम, व्यवसाय, करियर और सामाजिक दायित्वों में इतने व्यस्त हैं कि जीवनसाथी या अपने प्रियजन के साथ बैठकर कुछ पल बिताने का अवसर भी नहीं निकाल पाते। विडंबना यह है कि हम दुनिया से जुड़े रहने के लिए घंटों मोबाइल और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं, लेकिन अपने सबसे करीबी व्यक्ति से दो सुकून भरे शब्द कहने का समय नहीं निकाल पाते। यही संवादहीनता धीरे-धीरे रिश्तों में दूरी, अविश्वास और भावनात्मक खालीपन पैदा करती है।

रिश्तों की सबसे बड़ी आवश्यकता यह नहीं होती कि हर समय कोई महंगा उपहार दिया जाए या बड़े-बड़े वादे किए जाएँ। कई बार दिनभर की थकान के बाद कुछ मिनट साथ बैठकर चाय पी लेना, बिना किसी स्वार्थ के हालचाल पूछ लेना, एक-दूसरे की बात धैर्यपूर्वक सुन लेना या साथ टहल लेना ही प्रेम की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति बन जाता है। समय के ये छोटे-छोटे निवेश जीवनभर की आत्मीयता का आधार बनते हैं।

जब किसी व्यक्ति को बार-बार यह महसूस होने लगता है कि उसके लिए किसी के पास समय नहीं है, तब उसके मन में उपेक्षा का भाव जन्म लेने लगता है। यह भावना धीरे-धीरे शिकायतों, गलतफहमियों और मानसिक दूरी का रूप ले लेती है। अनेक वैवाहिक विवादों और टूटते प्रेम संबंधों की जड़ में आर्थिक अभाव नहीं, बल्कि भावनात्मक उपेक्षा और संवाद का अभाव होता है।

यह आवश्यक नहीं कि हम चौबीसों घंटे अपने साथी के साथ रहें, लेकिन इतना अवश्य आवश्यक है कि प्रतिदिन कुछ समय केवल उसी के लिए सुरक्षित रखें। उस समय में मोबाइल, कार्यालय और अन्य व्यस्तताओं को पीछे छोड़कर केवल रिश्ते को प्राथमिकता दें। यही कुछ पल विश्वास को मजबूत करते हैं और प्रेम को नई ऊर्जा देते हैं।

याद रखिए, प्रेम केवल कह देने से नहीं, बल्कि निभाने से सिद्ध होता है। और प्रेम निभाने का सबसे सरल तथा प्रभावी माध्यम है अपना समय देना। रिश्ते शब्दों से शुरू हो सकते हैं, लेकिन वे समय, संवेदनाओं और संवाद से ही जीवनभर महकते हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारे संबंध मजबूत, मधुर और स्थायी बने रहें, तो हमें अपने प्रियजनों को समय देने की संस्कृति को फिर से अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यही समय का उपहार किसी भी रिश्ते का सबसे अनमोल उपहार है।

गांधीवादी ही तो है देश का हर सरकारी डिपार्टमेंट...

देश के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कई बार बड़ी ही मजेदार बात करते हैं हाल ही में मध्य प्रदेश में सुगम बस सेवा के उद्घाटन समारोह में उन्होंने मध्यप्रदेश के परिवहन मंत्री की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आपके प्रदेश के बहुत से आरटीओ गांधीवादी% हैं यानी गांधी के चित्र वाले नोट देखने के बाद ही काम करते हैं, उन्होंने परिवहन मंत्री से कहा कि आप पता लगाओ कि आपके विभाग में कितना भ्रष्टाचार है, अब गडकरी जी को कौन बताएं कि देश में तमाम सरकारी विभाग के अफसर गांधीवादी हैं अकेले आरटीओ को ही क्यों निशाना बनाया जाए ,आपके डिपार्टमेंट के लोग भी तो गांधीवादी हैं तभी तो सड़के बनती है एक्सप्रेस वे बनते हैं और उधड़ जाते हैं अब वह क्यों उधड़े इसके पीछे क्या है ये तो आपको मालूम होगा ही अफसरों को गांधी जी वाले नोट दिखा दिए जाते हैं और वे क्वालिटी के प्रति आंख बंद कर लेते हैं उनको भी मालूम है कि होना जाना किसी का कुछ नहीं है अगर जांच पड़ताल होगी तो जांच पड़ताल करने वाले को भी गांधी जी की फोटो वाले नोट दिखा दिया जाएंगे और जांच टीम भी चुपचाप वापस चली जायेगी। आप ही बतला दो कि ऐसा कौन सा डिपार्टमेंट है जो गांधी जी को ना मानता हो जब पूरा देश गांधीजी के सामने सर झुकाता हो, बड़े-बड़े राजनीतिक दल गांधी जी को अपना आदर्श मानते हैं तो फिर यदि सरकारी विभाग के अफसर गांधीवादी हो गए तो उसे बुराई क्या है? आप किसी भी डिपार्टमेंट में चले जाओ पुलिस में चले जाओ, राजस्व में चले जाओ, आरटीओ तो आप कह ही चुके हो, उद्योग विभाग में चले जाओ, इरिगेशन, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, कलेक्ट्रेट, कोई नहीं बचा इस गांधी जी के फोटो वाले नोट के जाल से, इसलिए तो हर आदमी सरकारी नौकरी में आना चाहता है उसको मालूम है कि जितनी तनख्वाह उसको महीने भर में मिलनी है उससे दस गुना तो वो एक झटके में किसी भी काम में अड़ंगा लगा कर कमा लेगा ,वैसे भी बिना नोट दिखाएं काम करवाना आकाश के तारे तोड़ने के बराबर है इसलिए आदमी सोचता है कि काहे के लिए जाकर सितारे तोड़ें जब धरती पर ही सारे सितारे अवेलेबल हैं । थोड़े बहुत नोट तो खर्च होंगे काम तो हो ही जाएगा सबसे मजे की बात तो ये है कि जिन कामों के लिए गांधी जी के फोटो वाले नोट दिखाए जाते हैं वे सारे काम वैध ही होते हैं अवैध काम तो कोई करता नहीं है । गडकरी जी ने प्रदेश के परिवहन मंत्री से कहा है कि वे अपने डिपार्टमेंट के भ्रष्टाचार पर नजर डालें लेकिन परिवहन विभाग तो गले गले तक गांधीजी के नोटों से दबा हुआ है उसकी जांच कौन भला कर सकता है और यदि वे गांधीवादी ना बने तो ऊपर तक कैसे माल पहुंचेगा ? ना तो कोई आरटीओ बन पाएगा और ना ही ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, इसलिए ये गांधीवादी सिलसिला चालू रहना चाहिए और चालू रहेगा ये हम अभी से ही गडकरी जी को बताए देते हैं।

अब इनकी सुनो

अभी अपन गडकरी जी की बात कर रहे थे लेकिन कर्नाटक के एक मंत्री ने तो प्रजा सेवा आंदोलन की मीटिंग में साफ-साफ कह दिया कि अगर लोग बाग अपना काम करवाने के लिए अफसरों और कर्मचारियों को अपनी खुशी से पैसा देते हैं तो उसमें हर्ज क्या है? वाह क्या बात कही है मंत्री जी ने, सारे अफसर और कर्मचारी गदगद हैं मंत्री जी की बात सुनकर सोच रहे हैं कि जाकर उनके चरण पकड़ लें और गाना गाये आप जैसा कोई मेरी जिंदगी में आए तो बात बन जाए। वैसे एक हिसाब से मंत्री जी ने बात गलत नहीं कही लोग बाग जाते हैं अपना काम करवाने और पहले ही बात कर लेते है कि बताओ कितना लगेगा क्योंकि उनको भी मालूम है कि बिना लगे उनका काम होना नहीं दूसरी तरफ सामने वाला भी बिना किसी लाग लपेट के साफ-साफ बता देता है कि देखो भैया इतना लगेगा और इतना दे दोगे तो कागजात घर आपके घर पहुंचा दिए जाएंगे, और अगर नहीं दोगे तो चप्पलों के दर्जनों सेट घिस जाएंगे लेकिन आपका काम नहीं हो पाएगा,। लगता है मंत्री जी भी जब कभी भी मंत्री ना रहे होंगे तो ऐसे अफसरों और कर्मचारियों से पाला जरूर पड़ा होगा और उन्होंने भी खुशी-खुशी पैसा देकर अपना काम करवा लिया होगा इसलिए वे कह रहे हैं कि अगर आदमी खुशी से पैसा देता है तो बुराई की क्या बात है, अब जब देश में भ्रष्टाचार को बढ़ाने और जायज ठहरने वाले मंत्री हों तो उस देश का क्या हो सकता है जिस मंत्री को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए वो यदि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को जायज ठहरा रहा है तो विदेशियों की इस बात पर अपने को पूरा यकीन हो गया है जो उन्होंने भारत के संदर्भ में कही थी कि पहले हमें भगवान पर भरोसा नहीं था लेकिन जब हम इंडिया आए तो हमें भगवान पर भरोसा हो गया क्योंकि ये देश भगवान के ही भरोसे चल रहा है

विजयवर्गीय उवाच

इंदौर के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय को पता नहीं आजकल क्या हो गया है बिना सोचे समझे कुछ भी बोल देते हैं फिर वीडियो बनाकर खेद प्रकट कर देते हैं, दरअसल उनका सपना था कि वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे लेकिन उनसे जूनियर को जब से मुख्यमंत्री बनाया और जब से उन्हें माननीय, यशस्वी मुख्यमंत्री कहना पड़ रहा है तब से वे कुछ अधीर से हो जाते हैं और इसी अधीरता में उनके मुंह से क्या निकल जाता है वे खुद नहीं सोच पाते हैं। अभी हाल ही में एक महिला पार्षद के शरीर को लेकर जो उन्होंने टिप्पणी की उसको लेकर भारी बवाल मच गया बाद में हमेशा की तरह एक वीडियो बनाकर कैलाश जी ने बाकायदा खेद प्रकट किया और यह भी कह दिया कि ये सब कांग्रेस का प्रोपेगेंडा है अरे भैया जब आप कुछ उल्टा सीधा बोलोगे तो कांग्रेस तो उसको लपक ही लगी और वही हमेशा से होता रहा है अब सुना है कि विजयवर्गीय जी ने इंदौर के मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया है, लेकिन बात करने से इनकार करने से पहले दस बार सोच लीजिए कैलाश जी कि क्या बोलना है अगर ऐसा आप कर लोगे तो बार-बार वीडियो बनाकर खेद प्रकट करने की नौबत नहीं आएगी।

सुपरहिट ऑफ़ द वीक

मैंने देखा है कि आपके बर्तन हमेशा चमचमाते रहते हैं आप इन्हें धोने के लिए किस चीज का इस्तेमाल करती हैं श्रीमती जी ने उनकी पड़ोसन से पूछा।

अपने पतिदेव का श्रीमती का उत्तर था।

क्या आप खरीदना चाहेंगे? ट्रंप ने चिनफिंग को दिया था अमेरिकी हथियारों का ऑफर, ताइवान विवाद को दबाने की थी कोशिश

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बैठक के दौरान ताइवान को हथियारों की संभावित बिक्री के मुद्दे को हल्का करने की कोशिश की। चीन में अमेरिकी राजदूत डेविड परड्यू के अनुसार, ट्रंप ने शी चिनफिंग से कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में हथियार बेचता है, और यहां तक पूछ लिया कि क्या चीन भी कुछ अमेरिकी हथियार खरीदना चाहेगा। फॉक्स न्यूज के अनुसार, राजदूत परड्यू ने रविवार को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप लगातार रुख दोहराते हैं कि अमेरिका दुनिया भर के देशों को हथियार आपूर्ति करता है। हालांकि, परड्यू ने स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति से यह बात कब कही थी।

परड्यू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ताइवान को मिलने वाले लगभग करीब 14 बिलियन डॉलर के नए हथियार पैकेज को ट्रंप की मंजूरी का इंतजार है। अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों दलों के सांसदों ने हथियारों की आपूर्ति और सहायता पैकेज में हो रही देरी पर चिंता जताई है। ताइवान संभावित चीनी हमले से बचाव के लिए अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना चाहता है। जब परड्यू से पूछा गया कि क्या अमेरिका शी चिनफिंग को नाराज होने से बचाने के लिए हथियारों की बिक्री रोक रहा है, तो उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। परड्यू ने कहा कि ताइवान के मुद्दे पर ट्रंप का रुख बेहद सख्त रहा है और वे पहले भी द्वीप को बड़े पैमाने पर हथियारों की बिक्री की मंजूरी दे चुके हैं।

व्हाइट हाउस में शी चिनफिंग के साथ हुई वार्ता के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने भी ताइवान मुद्दे को तूल न देने की कोशिश की। ट्रंप ने कहा कि शी चिनफिंग के साथ बैठक में ताइवान पर बहुत ज्यादा चर्चा नहीं हुई और फिलहाल सब कुछ ठीक चल रहा है। उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति भली-भांति समझते हैं कि वे इस मुद्दे पर क्या सोचते हैं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात व्यापार, तकनीक और अन्य भू-राजनीतिक तनावों के बीच संबंधों को स्थिर करने के मकसद से हुई थी। शिखर वार्ता के बाद अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध विराम को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी, हालांकि ताइवान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ईरान जैसे अहम मसलों पर दोनों देशों के मतभेद बरकरार हैं।

ताइवान पिछले कई महीनों से वॉशिंगटन द्वारा प्रस्तावित .14 अरब के हथियार सौदे की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है। इससे पहले पिछले साल दिसंबर में .11 अरब के हथियार सौदे की घोषणा की गई थी। मई में बीजिंग में ट्रंप और शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद इस नए पैकेज को रोक दिया गया था, और ताजा बैठक के बाद भी ट्रंप ने यह संकेत नहीं दिया है कि यह सौदा कब आगे बढ़ेगा।

ट्रंप इससे पहले चीन के साथ बातचीत में ताइवान को हथियारों की बिक्री को एक नेगोशिएटिंग चिप यानी मजबूत मोलभाव का हथियार बता चुके हैं। दूसरी ओर, चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी चिनफिंग ने ट्रंप से ताइवान प्रश्न को सावधानी से संभालने और ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध करने का आग्रह किया है। ताइवान के उप विदेश मंत्री चेन मिंग-ची ने कहा है कि अमेरिका ताइवान की रक्षा जरूरतों और चीन के बढ़ते सैन्य दबाव को पूरी तरह समझता है। उन्होंने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बावजूद वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में संसाधन लगा रहा है, और ताइवान लगातार अपनी सुरक्षा को लेकर अमेरिका के संपर्क में है।

अमेरिकी कानून के तहत वॉशिंगटन ताइवान को आत्मरक्षा के साधन उपलब्ध कराने के लिए बाध्य है। अमेरिका आधिकारिक तौर पर ताइवान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देता, लेकिन वह उसका सबसे बड़ा अनौपचारिक सुरक्षा साझेदार और प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता है।

बहुत जल्द खत्म हो सकता है युद्ध, मिडटर्म चुनाव से पहले ट्रंप का ईरान पर बड़ा दांव, नए हमलों के दिए संकेत

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप मिडटर्म चुनाव से पहले ईरान पर नए अमेरिकी सैन्य हमलों की संभावना से इनकार नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि यह टकराव जल्द ही खत्म हो जाएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। रविवार को जब उनसे पूछा गया कि क्या चुनाव से पहले सैन्य हमले हो सकते हैं, तो ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। मेरा मतलब है, यह संभव है, लेकिन मैं बस ऐसा कहना नहीं चाहता। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका सैन्य कार्रवाई और तेहरान को अलग-थलग करने के लिए चलाए जा रहे अपने आर्थिक अभियान के जरिए जीत हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों तरह से जीतेंगे। सैन्य नजरिए से तो हम पहले ही जीत चुके हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमने अपनी कार्रवाई रोक दी है। राष्ट्रपति ने दावा किया कि इस टकराव से ईरान की अर्थव्यवस्था और सेना बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से बहुत बड़ी जीत हासिल कर रहे हैं। अगर आप उनकी अर्थव्यवस्था को देखें, तो वह खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने युद्ध के जल्द खत्म होने का अनुमान लगाते हुए इसे तेल की कीमतों में आने वाली गिरावट से जोड़ा। ड्रोन टूर प्रेसिडेंट्स कप के दौरान उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम यह युद्ध बहुत जल्द जीत लेंगे, और जैसे ही हम इसे जीतेंगे, तेल की कीमतें गिरकर उसी स्तर पर आ जाएंगी जैसी युद्ध से पहले थीं। सबसे अहम बात यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।

व्हाइट हाउस में इलिनोइस रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने दोहराया, जैसे ही ईरान हार मान लेगा और युद्ध खत्म होगा, जो बहुत जल्द होने वाला है, तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि रात भर में होर्मुज स्ट्रेट से रिकॉर्ड मात्रा में तेल ले जाया गया। उन्होंने कहा, हम भारी मात्रा में तेल बाहर निकाल रहे हैं। कल रात हमने उस स्ट्रेट से रिकॉर्ड मात्रा में तेल निकाला, जो युद्ध शुरू होने से पहले निकाले जाने वाले तेल से भी ज्यादा था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इस हफ्ते ईरान के साथ और बातचीत हो सकती है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तेहरान का ताजा प्रस्ताव वॉशिंगटन की शर्तों को पूरा नहीं करता। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन यह वह समझौता नहीं है जो मैं करना चाहता हूं। यह वही समझौता है जिसे हम शायद एक साल पहले मान लेते। उन्होंने अपनी स्थिति का गलत आकलन किया।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन में 21 लोगों की मौत, उफान पर नारायणी नदी

काठमांडू। नेपाल में पिछले कुछ दिनों में बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश से बाढ़ के हालात पैदा हुए। इससे कई क्षेत्रों में घर तबाह हो गए और सड़क यातायात बुरी तरह बाधित हुआ। हिमालयी देश पिछले महीने की उस विनाशकारी बाढ़ से अभी ठीक से उबर भी नहीं पाया है जिसमें कि कम से कम 1,453 लोग मारे गए थे और 5,000 से अधिक लोग लापता हैं। शनिवार रात पाल्पा जिले के माथागढ़ी में भूस्खलन से एक घर दब गया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। देश में पिछले चार दिनों में बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरने से 16 लोगों की मौत हुई, जिससे कुल मृतकों की संख्या 21 हो गई है। इस दौरान राहत कर्मियों ने बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित 1,284 लोगों को बचाया। इस बीच, नेपाली अधिकारियों ने दक्षिणी चितवन और नवलपरासी जिलों के कुछ हिस्सों में नारायणी नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने और इसके जलस्तर के लगातार बढ़ने के बाद बाढ़ की विशेष चेतावनी जारी की है। भारत में गंडक के नाम से जानी जाने वाली इस नदी में बाढ़ से पड़ोसी देश (भारत) पर भी इसका असर पड़ सकता है।

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन अपना रहे हैं भ्रम और अराजकता फैलाने के लिए नये-नये हथकंडे: नड्डा

नयी दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि भारत की प्रगति को देखकर कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन हताश हैं और वे देश में अराजकता फैलाने के लिए नये-नये हथकंडे अपनाते हैं। श्री नड्डा ने सोमवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में मतदान सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चुनाव आयोग पर लगाये गये आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें (श्री गांधी) को समझना चाहिए कि किसी झूठ को सौ बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता। सत्य को हराया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा, आज जब देश 140 करोड़ नागरिकों की कड़ी मेहनत से विकसित भारत का संकल्प पूरा कर रहा है। दुनिया भर में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है, तो दुर्भाग्य से कांग्रेस और पूरा इंडिया गठबंधन इस तरक्की से निराश और हताश हैं। बिना किसी नीति या दृष्टिकोण के वे अब देश में भ्रम और अराजकता फैलाने के लिए नयी-नयी चालें चल रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा, कुछ दिन पहले ही हमने एक मनगढ़ंत कहानी को लेकर पूरे देश में विपक्षी दलों को हंगामा मचाते को देखा था। अब, जब चुनाव आयोग ने उनके फैलाए हर झूठ का पर्दाफाश कर दिया है, तब भी वे माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए, एकमात्र एजेंडा देश की स्वतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना और कमजोर करना बन गया है। यह वही टूलकिट मानसिकता है जो देश के विकास को रोकने के लिए हर सुबह एक नयी साजिश रचती है। आरोप लगाना, देश का माहौल खराब करना और भाग जाना। यही विपक्ष का काम करने का तरीका बन गया है।

उन्होंने कहा कि देश की जागरूक जनता विपक्ष के दोहरे चरित्र और नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह समझ चुकी है। देश में अस्थिरता पैदा करने वाली ताकतों को जनता पहले भी कड़ा सबक सिखा चुकी है और भविष्य में भी उनके हर भ्रम और साजिश को जनता की अदालत में धूल में मिला दिया जाएगा।

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना को भारी नुकसान, कोयला खदान के कचरे से टूटी प्राचीन दीवार

बीजिंग। चीन की महान दीवार का एक दूरस्थ हिस्सा पिछले 20 वर्षों से खदान का कचरा फेंके जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने रविवार को बताया कि शांक्सी प्रांत की निंगवू काउंटी में मिंग राजवंश के दौर की इस प्राचीन दीवार के पत्थरों को कोयला खदान के कचरे को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया गया। दूसरी तरफ व्हिसलब्लोअर द्वारा स्थानीय अधिकारियों को बार-बार इस सिलसिले में आगाह भी किया गया था। दीवार को नुकसान पहुंचना 2007 में उस समय शुरू हुआ, जब बिना लाइसेंस के काम कर रही कंपनी निंगवू चाओकाई कोल इंडस्ट्री ने खदान के कचरे को निपटाने के लिए इस संरचना के बीच से तोड़फोड़ की थी। 2015 से व्हिसलब्लोअर द्वारा बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद स्थानीय अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की, जिससे तोड़फोड़ लगभग दो दशकों तक जारी रही और दीवार में करीब छह मीटर चौड़ी जगह बन गई। चीन की सबसे प्रसिद्ध सांस्कृतिक धरोहर और चीनी सभ्यता का प्रतीक होने के नाते यह दीवार वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन से गिराई हेरोइन, बीएसएफ जवानों ने की बरामद

श्रीगंगानगर, (वार्ता)

राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के श्रीकरणपुर सीमा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक बार फिर सीमा पार से ड्रोन से हेरोइन गिरायी गयी जिसे सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने बरामद कर तस्करी की कोशिश नाकाम कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दल को सोमवार सुबह एक खेत में संदिग्ध पैकेट मिला, जिसमें करीब 810 ग्राम हेरोइन निकली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये आंकी गई है। बीएसएफ के सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र में कंपनी कमांडर रमेशकुमार को चक 13-एसबी में एक संदिग्ध पैकेट पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में बीएसएफ का दल मौके पर पहुंचा और पैकेट को कब्जे में ले लिया।

जांच में पैकेट में करीब 810 ग्राम हेरोइन पाई गई। इसके बाद बीएसएफ ने स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी। बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि पैकेट पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिए खेत में गिराया गया था। श्रीकरणपुर सेक्टर में पिछले कुछ समय से ऐसे मामले बार-बार सामने आ रहे हैं, जहां तस्कर ड्रोन से नशीले पदार्थ गिराते हैं और भारतीय तरफ से लोग उन्हें उठाने पहुंचते हैं। पिछले छह महीनों में इस क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये से भी ज्यादा मूल्य की हेरोइन और अन्य मादक पदार्थ जब्त किये जा चुके हैं। बीएसएफ के अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तानी तस्कर लगातार ड्रोन का इस्तेमाल करके छोटे-छोटे पैकेट गिरा रहे हैं, ताकि पकड़े जाने का जोखिम कम रहे। बीएसएफ की 118वीं वाहिनी के कमांडेंट कमलसिंह राठौड़ के नेतृत्व में सीमा क्षेत्र में निगरानी और सतर्कता बढ़ाई गई है। मादक पदार्थों की तस्करी सहित अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए बीएसएफ के दल रात-दिन गश्त कर रहे हैं। ड्रोन गतिविधि का पता लगते ही खोजी अभियान शुरू कर दिया जाता है।

योगी की युवाओं से ज्ञान को कौशल से जोड़कर विकसित प्रदेश के निर्माण में भागीदार बनने की अपील

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं और विद्यार्थियों से ज्ञान के विस्तृत संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग करते हुए अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारने तथा विकसित राज्य के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया है।

अपने खास संदेश योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कहा है कि ज्ञान जब कौशल से जुड़ता है तो युवा अपनी प्रतिभा को सामर्थ्य में बदलकर सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि 23 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले शहीद भगत सिंह के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन युवाओं को राष्ट्र के लिए समर्पण, सामाजिक बुराइयों से मुक्ति और अपने संकल्प को कर्म से जोड़ने की प्रेरणा देता है। श्री योगी ने कहा कि जाति-पांति, नशा और अन्य सामाजिक कुरीतियों की बेड़ियों से मुक्ति के लिए युवाओं को अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेकर युवा ज्ञान को अपनी शक्ति बनाएं, जीवन में अनुशासन लाएं और अपने संकल्प को कर्म से जोड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान जब कौशल से जुड़ता है तो युवा अपनी प्रतिभा को सामर्थ्य में बदल सकते हैं। राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उद्यम और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए अनेक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने और रोजगार सृजित करने के लिए मजबूत आधार दिया जा रहा है। साथ ही, स्टार्टअप नीति के माध्यम से नवाचार और अवसरों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उनका विश्वास है कि युवा ज्ञान के स्रोतों का उपयोग करेंगे, संकल्प को कर्म से जोड़ेंगे तो उनके सपनों के साथ प्रदेश की विकास यात्रा को भी नई गति मिलेगी। श्री योगी ने प्रदेशवासियों से ज्ञान के विस्तृत संसाधनों का अधिकाधिक सदुपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर प्रत्येक जनपद में आधुनिक पुस्तकालय एवं डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही हैं, ताकि ज्ञान तक पहुंच और आसान हो सके। उन्होंने कहा कि इन पुस्तकालयों का उपयोग युवा अपनी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और व्यक्तित्व विकास के लिए करें। एक पुस्तक किसी युवा के जीवन में नया विचार पैदा कर सकती है और एक नया विचार पूरे समाज को नई दिशा दे सकता है। इसलिए युवाओं को पढ़ने, सीखने और अपने ज्ञान को समाज तथा प्रदेश के विकास से जोड़ने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि ज्ञान, कौशल, नवाचार और संकल्प के माध्यम से युवा न केवल अपना भविष्य को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि ज्ञानवान, संस्कारवान और सामर्थ्यवान उत्तर प्रदेश के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यमंत्री की योगी की पाती में युवाओं को पुस्तकालयों और ज्ञान के अन्य संसाधनों से जुड़ने का संदेश प्रमुखता से दिया गया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं: संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने कहा है कि सीरीज चुंबक में महिला किरदारों को जिस तरह से पेश किया गया है, वह उन्हें खास तौर पर पसंद आया। संदीपा धर ने कहा कि कॉमेडी के पारंपरिक फॉर्मेट से अलग इस शो में महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स तक सीमित नहीं रखा गया है। शो का हिस्सा बनने के फैसले के बारे में संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टीरियोटाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह के किरदार ट्विंकल का उदाहरण देते हुए कहा, यहां हमारे पास ट्विंकल है, जिनकी कॉमिडी शो में सबसे अव्वल है। संदीपा ने पारंपरिक जेंडर भूमिकाओं से हटकर किरदारों को पेश करने के प्रयास की भी सराहना की। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। संदीपा धर ने कहा कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही उन्हें इसकी लेखनी अलग और रिफ्रेशिंग लगी थी। उन्होंने कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है।

44 वर्ष के हुये रणबीर कपूर

बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर आज 44 वर्ष के हो गये।मुंबई में 28 सितंबर, 1982 को जन्में रणबीर को अभिनय की कला विरासत में मिली। रणबीर के पिता ऋषि कपूर और मां नीतू सिंह बॉलीवुड के मशहूर कलाकार रहे हैं। रणबीर कपूर ने अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म सांवरिया से की। इसी फिल्म से अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर ने भी शुरुआत की थी।संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी सांवरिया यूं तो टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी लेकिन रणबीर का अभिनय दर्शकों को बेहद पसंद आया। इस फिल्म के लिये रणबीर फिल्म फेयर के डेब्यू पुरस्कार से सम्मानित किये गये। वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म वेक अप सिडरणबीर के करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी।

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म वेक अप सिड में रणबीर ने संजीदा अभिनय किया था। इस फिल्म के लिये रणबीर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्म फेयर क्रिटिक्स पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2010 में रणबीर को प्रकाश झा की फिल्म राजनीति में काम करने का अवसर मिला। राजनीति पर आधारित इस फिल्म में भी रणबीर ने संजीदा अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।वर्ष 2011 में प्रदर्शित फिल्म रॉकस्टार ने रणबीर को फिल्म इंडस्ट्री में सही पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर ने एक बार फिर से संजीदा अभिनय किया। इस फिल्म के लिये रणबीर को पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया। इसी फिल्म के लिये उन्हें फिल्म फेयर का क्रिटिक्स पुरस्कार भी दिया गया।

वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म बर्फी ने रणबीर को न सिर्फ भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी ख्याति दिलाई। अनुराग बासु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया। इस फिल्म के लिये भी उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।वर्ष 2013 में प्रदर्शित फिल्म ये जवानी है दीवानी रणबीर कपूर के करियर की सबसे कामयाब फिल्म साबित हुयी। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर की छवि एक रॉकस्टार की थी। युवाओं को ध्यान में रखकर बनायी गयी इस फिल्म में रणबीर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 190 करोड़ का शानदार व्यापार किया।

वर्ष 2013 में रणबीर की फिल्म बेशर्म प्रदर्शित हुयी। इस फिल्म में रणबीर ने अपने माता-पिता नीतू सिंह और ऋषि कपूर के साथ काम किया। अभिनव कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी। वर्ष 2015 में रणबीर कपूर की रॉय , बांबे वेलवेटऔर तमाशा जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी लेकिन ये फिल्में भी टिकट खिड़की पर कोई कमाल नही दिखा सकीं। वर्ष 2016 में रणबीर कपूर की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल प्रदर्शित हुयी जो हिट साबित हुयी।

वर्ष 2018 में रणबीर कपूर की फिल्म संजू प्रदर्शित हुयी जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुयी। इस फिल्म में रणबीर कपूर ने संजय दत्त का किरदार निभाया था।इसके बाद रणबीर कपूर ने वर्ष 2022 में ब्रह्मास्त्र और वर्ष 2023 में तू झूठी में मक्कार जैसी हिट फिल्मों में काम किया। वर्ष 2022 में रणबीर कपूर ने आलिया भट्ट से शादी कर ली। वर्ष 2023 में रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म तू झूठी में मक्कार और एनिमल प्रदर्शित हुयी। रणबीर कपूर की आने वाली फिल्मों में रामायण और लव एंड वॉर प्रमुख है।

सेहज-सचिन की बॉन्डिंग से यादें में दिखेगी नई केमिस्ट्री

सोनी सब के शो यादें में जिया का किरदार निभा रहीं सेहज राजपूत ने अपने सह-कलाकार सचिन कवेथन के साथ बॉन्डिंग को लेकर कहा है कि दोनों के बीच सहजता और सकारात्मक ऊर्जा उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को और बेहतर बनाती है।शो में जिया और मल्हार के किरदार हाल ही में शामिल हुए हैं। किलारी गांव में दोनों की मुलाकात के बाद उनके रिश्ते में विकसित होती गर्मजोशी कहानी में एक नया मोड़ और ताजगी लेकर आने वाली है। ऑफस्क्रीन भी सेहज और सचिन के बीच अच्छी दोस्ती हो गई है और दोनों अक्सर शूटिंग के दौरान हल्के-फुल्के पल साझा करते हैं। सेहज ने कहा, सचिन को मुझे लगातार चिढ़ाने की आदत है। वह मुझसे छोटे हैं, लेकिन उन्हें मुझे छेड़ने या सेट पर किसी न किसी तरह परेशान करने से कोई फर्क नहीं पड़ता। कई बार हम किसी सीन से पहले पूरी तरह गंभीर होते हैं और अगले ही पल वह कुछ ऐसा कह देते हैं कि मैं हंस पड़ती हूं। हमारे बीच की यही सहजता साथ काम करना आसान बनाती है। हमारे बीच बहुत सहजता और सकारात्मक ऊर्जा है, जो हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को और बेहतर बनाती है। वहीं, सचिन कवेथन ने कहा, चूंकि सेहज और मैंने हाल ही में यादें जॉइन किया है, इसलिए स्वाभाविक रूप से हमने एक-दूसरे के साथ काफी समय बिताना शुरू कर दिया।

डूण्डासिवनी पुलिस का अवैध शराब बनाने के ठिकानों पर प्रहार

बेलगांव के नाले में रेड, 4 क्विंटल महुआ लाहन नष्ट

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु जिले में विशेष अभियान चलाकर समस्त थाना प्रभारियों को तत्परता से कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सिवनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना डूण्डासिवनी पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 27/09/2026 को थाना डूण्डासिवनी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बेलगांव के नाले किनारे कुछ लोगों द्वारा अवैध कच्ची महुआ शराब बनाने का कार्य किया जाता है एवं लहान तथा अन्य सामग्री नाले किनारे झाड़ियों में छुपाकर रखी गई है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना स्तर पर टीम गठित कर उक्त स्थान पर दबिश दी गई। तलाशी के दौरान नाले किनारे झाड़ियों में छुपाकर रखे गए डिब्बों में लगभग 4 क्विंटल महुआ लहान बरामद हुआ, जिसे पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया। अवैध शराब बनाने वालों की तलाश जारी है।

सराहनीय भूमिका

थाना प्रभारी निरीक्षक चैनसिंह उइके, उनि सदानंद गोदेवार, सउनि संजय बघेल, सउनि बालकृष्ण त्रिगाम, आर. हिमेन्द्र सहारे, आर. मोहसीन आजमी, आर. केसरीनंदन ऐडे एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

कर्मचारियों ने विधायक लखनादौन को सौंपा ज्ञापन

सिवनी (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के तहसील अध्यक्ष मोरविन राव सरंक्षक महेंद्र पाठक पदाधिकारी गोपाल नामदेव गोवर्धन युवने उमाशंकर गोलानी के द्वारा विधायक ठा योगेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंप करके एनएचएम को नर्सिंग कैडर में शामिल करने व आशा कार्यकर्ताओं आशा सहयोगी के मानदेय में वृद्धि करने के लिए ज्ञापन पत्र सौंपा गया।

साथ ही शिक्षा विभाग में नव नियुक्त शिक्षकों को पूरा वेतन देने टेट परीक्षा निरस्त करने व संविदा में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर के उमाशंकर गोल्हानी अध्यक्ष ब्लॉक लखनादौन मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के नेतृत्व में विधायक को ज्ञापन सौंप।

खामखरेली में शानदार सेला नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

कान्हीवाड़ा (स्वतंत्र मत)। सिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खामखरेली में मूलनिवासी परंपरागत जन जागृति समिति के तत्वावधान में भव्य सेला नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं पितृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पारंपरिक संस्कृति और लोककला को बढ़ावा दिया।

प्रतियोगिता में लगभग 40 से 45 सेला नृत्य टीमों ने हिस्सा लिया। विभिन्न ग्रामों से पहुंची टीमों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, वाद्य यंत्रों और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। देर तक चले कार्यक्रम में पूरा परिसर पारंपरिक लोकधुनों और सेला नृत्य की थाप से गूंजता रहा।

प्रतियोगिता में सरंगापुर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। टीम की शानदार प्रस्तुति पर उपस्थित दर्शकों ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि ईश्वरदयाल वरकड़े, कार्यक्रम संरक्षक महेश मार्सकोले, मंच संचालक भारत इनवाती एवं निर्णायक हजारी लाल उईके प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एकल विद्यालयों के संचालन के लिए जनसहयोग जरूरी : डॉ केके चतुर्वेदी

सिवनी (स्वतंत्र मत)। एकल अभियान एक ऐसी संस्था है जिसके अंतर्गत एकल विद्यालय का संचालन किया जाता है यह विद्यालय उन क्षेत्रों में होते हैं जहां पर शासकीय विद्यालयों की पहुंच नहीं होती वहां पर एकल से जुड़े कार्यकर्ता इन विद्यालयों का संचालन करते हैं इन विद्यालयों को संचालित करने के लिए समितियां का गठन किया जाता है यह समितियां संपन्न और सहयोगियों के सहयोग तथा जन सामान्य से धन संग्रह कर ऐसे विद्यालयों का संचालन किया जाता है। वर्तमान में भारत में एकल विद्यालयों की संख्या लगभग 1 लाख से अधिक है इनकी सदियों के विस्तार को लेकर डीपी चतुर्वेदी महाविद्यालय में सतपुड़ा भाग की बैठक में मनोहर (प्रभाग प्राथमिक शिक्षा प्रभारी, मध्यप्रदेश-राजस्थान), मोहन संभाग उपाध्यक्ष, श्री धनंजय जी संभाग सचिव एवं भाग अध्यक्ष डॉ के के चतुर्वेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें प्रत्येकअंचल में 56 सदस्यीय समितियों का गठन कर एकल को ग्राम, शहर,नगर जिले प्रांत और राष्ट्रीयस्तर पर स्थापितकरने समिति विस्तार, नवरात्र तक करने बात रखी गई।

इस बैठक में छिंदवाड़ा बालाघाट सिवनी बैतूल नरसिंहपुर सतपुड़ा महाकौशल क्षेत्र से पधारे अंचल अध्यक्षों ने ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम में भागउपाध्यक्ष, राजेंद्र बघेल भाग सचिव चंद्रशेखर जी उपाध्यक्षश्रीमती प्रभा दीदी संभाग समिति सदस्य शंकर दहिया संभाग युवा इकाई ,राकेश नागफासे अंचल सिवनी अध्यक्ष कुंज बिहारी सनोडिया ग्राम स्वरोजगार योजना, गौरव दुबे बालाघाट अंचल अध्यक्ष बालाघाट श्रीमती राजुल चौधड़िया अंचल उपाध्यक्ष श्रीमती रिचा नेमा वेद प्रकाश चौरसिया अंचल अध्यक्ष छिंदवाड़ा, शिवराम वर्मा दिलीप शिवपाल जी बैतूल वीरेंद्र बिलगईयां बैतूल राजकुमार संभाग कार्यालय प्रमुख सूरज पटेल, पुनू लाल परते, प्रकाश साकरे, मनोज जी डॉक्टर देवी, दिलीप बालाघाट रतन सिवनी आर के रघुवंशी, गजेश ठाकरे, संजय जैन सरमन गौर, देवी सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

वोट चोरी का आरोप है तो प्रमाण दीजिए, सिर्फ राजनीतिक शोर नहीं : मीना बिसेन

चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा जिलाध्यक्ष का पलटवार

सिवनी (स्वतंत्र मत)। कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग, एस आई आर और मतदाता सूची को लेकर लगातार लगाए जा रहे आरोपों पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाने के लिए भाषण नहीं, प्रमाण चाहिए। 26 सितंबर को चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि एस आई आर से जुड़े निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। श्रीमती बिसेन ने कहा अब राहुल गांधी और कांग्रेस को बताना चाहिए कि चुनाव आयोग के इस स्पष्ट बयान के बाद भी उनके आरोपों का आधार क्या है? यदि उनके पास कोई ठोस प्रमाण है तो उसे देश के सामने रखें। लोकतंत्र में आरोप लगाने से बड़ा काम आरोप को प्रमाणित करना है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास बूथवार, मतदाता सूचीवार और प्रमाणित तथ्य हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाने से जनता का जनादेश नहीं बदलता।

एस आई आर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी सामने है

श्रीमती बिसेन ने कहा कि 27 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में स्क्रुक को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला देते हुए चुनाव आयोग के एसआई आर अभ्यास को वैधानिक आधार वाला माना। न्यायालय ने यह भी माना कि मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जब न्यायपालिका का निर्णय सामने है और चुनाव आयोग अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुका है, तब कांग्रेस को राजनीतिक आरोपों के बजाय तथ्य और कानूनी आधार के साथ जनता के सामने आना चाहिए।

हर बार हार के बाद नई वजह?

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब जनादेश पक्ष में हो तो वही चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्र की जीत होती है और जब परिणाम मनमाफिक न आए तो ईव्हीएम, चुनाव आयोग और अब मतदाता सूची पर सवाल उठने लगते हैं। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में जीत का श्रेय जनता को देना और हार की जिम्मेदारी किसी संवैधानिक संस्था पर डाल देना-यह दोहरा मापदंड नहीं चल सकता। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर आपत्ति है तो संवैधानिक और न्यायिक रास्ता खुला है। प्रमाण के साथ चुनौती दीजिए, लेकिन प्रमाण के बिना जनता के मन में संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना उचित नहीं है। मीना बिसेन ने राहुल गांधी से कहा-राहुल गांधी जी, 'वोट चोरी' का नारा लगाने से पहले चोरी हुए वोट का हिसाब दीजिए। बूथ बताइए, संख्या बताइए, प्रमाण दीजिए और यह बताइए कि उससे कौन-सा परिणाम बदला। अगर प्रमाण है तो देश आपके साथ तथ्य देखेगा, अगर प्रमाण नहीं है तो केवल राजनीतिक आरोपों से संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल नहीं उठाए जा सकते।

श्रीमती बिसेन ने कहा कि चुनाव जनता के बीच काम, नीति, संगठन और जनविश्वास के आधार पर जीते जाते हैं। संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाकर नहीं। जनता को शोर नहीं, सच चाहिए। आरोप नहीं, प्रमाण चाहिए। और लोकतंत्र में अंतिम फैसला किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस का नहीं, जनता के जनादेश का होता है।

'वोट चोरी' हुई है तो चोरी का हिसाब भी बताइए

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार 'वोट चोरी' की बात करते हैं। ऐसे में जनता का सीधा सवाल है

कौन-सा वोट चोरी हुआ?
किस बूथ से हुआ?
कितने वोट प्रभावित हुए?
और किस चुनाव परिणाम को उससे बदला गया?

सैमरॉक जैक एंड जिल स्कूल में बच्चों की भक्ति ने मोहा मन

चुपके से भगवान श्री गणेश को विराजित कर बच्चों ने की पूजा-अर्चना, संस्कार और संस्कृति का दिया संदेश

सिवनी (स्वतंत्र मत)। स्व. अभय निगम की कर्मस्थली सैमरॉक जैक एंड जिल स्कूल में बच्चों की भक्ति और धार्मिक आस्था का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। यहां छोटे-छोटे बच्चों ने स्वयं पहल करते हुए भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को स्कूल परिसर में विराजित किया और नियमित कक्षाएं एवं प्रार्थना शुरू होने से पहले ही भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

बच्चों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित किए जाने की जानकारी जब स्कूल के शिक्षकों को हुई तो विद्यालय की संस्थापिका शेफाली निगम ने बच्चों की इस पहल की सराहना करते हुए विधिवत रूप से भगवान श्री गणेश का पूजन-अर्चन किया। इस दौरान बच्चों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का भाव देखने को मिला।

विद्यालय परिवार ने कहना है कि छोटी उम्र में बच्चों द्वारा अपनी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक संस्कारों के प्रति इस प्रकार की आस्था प्रदर्शित करना निश्चित रूप से सराहनीय पहल है। बच्चों के मन में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति प्रेम जागृत करने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

बच्चों द्वारा स्वयं आगे बढ़कर भगवान श्री गणेश को विराजमान करना और पूजा-अर्चना करना यह दर्शाता है कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों और संस्कृति को भी महत्व दिया जा रहा है। बच्चों की इस पहल ने विद्यालय के शिक्षकों एवं अभिभावकों का भी मन मोह लिया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने बच्चों की धार्मिक भावना एवं उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने वाले ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करते हैं। निश्चित रूप से बच्चों की यह पहल भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति एक अलग छाप छोड़ने वाली है।

सेलोटपार में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। ग्राम सेलोटा पार स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-1 में 27 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने ग्रामीणों को महिलाओं और बच्चों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रम में जनपद सदस्य अनिल उइके, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रभा बाकट, श्याम कला पटले, सूर्य कान्ता ठाकरे तथा सहायिका ज्योति मरावी, सुरेखा सिरोठाम और रीना गोडाने उपस्थित रहीं। इस दौरान बच्चों और महिलाओं को स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण से संबंधित योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी गई। कार्यक्रम में शासन द्वारा संचालित लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया गया। स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग, मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के सहयोग से टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, एनीमिया तथा बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

पति-पत्नी के विवाद में पत्नी की हत्या

तिरोड़ी में हत्या के बाद पति ने भी कुएं में कूदकर किया आत्महत्या का प्रयास

कटंगी (स्वतंत्र मत)। बालाघाट जिले की मॉयल नगरी तिरोड़ी में घरेलू विवाद के चलते एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति ने खुद भी कुएं में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। यह पूरी वारदात रविवार और सोमवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है। सोमवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस को घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। मृतिका की पहचान आरती कठौते पति कमल कठौते, वार्ड 11 तिरोड़ी के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच काफी लंबे समय से विवाद चल रहा था। विवाद के चलते पत्नी अपने मायके चली गई थी और अभी एक सप्ताह पूर्व ही वापस पति के पास लौटी थी। बताया जा रहा है कि पत्नी अपने पति से तलाक चाहती थी, इसी बात को लेकर दोनों में अक्सर झगड़ा होता था। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। आत्महत्या का प्रयास करने के कारण पति घायल हो गया है, जिसका शासकीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। कठौते दंपति का विवाह करीब 8 वर्ष पूर्व हुआ था और उनकी एक 3 वर्ष की मासूम बच्ची भी है। सूचना मिलते ही एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा और थाना प्रभारी विजय राजपूत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे। शासकीय अस्पताल कटंगी में मृतका के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के ठोस कारणों का खुलासा हो सकेगा।इस घटना ने परिवार के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी झकझोर कर रख दिया है। एक ओर महिला की मौत से परिवार में मातम पसरा है, वहीं दूसरी ओर उसकी मासूम बच्ची अपने माता-पिता से जुड़े इस दर्दनाक घटनाक्रम के बीच रह गई है। मां की मौत और पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मासूम बच्ची के सिर से एक ही झटके में परिवार का सहारा छिन गया।

सालेटेका के पास सड़क हादसे में युवक घायल

खैरलांजी(स्वतंत्र मत)। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम सालेटेका के पास सोमवार सुबह सड़क किनारे एक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। बताया जा रहा है कि युवक रात में सड़क हादसे का शिकार होने के बाद बाइक सहित सड़क किनारे गिर गया था और पूरी रात वहीं बेहोशी की हालत में पड़ा रहा। सुबह ग्रामीणों की नजर पड़ने के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद 112 एंबुलेंस की मदद से उसे खैरलांजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान सालेटेका निवासी विजय पिता उरकुड़ राऊत (लगभग 35 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विजय किसी काम से 27 सितंबर की शाम खैरलांजी गया था। रात में वापस अपने गांव लौटते समय सालेटेका रोड के पास उसका किसी अन्य वाहन से हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद विजय बाइक सहित सड़क किनारे गिर गया और गंभीर चोट लगने के कारण बेहोश हो गया।

ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति ने विधायकों के साथ रेलवे स्टेशन में किया प्रदर्शन

ट्रेनों की लेट लतीफे को लेकर आम जनता में भारी नाराजगी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

मूकमाटी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के लगातार 6 घंटा विलंब से चलने के कारण आम जनता में भारी आक्रोश देखा जा रहा है साथ ही पेंचवेली एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को गोंदिया बालाघाट से चलाए जाने की घोषणा के बावजूद सांसद भारती पारधी द्वारा की जा रही निष्क्रियता को लेकर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप सिंह बैस के नेतृत्व में तथा परसवाड़ा विधायक मधु भगत एवं बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की प्रमुख उपस्थिति में भारी जन समुदाय के साथ तथा गगन भेदी नारों की गुंजायमान करते हुए बालाघाट रेलवे स्टेशन में भारी प्रदर्शन हुआ तथा स्टेशन अधीक्षक चौधरी को ज्ञापन सोपा गया, उक्त अवसर पर ब्रॉड गेज रेल संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप सिंह बैस ने कहा कि जिस तरह से यात्री ट्रेनों को खड़ा करके मालगाड़ी को प्राथमिकता दी जा रही है तथा लोकल ट्रेन एवं मूकमाटी एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेन अपने निर्धारित समय से 5 घंटा देरी से प्रतिदिन चल रही है इससे आम जनता में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने उक्त अवसर पर कहा कि लामता चांगोटोला क्षेत्र, परसवाड़ा एवं बालाघाट जिले का राजस्व देने वाला एक प्रमुख स्थान है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर का वन्य प्राणी पार्क कान्हा उद्यान यहां से अत्यंत पास है इस बात को दृष्टिगत रखते हुए सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव बालाघाट में सुनिश्चित किया जाना चाहिए बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि इंदौर भोपाल के सैकड़ों यात्रियों की मांग पर अब तक पंचवेली का संचालन बालाघाट से नहीं किया जा रहा है तथा सांसद भारती पारधी नई ट्रेनों की लेट लतीफी को लेकर और ना ही भोपाल इंदौर की सीधी रेल सेवा के लिए कोई गंभीर प्रयास कर रही हैं,जिससे आम जनता में भारी आक्रोश देखा जा रहा है यह सभी मांगे यदि 10 दिन के अंदर पूर्ण नहीं हुई तो हम सभी ब्रॉड गेज रेल संघर्ष समिति के नेतृत्व में एक वृहत आंदोलन करेंगे।

मौत को आमंत्रण दे रहे जानलेवा गड्ढे

विभाग की चुप्पी कहीं भारी न पड़ जाए ग्रामीणों को

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पीडब्ल्यूडी विभाग की कथित उदासीनता और लापरवाही के चलते बाकल ग्राम की करीब एक किलोमीटर सड़क इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गई है। सड़क पर जगह-जगह एक एक फीट तक गहरे अथवा चौड़े गड्ढे हो चुके हैं। बारिश का पानी भरने से कई गड्ढे दिखाई तक नहीं देते, जिससे आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। यह मार्ग गांव के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी सड़क से पीएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के हजारों विद्यार्थियों का रोजाना आवागमन होता है। जर्जर सड़क के कारण स्कूली बच्चों को भी हर दिन परेशानी और हादसे का खतरा बना रहता है।

वहीं गांव में प्रसव के लिए महिलाओं को अस्पताल ले जाने वाली डिलीवरी वाली गाड़ियों को भी इसी गड्ढों भरे मार्ग से गुजरना पड़ता है। सड़क की खराब हालत के कारण मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। स्थानीय लोगों द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत करने के कोई सुनाई नहीं की गई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। सड़क की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जर्जर सड़क के शीघ्र सुधार की मांग की है पानी भरने से बढ़ रहा हादसों का खतरा बारिश के दौरान सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। दोपहिया वाहन चालक विशेष रूप से हादसों की चपेट में आ रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार पीडब्लूडी विभाग द्वारा सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क का स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की मांग की है।

फोटो: विकास गुप्ता

वर्षी मेले की तैयारियों को लेकर महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं बेहतर व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी वर्षी मेले के आयोजन को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में रविवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी ने संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लिया। महापौर सूरी ने मेला स्थल का भ्रमण करते हुए आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले के आयोजन से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्थाए आवागमन, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन एवं विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को स्थल की साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने के साथ ही मेले के दौरान नियमित रूप से निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित रूप से संचालित की जाएं। महापौर सूरी ने वर्षी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि मेले के दौरान नगर निगम द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करें। सभी के सामूहिक सहयोग से वर्षी मेले को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त प्रियंका झारिया, एमआईसी सदस्य सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद विनोद लाला यादव, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल सहित मेला समितियों के सदस्यों व निगम के अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

फोटो: विकास गुप्ता

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश का अनिश्चितकालीन धरना भोपाल में प्रारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। टीईटी की समाप्ति, सेवावधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनाँक से करते हुए वरिष्ठता की बहाली और अव्यवहारिक इ-अटेंडेंस पर रोक की मांग को लेकर संभागवार धरने के क्रम में आज भोपाल संभाग एवं नर्मदापुरम संभाग के हजारों शिक्षकों ने धरने में अपनी उपस्थिति दी। उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मोर्चा के प्रांतीय संयोजक ने बताया कि यह अनिश्चितकालीन धरना एवं प्रदर्शन समस्याओं के निराकरण तक चलता ही रहेगा। 28 सितम्बर सोमवार को जबलपुर संभाग के हजारों शिक्षकों की उपस्थिति धरना स्थल पर रहेगी। नीलम पार्क भोपाल में चल रहे इस धरने की अगुवाई जगदीश यादव, राकेश दुबे, मनोहर दुबे, राकेश नायक, परमानंद डेहरिया, डी के सिंगोर, राकेश पटेल कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 28 सितंबर को समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष 24 सितंबर को मनाया जाता है। इसी क्रम में महाविद्यालय में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन 28 सितंबर को प्राचार्य डा. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. शिल्पी सिंह के संयोजन में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न रंगारंग एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्राओं ने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रप्रेम, सामाजिक समरसता एवं सेवा भावना का सुंदर संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व एवं उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने तथा जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. शिल्पी सिंह ने छात्राओं को एनएसएस की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागिता करने तथा समाज एवं राष्ट्रहित में रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को सेवा कार्यों के माध्यम से समाज से जोड़ने और उनमें सामाजिक चेतना विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्राओं ने सेवा, सहयोग, राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, उमंग एवं सेवा भावना से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम ने छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों से जुड़ने तथा समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

फोटो: विकास गुप्ता

काका हाथरसी सम्मान-हास्य रत्न से नवाजे जायेंगे मनोहर मनोज

नई दिल्ली में विराट आयोजन, देश के ख्यातिलब्ध कवियों का समागम

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर के प्रतिष्ठित ख्यातिलब्ध हास्य-व्यंग्य कवि मनोहर मनोज को रविवार, 15 नवम्बर, सायं 5 बजे 10-12, इन्द्रजीत गुप्ता मार्ग, सुरजीत भवन नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कविसम्मेलन में काका हाथरसी पुरूस्कार एवं हास्य रत्न से नवाजा जायेगा काका हाथरसी सम्मान में एक लाख की सम्मान निधि भेंट की जायेगी। हास्य शिरोमणि स्व काका हाथरसी हास्य पुरस्कार प्रतिवर्ष देश के चयनित हास्य व्यंग्य साहित्यकारों को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष कटनी से राष्ट्रीय लोकप्रिय कवि मनोहर मनोज को चयनित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें 15 नवम्बर को सायं 5 बजे सुरजीत भवन सभागार, नई दिल्ली में अर्पित किया जाएगा।

काका हाथरसी ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक गर्ग एवं सदस्यों की टीम ने देश के चयनित हास्य साहित्यकारों में मनोहर मनोज को हास्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। काका हाथरसी सम्मान समारोह में देश के समस्त ख्यातिलब्ध साहित्यकार बंधुओं का समागम होगा। काका हाथरसी सम्मान समारोह साहित्य जगत में मनोहर मनोज को प्रदान किये जाने से कटनी नगर गौरवान्वित होगा। साहित्यकारों एवं नगर के प्रबुद्धजनों में हर्ष की लहर है सभी ने मनोहर मनोज को शुभकामनाएं बधाई प्रेषित की है।काका हाथरसी के साथ देश के कई मंचों पर मनोहर मनोज ने किया काव्यपाठ

साहित्यिक दुनिया में काका हाथरसी एक ऐसा लोकप्रिय नाम था कि काव्यपथ पर उन्होंने देश ही नहीं अपितु विदेशों में अपनी एक अनूठी छवि निरूपित की कुंडलियाँ विधा कविता पाठ में काका हाथरसी की अलग पहचान बनी गयी उनके साथ नगर के साहित्यकार मनोहर मनोज ने कविसम्मेलन के राष्ट्रीय आयोजनों में कविता पाठ किया। कुछ दिनों पूर्व बाबा बागेश्वर धाम में आयोजित कविसम्मेलन में मनोहर मनोज को बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा सम्मानित किया गया। कटनी नगर में भी 1980के दशक में फारेस्टर खेल मैदान में काका हाथरसी सहित अन्य देश के कवियों द्वारा कायक्रम में भाग लिया गया था।

कटनी वनमंडल में वन भूमि पर अतिक्रमण का प्रयास रोका गया

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी वनमंडल के बड़वारा परिक्षेत्र अंतर्गत पिपरिया बीट में ग्राम पिपरिया की लगभग 60-70 महिलाएं अतिक्रमण की मंशा से वन भूमि की सफाई कर रही थीं। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और कार्य रुकवाया। मौके पर वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) गर्वित गंगवार तथा बड़वारा रेंज अधिकारी दशमत सिंह ने वन अमले के साथ ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को स्पष्ट किया कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार केवल उन आदिवासियों को दिए जाते हैं, जो 13 दिसंबर 2005 से पूर्व से वन भूमि पर काबिज हैं। यह अधिनियम की कट-ऑफ तिथि है। साथ ही, सामुदायिक अधिकारों के अंतर्गत वन भूमि पर बसने या खेती करने का अधिकार नहीं दिया जाता। ऐसे लोग भोल-भाले ग्रामीणों को गुमराह कर उन्हें कानूनी कार्रवाई में फंसा सकते हैं।

रेल वन न्यू कटनी में इंटैक कटनी चेप्टर द्वारा पौधारोपण किया गया

कटनी (स्वतंत्रमत)। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर धरती पर हरितिमा बनाए रखने एवं पर्यावरण की अमूर्त विरासत संरक्षण की पुनीत भावना से रविवार 27 सितंबर की सुबह स्थानीय न्यू कटनी मुक्तिधाम के सामने विकसित किए जा रहे रेल वन में इंटैक कटनी चेप्टर (भारतीय सांस्कृतिक निधि ए कटनी अध्याय) के सदस्यों सहित अन्य प्रतिष्ठित जनों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों का किसी पर्व जैसे वातावरण में रोपण किया गया ।जिसके क्रमिक चरण में स्थल पर अर्जुन, महोबिनी, अशोक एवं हड़जुडी के 50 पौधों का रोपण किया गया । इस हेतु 25 पौधे मानव जीवन विकास समिति के निर्भय सिंह तथा शेष मुक्तिधाम विकास समिति द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं । इस अवसर पर सर्वश्री उमेश मिश्रा, मनोज पांडे, राजेश निषाद सहित इंटैक कटनी चेप्टर की भारती नागवानी, डा. मनीषा साहू, रजनी सिंह, डा. अमित कुमार साहू, मोहन नागवानी, निर्भय सिंह, जुगल किशोर मिश्रा, वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रभारी आशीष नामदेव, राजेंद्र सिंह ठाकुर एवं अनिल नेमा सहित अनेक प्रबुद्ध जन सहभागी रहे । **फोटो: विकास गुप्ता**

115 विद्यार्थियों ने क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया

कटनी (स्वतंत्रमत)। प्रवर अधीक्षक डाकघर, जबलपुर संभाग के मार्गदर्शन में भारतीय डाक विभाग द्वारा दीनदयाल स्पर्श योजना के अंतर्गत लिखित क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन पीएम केंद्रीय विद्यालय, एनकेजे कटनी में किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के 115 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेंटर इंचार्ज सहायक अधीक्षक डाकघर (एएसपी) जबलपुर लवकुश परत, उप निरीक्षक डाकघर (एसडीआई) कटनी संतोष साहू, पोस्टमास्टर कटनी गगन मुड़ोतिया सहित सभी इनविजिलेटर, क्लेरिकल स्टाफ एवं एमटीएस कर्मचारियों ने परीक्षा के सफल संचालन में सराहनीय भूमिका निभाई। भारतीय डाक विभाग ने परीक्षा के सफल आयोजन हेतु पीएम केंद्रीय विद्यालय, प्राचार्य पंकज जैन सी वी यादव के सहयोग के लिए उनका विशेष आभार व्यक्त किया।

जायंट्स सेवा सप्ताह के छठे दिन बेटियों को सेनेटरी पैड का वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)। जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना द्वारा आयोजित जायंट्स सेवा सप्ताह के छठे दिन सेवा एवं जागरूकता का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर साधूराम हाई स्कूल की छात्राओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और आत्मविश्वास बना, रखने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आहना की समाज सेविकाओं के साथ डॉ. कोमल पंजवानी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़ी आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी और विभिन्न सरल एक्सरसाइज एवं गतिविधियों के माध्यम से उन्हें जागरूक किया। उन्होंने बताया कि मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है तथा उपयुक्त सेनेटरी पैड का सही तरीके से उपयोग और समय-समय पर उसे बदलना स्वच्छता बनाए रखने में सहायक होता है। डॉ. कोमल पंजवानी ने छात्राओं को पीरियड्स के दौरान होने वाली सामान्य असुविधाओं, दर्द एवं अनियमितता के संबंध में भी उपयोगी जानकारी दी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने पर उचित चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही छात्राओं को गुड टच, बैड टच और जीवन कौशल के प्रति भी जागरूक किया गया। इसी अवसर पर आहना की समाज सेविकाओं द्वारा क्वार्टरली परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को आवश्यक परीक्षा सामग्री भी वितरित की गई। विद्यार्थियों को एग्जाम बोर्ड, कॉपियां, पेन, पेंसिल, स्केल, रबर एवं कटर प्रदान किए गए। परीक्षा सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। इस अवसर पर आहना की समाज सेविकाओं ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, आत्मनिर्भरता और समाज में सकारात्मक बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। शिक्षा बच्चों को ज्ञान के साथ-साथ ऐसे आवश्यक कौशल प्रदान करती हैए जो उन्हें भविष्य में बेहतर जीवन जीने और आत्मनिर्भर बनने में सहायता करते हैं। बच्चों के बीच खुशियां बांटने, उन्हें स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ आयोजित इस सेवा कार्य में जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की संस्थापिका एवं अध्यक्ष वाणी गट्टानी, रश्मि गट्टानी, शालिनी बजाज, सिमरन माहेश्वरी, स्वाती बजाज, शानू बजाज, एकता माहेश्वरी, रश्मि राय, उपासना बजाज एवं डॉ. कोमल पंजवानी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों ने किया एक्सिस बैंक का शैक्षणिक भ्रमण

कटनी (स्वतंत्रमत)। विद्यार्थियों को बैंकिंग व्यवस्था एवं वित्तीय सेवाओं की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल कटनी के विद्यार्थियों ने एक्सिस बैंक बरगवां ब्रांच कटनी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान एक्सिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें बैंक की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि बैंक किस प्रकार ग्राहकों को विभिन्न बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है तथा दैनिक बैंकिंग कार्य किस प्रकार संचालित किए जाते हैं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को बैंक में खाता खोलने की प्रक्रिया, जमा एवं निकासी, चेक एवं अन्य बैंकिंग सेवाएँ, एटीएम एवं डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन लेन-देन तथा बैंकिंग सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, ओपीटी एवं पिन की गोपनीयता तथा साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम कटनी (म.प्र.)

// निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक 69/वाहन विभाग/2026/27

कटनी दिनांक- 07/09/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत दुकानदारों से/एजेंसियों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत शर्तें आदि वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_536232_1	02 नगर चलित शौचालय की सामग्री क्रय एवं मरम्मत कार्य	30 दिवस रु. 6.70.000	रु. 2000/- रु. 10000/-	05/10/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
वास्ते-आयुक्त
नगरपालिक निगम कटनी

एशियन गेम्स के हॉकी सेमीफाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

भारत ने बांग्लादेश को 10.0 से हराकर पूल-I में टॉप किया 1 अक्टूबर को होगा मुकाबला

नई दिल्ली।

एशियन गेम्स के हॉकी सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला एक अक्टूबर को जापान के नगोया में खेला जाएगा। सोमवार को भारत ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज करते हुए बांग्लादेश को 10.0 से हरा दिया।

इस जीत के साथ भारत ने पूल-। में टॉप किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक लगाई। शिलानंद लाकड़ा ने 2 गोल किए, जबकि जुगराज सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, संजय और मंदीप सिंह ने भी गोल किए।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत तेज की। तीसरे मिनट में अभिषेक ने रिवर्स स्कूप से गोल कर टीम को 1.0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद पहले क्वार्टर में भारत को कई पेनल्टी कॉर्नर मिलेए लेकिन बांग्लादेश की डिफेंस ने कुछ मौकों पर गोल रोक दिए।

पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 1.0 से आगे था। इसी दौरान गोलकीपर सूरज करकेरा ने अपना 100वां इंटरनेशनल मैच खेला और बांग्लादेश के शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर पर अहम बचाव किया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया। जुगराज सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर स्कोर 2.0 किया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 3.0 कर दी। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा।

तीसरे कार्टर में भारत ने 5 गोल दागे

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही सुखजीत सिंह ने फील्ड गोल कर भारत को 4.0 से आगे कर दिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर शिलानंद लाकड़ा ने दो गोल किए और हरमनप्रीत ने भी अपना तीसरा गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत 8.0 से आगे था।चौथे क्वार्टर में भारत ने शुरुआत में गोल नहीं कियाए लेकिन अंतिम मिनटों में दो और गोल आए। संजय ने 59वें मिनट में और मंदीप सिंह ने 60वें मिनट में गोल कर भारत को 10.0 की बड़ी जीत दिलाई। मैच के दौरान भारी बारिश हुईए जिससे मैदान और खिलाड़ी दोनों पूरी तरह भीग गए और गेंद को तेजी से आगे बढ़ाना मुश्किल हो गया। बारिश के कारण मैच की शुरुआत भी 30 मिनट देर से हुई।

जेवलिन में यशवीर को सिल्वर-रोहित को ब्रॉन्ज

आइची नागोया।

भारत को एशियन गेम्स के 9वें दिन 8 मेडल मिले। यशवीर सिंह ने जेवलिन थ्रो में 85.72 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ सिल्वर और रोहित यादव ने 84.35 मीटर के थ्रो के साथ ब्रॉन्ज जीता। इससे पहले श्रीशंकर मुरली ने लॉन्ग जंप में 8.07 मीटर की जंप के साथ सिल्वर अपने नाम किया। गुलवीर सिंह ने 1500 मीटर में 3 मिनट 36.72 सेकेंड के समय के साथ सिल्वर जीता। सोमवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में सिल्वर हासिल किया। पारुल चौधरी ने 5000 मीटर में ब्रॉन्ज, वित्या रामराज ने 400 मीटर हर्डल्स में ब्रॉन्ज और पिंकी बल्हारा ने कुराश के .78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। इन मेडल के साथ भारत के खाते में अब 45 मेडल हो गए हैं। इनमें 4 गोल्ड, 20 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 12वें स्थान पर है। शूटिंग में भारत के 12 मेडल हो गए हैं, जिसमें 1 गोल्ड, 7 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

श्रीशंकर, गुलवीर और ईशा ने भी जीते सिल्वर भारत को एशियन गेम्स के 9वें दिन 8 मेडल

ईशा ने शूटआउट में गोल्ड गंवाया

ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में सिल्वर जीता। फाइनल में ईशा और चीन की जियाओ जियारुइक्सुआन के 38.38 पॉइंट रहे। इसके बाद शूटआउट हुआ, जिसमें जियाओ ने जीत दर्ज की। ईशा ने 580 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। मनु भाकर मेडल इवेंट तक नहीं पहुंच सकीं।

पारुल और वित्या को ब्रॉन्ज

पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर रेस में 15 मिनट 14.61 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। वित्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स में 54.75 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। उन्होंने पीटी उषा का 42 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। उषा ने 1984 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में 55.42 सेकेंड का समय निकाला था।

कोहली ने पहली बार एक इनिंग में लगाए 9 सिक्स

सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, भारत में 42वां शतक लगाया

तिरुवनंतपुरम। भारत ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में पहले वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 55वां शतक लगाया। उन्होंने नाबाद 139 रन की पारी खेली। कोहली ने पहली बार किसी वनडे में इनिंग में 9 सिक्स लगाए। वे वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने एक देश में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी की। दोनों ने भारत में 42.42 शतक लगाए हैं। कोहली ने वनडे में 303 पारियों में अपने 15 हजार रन पूरे कर लिए। वे सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कोहली ने रविवार को लिस्ट.ए क्रिकेट में अपना 60वां शतक पूरा किया। वे 338 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने तेंदुलकर के लिस्ट.ए में सबसे ज्यादा शतकों की बराबरी भी कर ली। सचिन ने 538 पारियों में 60 शतक बनाए थे। लिस्ट-। सीमित ओवरों वाला क्रिकेट फॉर्मेट है। इसमें अंतरराष्ट्रीय वनडे और घरेलू स्तर पर खेले जाने वाले आधिकारिक एक-दिवसीय मुकाबले शामिल होते हैं।

मौका गंवाना दुख देता है, एक नतीजा पूरे सफर को बयां नहीं कर सकता

नई दिल्ली। एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि वह हार से दुखी हैं, लेकिन एक दर्दनाक नतीजा उनके 12 साल के एशियन गेम्स सफर को तय नहीं कर सकता। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट 27 सितंबर को विमेंस सिंगल्स के क्वार्टरफाइनल में चीन की चेन यूफेई से 21-11, 18-21, 10-21 से हार गई थीं।

भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 217 रन पर किया ऑलआउट

ईशान ओम ने 5 विकेट लिए, कैटल ने 102 रन की पारी खेली

राजकोट।

भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पहले यूथ टेस्ट के पहले दिन 217 रन पर ऑलआउट कर दिया। भारत की ओर से ईशान ओम ने 53 रन देकर 5 विकेट लिए। तेज गेंदबाज मोहित उल्वा ने 37 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्लेक कैटल ने 102 रन की पारी खेली। भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 1 ओवर में 8/0 रन बनाए हैं। लक्ष्य रायचंदानी 8 और सागर विर्क 0 रन पर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। मोहित उल्वा ने हेडन बारबुलोविक और कप्तान मैथ्यू लॉफ को जल्दी आउट कर 7 रन पर दो विकेट निकाल दिए। इसके बाद ओम ने नील पटेल को 11 रन पर स्टंप कर दिया। ऑस्ट्रेलिया 27/3 के स्कोर पर था। इसके बाद ब्लेक कैटल और जेड हॉलिक ने पारी संभाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 147 रन जोड़े। कैटल ने 40वें ओवर में चौके के साथ अर्धशतक पूरा कियाए जबकि हॉलिक ने 16 ओवर बाद फिफ्टी लगाई। 65वें ओवर में उल्वा ने हॉलिक को विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर साझेदारी तोड़ी। हॉलिक ने 160 गेंदों पर 59 रन बनाए। इसके बाद कैटल ने अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 198 गेंदों पर 102 रन बनाएए जिसमें 14 चौके शामिल रहे। लेकिन शतक के कुछ ही देर बाद यशवर्धन चौहान ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

कैटल के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने बाकी 5 विकेट सिर्फ 33 रन के अंदर गंवा दिए। ईशान ओम ने ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम को समेट दिया। उन्होंने चार्ल्स हेंडरसन, कैसी बार्टन, स्पेंसर ग्रीन और थियो त्सिंगोस को आउट किया। ओम ने 24.5 ओवर में 5 मेडन के साथ 53 रन देकर 5 विकेट लिए। यशवर्धन चौहान को भी 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया की पारी 86.5 ओवर में 217 रन पर खत्म हुई। ऑस्ट्रेलिया को ऑलआउट करने के बाद भारत ने दिन के आखिरी में एक ओवर बल्लेबाजी की। लक्ष्य राइचंदानी ने कैसी बार्टन की गेंद पर दो चौके लगाए। भारत ने 1 ओवर में 8/0 रन बनाए।

ओमान, आइसलैंड ने हरित विमान ईंधन पर भारत के साथ सहयोग को बताया जरूरी

नयी दिल्ली। ओमान और आइसलैंड ने हरित विमान ईंधन (एसएएफ) की वैश्विक सफलता के लिए भारत से साथ सहयोग को जरूरी बताते हुए सोमवार को कहा कि यहां इस क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। भारत में आइसलैंड के राजदूत बेनेडिक्ट होस्कुल्डसन ने यहां दूसरे एसएएफ सम्मेलन में कहा कि आइसलैंड के लिए विमानन दुनिया से जुड़े रहने का एक महत्वपूर्ण जरिया है। भारत ने साल 2027 तक एक प्रतिशत और साल 2028 तक दो प्रतिशत हरित विमान ईंधन के इस्तेमाल का लक्ष्य रखा है। इससे बड़े पैमाने पर मांग पैदा होती है। यहां मुद्दा उसी अनुपात में आपूर्ति सुनिश्चित करने का है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एसएएफ के लिए अकेले दम पर पारितंत्र का निर्माण नहीं कर सकता। भारत के पास औद्योगिक पैमाना और अभियांत्रिकी में उत्कृष्टता है। भारतीय उद्यमों को आइसलैंड के रास्ते उत्तरी गोलार्द्ध के देशों की कंपनियों के साथ सहयोग के लिए आमंत्रित किया। भारत में ओमान के राजदूत इस्सा सालेह अब्दुल्ला सालेह अल शिबानी ने भी कहा कि हरित विमान ईंधन के क्षेत्र में दोनों देशों की कंपनियों के बीच साझेदारी और सहयोग के लिए पर्याप्त अवसर हैं। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विमानन क्षेत्र में आ रहे परिवर्तन के अनुरूप हम बदलाव करें। भारत के एसएएफ अपनाने से ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्र में सहयोग के बड़े अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारत और ओमान के बीच मजबूत साझेदारी हरित विमानन समाधान विकसित करने और हरित ऊर्जा पारितंत्र को मजबूत करने में मदद कर सकती है। एसएएफ को अपनाने की गति बढ़ाने और हरित विमानन का भविष्य बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बहुत जरूरी होगा।

रेनो ने भारत में पेश किया ट्रिबर 100पीएस

नयी दिल्ली। फ्रांस की कार बनाने वाली कंपनी रेनो ग्रुप की इकाई रेनो इंडिया ने सोमवार को भारतीय बाजार में बिल्कुल नई रेनो ट्राइबर 100पीएस उतारने की घोषणा की। रेनो इंडिया ने बताया कि नए रेनो ग्रुप एंट्री प्लेटफॉर्म (आरजीईपी) पर विकसित यह उसकी पहली कार है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 7,84,900 रुपये से शुरू है। यह सात-सीटर कार 100 पीएस टर्बोचार्ज्ड पावरट्रेन और आधुनिक फीचरों से लैस है। इसे फ्लेक्सिबल आर्किटेक्चर के साथ विकसित किया गया है जिससे भविष्य कई तरह के पावरट्रेन समाधान को यह अपना सकता है।

मोहाली की जय पार्वती फोर्ज ने आईपीओ के लिए आरएचपी का प्रारूप किया फाइल

नयी दिल्ली। पंजाब के मोहाली स्थित जय पार्वती फोर्ज ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस का प्रारूप जमा करा दिया है।कंपनी ने सोमवार को बताया कि आईपीओ में वह 300 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी जिनका अंकित मूल्य दो रुपये होगा। साथ ही प्रवर्तक सुमन चौहान ने अपने 90 लाख तक इक्विटी शेयर बेचने का प्रस्ताव रखा है।कंपनी रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास अंतिम रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल करने से पहले प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। अगर प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पूरा हो जाता है, तो उससे जुटाई गई रकम को नए निर्गम से कम कर दिया जाएगा। यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के जरिये लाया जा रहा है। नेट ऑफर का अधिकतम 50 प्रतिशत पात्र संस्थागत निवेशकों को दिया जाएगा। नेट ऑफर का कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा गैर-संस्थागत निवेशकों को और कम से कम 35 प्रतिशत खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को दिया जाएगा। जय पार्वती फोर्ज ट्रैक्टर, वाणिज्यिक वाहन, ऑफ-हाइवे और औद्योगिक खंड में वास्तविक उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए एक किलोग्राम से 70 किलोग्राम रेंज के ट्रांसमिशन, ड्राइवलाइन, एक्सल और हाइड्रोलिक कंपोनेंट्स बनाती है।

औद्योगिक उत्पादन अगस्त में आठ प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। विनिर्माण और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्रों में जबरदस्त तेजी के दम पर देश के औद्योगिक उत्पादन में अगस्त 2026 में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इससे पहले जुलाई में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना 7.4 प्रतिशत और पिछले साल अगस्त में 4.7 प्रतिशत की तेजी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में विनिर्माण क्षेत्र में नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आईआईपी में इसका भारांश 76 प्रतिशत से अधिक है। यह लगातार तीसरा महीना है जब विनिर्माण उत्पादन आठ प्रतिशत या उससे अधिक बढ़ा है। बिजली एवं गैस आपूर्ति में 12.3 प्रतिशत की तेजी रही। जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन में 6.3 फीसदी की तेजी रही। खनन क्षेत्र में गिरावट रही। इसका सूचकांक 5.6 प्रतिशत गिर गया यानी इस क्षेत्र के उत्पादन में एक साल पहले के मुकाबले 5.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीने में अप्रैल से अगस्त के दौरान आईआईपी की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4.2 प्रतिशत रही थी। इस दौरान, विनिर्माण उत्पादन 7.4 प्रतिशत, बिजली एवं गैस आपूर्ति 9.5 प्रतिशत और जलापूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही।

कच्चे तेल में तेजी से डेढ़ फीसदी लुढ़के सेंसेक्स-निफ्टी-50

छह महीने के निचले स्तर पर

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में रही तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को बड़ी गिरावट देखी गई और प्रमुख सूचकांक डेढ़ फीसदी से ज्यादा टूटकर करीब छह महीने के निचले स्तर पर आ गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 161 अंक टूटकर 73,734.83 अंक पर खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। खुलने की कुछ देर बाद ही यह एक हजार अंक से अधिक उतर चुका था। अंत में 1,124.02 अंक (1.52 प्रतिशत) नीचे 72,771.72 अंक पर बंद हुआ। यह इस साल 30 मार्च के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 360.25 अंक यानी 1.56 प्रतिशत गिरकर कारोबार की समाप्ति पर 22,780.25 अंक पर रहा। यह गत 02 अप्रैल के बाद इसका सबसे कम बंद स्तर है। कच्चे तेल में तेजी से शेयर बाजारों पर दबाव रहा। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल पौने चार प्रतिशत चढ़कर 108 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इससे रुपया गिरावट में है और घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा कमजोर हुई है। चौतरफा बिकवाली के बीच निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.52 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.85 प्रतिशत की गिरावट में रहा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 2.12 प्रतिशत टूट गया। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, एफएमसीजी, धातु, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत के बीच फिसल गए।

निफ्टी आईटी सबसे कम 0.26 फीसदी उतर गया। एनएसई में जिन 3,676 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 2,716 के शेयर गिरावट में और 869 के बढ़त में रहे। अन्य 91 कंपनियों के शेयर अंतत अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स में इंफोसिस को छोड़कर अन्य सभी 29 कंपनियां लाल निशान में रहीं।

जियो ने पेश किया जियोशील्ड, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर रख सकेंगे नजर

मुंबई। रिलायंस जियो ने सोमवार को अपने ग्राहकों के लिए जियोशील्ड फीचर पेश किया है जिससे वे परिवार को बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा से जुड़ी बातों के बेहतर ध्यान रख सकेंगे। कंपनी ने बताया कि बच्चे घर से बाहर हों या बुजुर्ग अकेले निकले हों, उनकी लोकेशन से लेकर जरूरत के वक्त एसओएस अलर्ट तक अब एक ही जगह मिल सकेगा। जियोशील्ड में परिवार की बाहर और ऑनलाइन दोनों तरह की सुरक्षा के लिए लोकेशन ट्रैकिंग, एसओएस अलर्ट, स्क्रीन टाइम और ऐप-कॉन्टैक्ट कंट्रोल जैसी सुविधाएं दी गयी हैं।

इसके जरिये माता-पिता बच्चे की लोकेशन देख सकेंगे और सुरक्षा को लेकर जरूरी अलर्ट पा सकेंगे। फोन की बैटरी कम होने पर भी अलर्ट मिलेगा। बच्चों के मामले में यह तय किया जा सकेगा कि वे किन ऐप्स और कॉन्टैक्ट का इस्तेमाल करें और स्क्रीन पर कितना समय बिताएं। यानी उनके ऑनलाइन इस्तेमाल पर भी नजर और नियंत्रण रखा जा सकेगा। यही सुविधा बुजुर्ग माता-पिता से जुड़े रहने और जरूरत पड़ने पर उनकी मदद के लिए भी इस्तेमाल की जा सकती है। इसके लिए ग्राहक को अपने फोन में जियोथिंग्स ऐप और बच्चे या बुजुर्ग के फोन में जियोशील्ड ऐप इंस्टॉल करना होगा। दोनों फोन पर जियो के नंबर होना अनिवार्य होगा। दोनों ऐप जुड़ने के बाद वे अपने फोन से लोकेशन, स्क्रीन टाइम, ऐप और कॉन्टैक्ट जैसी सुविधाओं का प्रबंधन कर सकेंगे।

डॉ अशोक भार्गव कर्मयोगी सम्मान से अलंकृत

उज्जैन

भारतीय ज्ञानपीठ महाविद्यालय उज्जैन में इंदौर निवासी भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ अशोक कुमार भार्गव, पूर्व कमिश्नर रीवा एवं शहडोल संभाग को प्रशासनिक सेवाओं में समर्पित भाव से उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कर्मयोगी के रूप में वरिष्ठ गांधीवादी एवं समर्पित समाजसेवी कर्मयोगी डॉ कृष्ण मंगल सिंह कुलश्रेष्ठ स्मृति सम्मान 2026 से अलंकृत किया गया। यह सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के सांसद राष्ट्रीय संत बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज तथा समारोह के अध्यक्ष वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी प्रेमनारायण नागर के कर कमलों से प्रदत्त किया गया। इस समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो शिवशंकर मिश्र न्याय के क्षेत्र में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अनिल वर्मा और कला के क्षेत्र में वरिष्ठ रंगकर्मी सतीश दवे को यह सम्मान प्रदत्त किया गया

पूर्व विधायक रामप्रताप सिंह का निधन, जिले में शोक की लहर

सतना (स्वतंत्र मत)। जिले के नागौद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता गगनेंद्र प्रताप सिंह के पिता रामप्रताप सिंह (पतौरा गढ़ी) का आज उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार रामप्रताप सिंह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। सतना में दो दिन तक उनका इलाज चलाए लेकिन स्वास्थ्य में सुधार न होने पर उन्हें एयर एम्बुलेंस से दिल्ली ले जाया गया था। आज दिल्ली से वापस लौटते समय उन्होंने अंतिम सांस ली। रामप्रताप सिंह अपने क्षेत्र में एक मिलनसार और अनुभवी नेता के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन से न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी शोक व्याप्त है। भाजपा कार्यकर्ताओं सहित जिले के कई जनप्रतिनिधियोंए सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

प्रदेश को मिलेट स्टेट बनाने में अनूपपुर का है महत्वपूर्ण योगदानः मुख्यमंत्री डॉ यादव

किसान चौपाल बनें किसानों से संवाद का माध्यम, मुख्यमंत्री निवास से किया बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को मिलेट स्टेट बनाने में अनूपपुर का बड़ा योगदान है। अनूपपुर जिला जल संपदा से संपन्न है। जिले में केवई उद्वहन सिंचाई परियोजना के माध्यम से सिंचाई सुविधा को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश में तकनीक और नवाचार से कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के साथ ही 100 लाख हेक्टेयर तक सिंचाई क्षमता का विस्तार करना हमारा लक्ष्य है। प्रदेश में किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जारी सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत किसान हितैषी योजनाओं की जानकारियां अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा की जायें। राज्य सरकार युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने कहा कि प्रदेश में ज्वारए बाजरा जैसे श्रीअन्न के साथ धान उपार्जन के लिए पंजीयन शुरू हो गया है। उन्होंने किसानों से समय रहते पंजीयन कराने का आह्वान किया। कृषक कल्याण वर्ष.2026 के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री निवास से अनूपपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअली जुड़कर किसानों से संवाद किया।

हर कदम पर किसानों के साथ है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि किसान चौपालें लगाकर किसान हितैषी योजनाओं का प्रसार.प्रचार किया जाए। किसान चौपालों के माध्यम से किसानों की समस्याओं का भी समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में धानए गेंहूए दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ हमारे किसान नई तकनीक और नई फसलों को अपना रहे हैं। किसानों द्वारा मशरूम और स्ट्रॉबेरी की खेती की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने किसानों को पशुपालनए दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियां अपनाते हुए नवीन तकनीक और नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने कहा कि कृषि का भविष्य उज्ज्वल है, किसान अपने बच्चों को कृषि उद्योगों से जोड़े। राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है।

ग्रामीणों को मिलेंगे सुगम परिवहन सेवा और निःशुल्क रजिस्ट्री के लाभ

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में आरंभ हुई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना का लाभ दूरदराज के गांव वालों को मिलेगा। ग्रामीणों के लिए निःशुल्क रजिस्ट्री की व्यवस्था भी राज्य सरकार द्वारा आरंभ की गई है। राज्य सरकार बच्चों की बेहतर पढ़ाई और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही हैं।

बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अनूपपुर जिले के प्रगतिशील किसानों से वर्चुअल संवाद किया। किसानों ने कृषि क्षेत्र में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों, कृषि यंत्रीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा पशुपालन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी साझा की।

कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की दी गई जानकारी

बलराम कृषि महोत्सव के दौरान कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, उद्यानिकी फसलों, उन्नत पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किसानों को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को अपनाकर आय में वृद्धि के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

वोट का अधिकार कमजोर हुआ तो लोकतंत्र कमजोर होगा :जीतू पटवारी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रदर्शन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

लोकतंत्र की रक्षा और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से निर्वाचन आयोग कार्यालय, अरेरा हिल्स तक विशाल पैदल मार्च एवं घेराव आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। पुलिस ने लिंक रोड पर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सह.प्रभारी रणविजय सिंह लोचव, श्रीमती संजना जाटव, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, पीसी शर्मा, मुकेश नायक, सुखदेव पांसे, श्रीमती विजयलक्ष्मी साधौ, संगठन महासचिव डॉ संजय कामले, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती शोभा ओझा, सेवादल अध्यक्ष अवनीश भार्गव, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, विधायक आरिफ मसूद, विधायक फुंदेलाल मार्को, विधायक आतिफ अकील, विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा सहित कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताए पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा यह कांग्रेस की लड़ाई नहीं है, यह लड़ाई देश, मध्य प्रदेश और संविधान को बचाने की लड़ाई है। चुनाव आयोग की नियुक्ति और उसकी जवाबदेही से जुड़ी संवैधानिक व्यवस्थाओं में बदलाव को लेकर गंभीर सवाल हैं। राहुल गांधी ने चुनावी प्रक्रिया और आंकड़ों को लेकर देश के सामने सवाल रखे हैं। ऐसे मामलों में देश की जनता को पूरी सच्चाईपारदर्शिता के साथ जानकारी मिलनी चाहिए।

चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बना रहना जरूरी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा लोकतंत्र की नींव जनता के वोट और उसके भरोसे पर टिकी है। चुनाव में जीत.हार होती रहती है, लेकिन चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बना रहना सबसे जरूरी है। कांग्रेस ने 2014 और 2019 के जनादेश को स्वीकार कियाए लेकिन 2024 के चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल उठाए हैं। इन सवालों का जवाब तथ्यों और पारदर्शिता के साथ मिलना चाहिए। मैंने अपने बूथ का उदाहरण भी दिया है,जहां भाजपा का कोई कार्यकर्ता नजर नहीं आ रहा था, फिर भी भाजपा को करीब 300 वोट मिले।

पक्की सड़क को तरस रहा पिपरिया लुहार

चुनाव में वोट मांगने आते हैं नेता, बाद में भूल जाते हैं ग्रामीणों की सुध, गर्भवती महिला को ले जा रही एंबुलेंस रास्ते में फंसी

पथरिया (स्वतंत्र मत)

पिपरिया लुहार में सड़क की बदहाली का आलम यह है कि बीते दिन शहर से गर्भवती महिला को लेकर गांव की ओर जा रही एंबुलेंस रास्ते में ही फंस गई और महिला को रास्ते में छोड़कर वापस लौट गई। यह घटना गांव में सड़क के अभाव से पैदा हो रही गंभीर समस्या को उजागर करती है। ग्राम पंचायत बेलखेड़ी के ग्राम पिपरिया लुहार के 200 से अधिक ग्रामीण पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं। गांव तक पहुंचने वाली एकमात्र कच्ची पगडंडी वाहन निकलने योग्य नहीं है। वर्ष 2012-13 में रामकृष्ण कुसमरिया के समय मार्ग का मुर्मीकरण कराया गया था लेकिन इसके बाद सड़क निर्माण की दिशा में कोई स्थायी पहल नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच, मंत्री और कलेक्टर तक गुहार लगाने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन मिल रहे हैं। गांव की महिला गीता ने कहा कि चुनाव के समय सरपंच और नेता वोट मांगने तो आते हैं लेकिन चुनाव खत्म होते ही ग्रामीणों को उनकी बदहाली पर छोड़ दिया जाता है। वहीं आशीष कुर्मी एवं देवचंद पटेल ने बताया कि सड़क नहीं होने से स्कूली बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बीमार बुजुर्गों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। आपात स्थिति में मरीजों को खाट पर करीब तीन किलोमीटर तक ले जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जिम्मेदारों से सड़क निर्माण की मांग कीए लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

आश्वासन नहीं अब चाहिए पक्की सड़क

ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क के अभाव में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सवाल यह है कि क्या पिपरिया लुहार के लोगों को पक्की सड़क के लिए एक और चुनाव का इंतजार करना पड़ेगा या जिम्मेदार अब आश्वासनों से आगे बढ़कर धरातल पर काम भी दिखाएंगे।

तीन साल की गारंटी वाली सड़कें बदहाल

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर में सड़क निर्माण के बाद बेहतर आवागमन की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को अब उन्हीं सड़कों के गड्ढे परेशान कर रहे हैं। नगर पालिका परिषद की पूर्व परिषद के कार्यकाल में प्रमुख आवागमन वाले मार्गों का निर्माण परफॉर्मेंस गारंटी के साथ कराया गया थाए लेकिन गारंटी अवधि के दौरान ही कई सड़कें जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होकर गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। हैरानी की बात यह है कि सड़कों की हालत सामने होने के बावजूद इनके सुधार का मामला नगर पालिका और ठेकेदार के बीच पत्राचार तक सीमित दिखाई दे रहा है। सबसे खराब स्थिति विश्राम गृह से चिरोल तिगड्डा मार्ग और थाना मंदिर चौराहा से खचना तिगड्डा मार्ग की बताई जा रही है। इन दोनों प्रमुख सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और गड्ढे में अंतर करना मुश्किल हो जाता है।

भारतीय स्त्री शक्ति मप्र का सघन जनसंपर्क

परिवारों से संवाद कर महिला सशक्तिकरण का संदेश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

भारतीय स्त्री शक्ति मप्र द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन दिनों सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को दमोह नगर में संगठन की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न परिवारों में पहुंचकर संपर्क किया और महिलाओं से संवाद करते हुए संगठन के कार्यों, उद्देश्यों तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। जनसंपर्क अभियान में भारतीय स्त्री शक्ति की वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं सागर जिला उपाध्यक्ष डॉ. ममता सिंह, जिला संयोजक डॉ. हंसा वैष्णव, जबलपुर जिला अध्यक्ष श्रीमती शैलवाला बैरागी, सागर नगर अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा उपाध्याय सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। कार्यकर्ताओं ने अनेक परिवारों में पहुंचकर महिलाओं से संगठन की गतिविधियों को लेकर चर्चा की और उन्हें महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इस दौरान भारतीय स्त्री शक्ति के पांच प्रमुख आयाम शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन, समरसता एवं स्वाभिमान को विशेष रूप से सामने रखा गया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि महिलाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा स्वास्थ्य परीक्षण जैसी गतिविधियों के माध्यम से उन्हें स्वस्थ एवं जागरूक बनाने पर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही कौशल विकास, स्वयं सहायता समूह और उद्यमिता प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा रतले, श्रीमती सरोज तिवारी, श्रीमती हिमानी दुबे, श्रीमती शोभा तिवारी सहित मातृशक्ति ने नगर के विभिन्न परिवारों में पहुंचकर संपर्क किया। परिवारों में पहुंचने के दौरान महिलाओं के साथ संवाद कर उनकी सहभागिता और संगठन के कार्यों से जुड़ने को लेकर भी चर्चा की गई। भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत गैर-राजनीतिक एवं स्वयंसेवी संगठन है। संगठन का कार्य महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन, समानता और आत्मसम्मान के माध्यम से सक्षम बनाने पर केंद्रित है।

भाजपा दीनदयाल मंडल में मन की बात के 138वें संस्करण का बूथ स्तर पर किया श्रवण

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 138वें संस्करण का भाजपा पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल दमोह के सभी बूथ केंद्रों पर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा श्रवण किया गया। मांगज वार्ड क्रमांक 3 में वार्ड पार्षद बालकिशन यादव के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष संजय यादव, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र अहिरवार एवं मंडल उपाध्यक्ष आशीष राय सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात का श्रवण किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों और देशहित के प्रयासों को सामने लाते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया ने कहा कि मन की बात को बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ सुनने का उद्देश्य प्रधानमंत्री के विचारों एवं जनकल्याणकारी संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। नगर मंडल के सभी बूथ केंद्रों पर कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का श्रवण किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
// निविदा सूचना //

N.I.T. No/PWD/e-tendering/PRO/616 Date 28/09/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_539108_1 28/09/2026	संभाग क्रमांक-10 रांझी अंतर्गत एस.ए.एफ. तालाब का सौन्द्रीयकरण का कार्य	03 माह रु. 09.34 लाख	रु. 2000/- रु. 9347/-	13/10/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री लोककर्म विभाग
नगर निगम, जबलपुर

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS HARPREET SINGH I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS HARPREET SINGH CHHABRA S/O JAGJEET SINGH CHHABRA OF H NO G-8-B NEW GARDERN MULTI ANANTARA, TILHARI, 482020, MADHYA PRADESH.

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक MIG II -198 के बाजू वाला भूखण्ड श्री राजेश कुमार जैन पिता श्री भागचंद जैन के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 29.09.1998 के माध्यम से क्रय किया था। तदोपरांत श्री राजेश कुमार जैन पिता श्री भागचंद जैन के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11.05.2001 एवं दिनांक 07.10.2019 के माध्यम से श्रीमति आभा अग्रवाल पति श्री अनिल अग्रवाल एवं दिनांक 08.01.2001 के माध्यम से श्री मुनीन्द्र कुमार जैन पिता श्री हरप्रसाद जैन को विक्रय किया था। वर्तमान में उक्त संपत्ति श्रीमति आभा अग्रवाल पति श्री अनिल अग्रवाल के नाम है। माननीय न्यायालय के नेशनल लोक अदालत के आदेश दिनांक 09.05.2026 के द्वारा दिनांक 07.10. 2019 की रजिस्ट्री निरस्त कर प्रकरण निराकृत किया गया है। श्री मुनीन्द्र कुमार जैन की दिनांक 18.04.2021 को मृत्यु हो चुकी है। अतः उनकी पत्नी श्रीमति सुनीता जैन पति स्व.श्री श्री मुनीन्द्र कुमार जैन द्वारा विक्रय विलेख दिनांक 08.01.2001 के आधार पर एवं श्रीमति आभा अग्रवाल की रजिस्ट्री दिनांक 11.05.2001 के आधार पर श्रीमति सुनीता जैन एवं श्रीमति आभा अग्रवाल द्वारा लीज हस्तांतरण स्वयं के नाम करने हेतु समस्त दस्तावेजों सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत किये है। अतः उक्त संपत्ति श्रीमति सुनीता जैन एवं श्रीमति आभा अग्रवाल के नाम लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु यदि किसी व्यक्ति, वैद्य उत्तराधिकारी, संस्था आदि को उपरोक्त संबंध में कोई वैद्यानिक आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति स्वयं उपस्थित होकर अथवा आवेदन सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के पश्चात् शिवनगर दमोहनाका कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक MIG II 198 के बाजू वाला भूखण्ड श्रीमति सुनीता जैन एवं श्रीमति आभा अग्रवाल के नाम लीज हस्तांतरण जारी करने की कार्यवाही कर दी जावेगी। एवं भविष्य में किसी भी प्रकार का कोई दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

पोषण एवं महिला स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों को बताए स्वास्थ्य और संतुलित पोषण के महत्व

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शासकीय महाविद्यालय मझौली में प्राचार्य डॉ. अजय कोस्टा के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत स्वास्थ्य, पोषण एवं महिला स्वच्छता जागरूकता विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रागिनी मार्को, सहायक प्राध्यापक एवं राखी सिंह द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, संतुलित पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं महिला स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद तथा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं उचित देखभाल के संबंध में भी जागरूक किया गया।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में हुए विविध आयोजन

अंत्योदय की सोच के जनक थे पं दीनदयाल उपाध्याय

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मप्र जन अभियान परिषद जिला जबलपुर विकासखंड मझौली के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया के निर्देशन व विकासखंड समन्वयक नूपुर खरे के मार्गदर्शन में सामाजिक कार्य के छात्र-छात्राओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि काशी ग्राम विकास समिति महगवां के अध्यक्ष सनिल यादव, परामर्शदाता सतीश पाठक , नवांकुर संस्था धनगवां की सचिव विनीता आदिवासी, प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष श्रद्धा राय ने पंडित उपाध्याय के विचारों पर प्रकाश डाला। इस दौरान परामर्शदाता नीरज कुमार दुबे, मनीष अवस्थी, पूनम चौबे, सचिन नामदेव आदि उपस्थित रहे।

आधे शहर में पानी की सप्लाई ठप्प, कांग्रेसियों ने प्रदर्शन कर महापौर को सौंपी नल की टोंटी

शहर के कई इलाकों में पानी की आवक बंद, 32 टैंकरों के भरोसे हो रही सप्लाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नर्मदा नदी के किनारे बसे जबलपुर के कई इलाकों में पिछले आठ दिनों से पानी की किल्लत है। त्रिमूर्ति नगर, कृष्णा नगर और दमोह नाका जैसे क्षेत्रों में लोगों को पानी नहीं मिल रहा। निवासियों का आरोप है कि नगर निगम न टैंकर भेज रहा है और न अधिकारी उनकी समस्या सुन रहे हैं। इसी मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा सोमवार को महापौर के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सचेतक कांग्रेस पार्षद दल अयोध्या तिवारी ने कहा कि पिछले एक हफ्ते से आधे से ज्यादा जबलपुर शहर में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है जिससे शहर के लाखों लोग बूँद-बूँद पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

महिलाएं दूर-दूर से पानी ढोने को मजबूर

शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोनू कुकरेले ने कहा कि भीषण गर्मी और इस विकराल जल संकट के बीच नगर निगम की लचर कार्यप्रणाली और महापौर की पूरी तरह उदासीनता ने जनता की मुसीबतों को कई गुना बढ़ा दिया है। पाइपलाइन में गंभीर फॉल्ट आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और सत्तासीन जनप्रतिनिधियों ने समय रहते उचित कदम उठाने की बजाय सिर्फ आश्वासन की घुट्टी पिलाई। आलम यह है कि शहर की टंकियां सूखी पड़ी हैं, लोगों के घरों के नल जवाब दे चुके हैं और महिलाएं दूर-दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। आम जनता के सब्र का बाँध टूटने के बाद समूचे कांग्रेस पार्षद दल ने सचेतक अयोध्या तिवारी की अगुवाई में शहर युवा कांग्रेस के सदस्यों के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर जोरदार विरोध दर्ज कराया।

दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

इस दौरान कांग्रेस पार्षद दल व शहर युवा कांग्रेस ने महापौर को सूखा नल भेंट कर यह प्रतीकात्मक संदेश दिया कि पूरा शहर पानी के लिए त्राहिमाम कर रहा है और विकास के सारे दावे कागजी साबित हो रहे हैं। पार्षद दल और युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि महापौर और नगर निगम प्रशासन शहर की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह असफल रहे हैं। केवल बयानबाजी और बैठकों के जरिए जनता को बरगलाया जा रहा है जबकि जमीन पर स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। अंत में चेतावनी दी गई है कि यदि अगले 24 घंटों के भीतर युद्ध स्तर पर काम करके पाइपलाइन का फॉल्ट नहीं सुधारा गया और शहर के सभी प्रभावित इलाकों में नियमित जलापूर्ति बहाल नहीं की गई तो पार्षद दल और युवा कांग्रेस उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी । जिसकी सारी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन और महापौर की होगी। इस दौरान शगुफ्ता गुड्डू नबी, संतोष दुबे, अनुपम जैन, राकेश पांडे, हर्षित यादव, गुड्डू तामसेतवार, एकता राहुल गुप्ता, तुलसा लखन प्रजापति, पूर्व पार्षद मदन लारिया, रंबल विश्वकर्मा, सागर शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जन-जागरूकता अभियान

विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर आमजनों को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा विश्व गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर सोमवार को जानकी रमण अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12.30 बजे से किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के समन्वय में अर्निका जोसेफ एवं पूर्वी विजयकुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा एवं जनजागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बी.एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा एक स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता प्रस्तुत की गई।

भ्रांतियों एवं मिथकों को किया दूर

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिवार नियोजन, विभिन्न गर्भनिरोधक विधियों, प्रजनन स्वास्थ्य तथा सही एवं सूचित निर्णय लेने के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में गर्भनिरोधक की विभिन्न विधियों, उनके उचित उपयोग, लाभ एवं प्रभावशीलता के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने अस्थायी एवं स्थायी गर्भनिरोधक विधियों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, गर्भनिरोधक से संबंधित प्रचलित भ्रांतियों एवं मिथकों को दूर करने के लिए मिथक एवं तथ्य सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि गर्भनिरोधक का चुनाव सही जानकारी, व्यक्तिगत आवश्यकताओं, सूचित निर्णय एवं उचित स्वास्थ्य परामर्श के आधार पर किया जाना चाहिए। कार्यक्रम ने परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समाज का दिशा दर्शक है साहित्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी हरिशंकर परसाई भवन में पवन पांडे अध्यक्ष समरसता सेवा संगठन के मुख्य आतिथ्य एवं सुशील श्रीवास्तव की अध्यक्षता मैं संपन्न हुई। अतिथियों ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज को दिशा देने में साहित्य की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। साहित्य जहां एक और समाज को जागृत करता है वहीं दूसरी ओर समाज में व्याप्त समस्याओं विषमताओं कुरीतियों और सामाजिक सरोकारों को समाज के सामने लाने में अपनी एक अहम भूमिका अदा करता है। इस अवसर पर राजेश पाठक प्रवीण एवं आलोक पाठक के काव्य पटल का लोकार्पण किया गया। संस्था के संयोजक विजय नेमा अनुज ने आगामी वार्षिक महोत्सव एवं संस्थागत कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। राजेश पाठक प्रवीण एवं आलोक पाठक ने वर्तिका के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए जीवन में उनकी स्वीकार्यता को उपयोगी बताया। कार्यक्रम में आचार्य हरिशंकर दुबे, एड.प्रभा खरे, सुभाष सलभ, डॉ सलमा जमाल, सोहन सलिल, कुंजीलाल चक्रवर्ती, लखन रजक आदि उपस्थित रहे।

इंटरलॉकिंग : जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस के एक-एक ट्रिप निरस्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत झारसुगुड़ा पैसेंजर यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण रेल परिचालन प्रभावित रहेगा।

उक्त कार्य के चलते पमरे से संबंधित संतरागाछी-जबलपुर- संतरागाछी एवं रानी कमलापति-संतरागाछी-रानी कमलापति एक्सप्रेस के निर्धारित फेरों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 20828 संतरागाछी-जबलपुर हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 09 दिसम्बर 2026 को संतरागाछी स्टेशन से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20827 जबलपुर-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 10 दिसम्बर को जबलपुर स्टेशन से निरस्त रहेगी। इसके साथ ही गाड़ी संख्या 22169 रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 09 दिसम्बर को रानी कमलापति स्टेशन से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22170 संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 10 दिसम्बर को संतरागाछी स्टेशन से निरस्त रहेगी।

संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता के मन में भ्रम पैदा करने का हो रहा प्रयास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पिछले कुछ समय से कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग और मतदाता सूची को लेकर लगातार गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों के माध्यम से देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता के मन में भ्रम और अविश्वास पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन अब चुनाव आयोग ने स्वयं इस पूरे मामले पर स्पष्ट स्थिति सामने रख दी है। यह बात महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सांसद आशीष दुबे, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू आदि की उपस्थिति में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए संभागीय भाजपा कार्यालय रानीताल में कही। महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा 26 सितंबर को चुनाव आयोग की बैठक हुई और तीनों चुनाव आयुक्तों की ओर से संयुक्त रूप से स्पष्ट किया गया कि देशभर में चल रही एसआईआर किसी एक व्यक्ति का निर्णय नहीं है। यह मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है। ऐसे में सवाल यह है कि जब देश की संवैधानिक संस्था ने स्वयं पूरी स्थिति स्पष्ट कर दी है, तो राहुल गांधी और कांग्रेस अब भी किस आधार पर इस मुद्दे को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

अनियंत्रित होकर कई कारों से टकराई ई-बस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रानीताल क्षेत्र के पास सोमवार को एक ई बस ने एक एसयूवी और एक कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना रानीताल पेट्रोल पंप के सामने हुई। टक्कर में दोनों 4 पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हुए। इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है। इधर टक्कर के साथ ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि सिटी बस सेवा की ई बस दोपहर के समय रानीताल से यातायात तिराहा की ओर जा रही थी। जैसे ही बस रानीताल पेट्रोल पंप के पास मुड़ी सड़क पर खड़ी दो कारों से टकरा गई। पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर खड़े इन वाहनों में एक कार और एक एसयूवी थी। मोड़ होने और गति कम होने के कारण ई-बस के चालक ने तुरंत ही वाहन को नियंत्रित कर लिया। लेकिन तब तक बस 2 वाहनों से टकरा गई। टक्कर होते ही ई बस के चालक ने वाहन को सड़क किनारा खड़ा कर दिया। दुर्घटना में एक

एसयूवी का सामने हेडलाइट के पास का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं दूसरी कार का पिछले भाग को हल्की क्षति पहुंची है। दुर्घटना होते ही आसपास के लोग आ गए। उन्होंने ई-बस चालक को घेर लिया। राहगीरों ने बताया कि पेट्रोल पंप के पास मोड़ पर कई लोग वाहन सड़क पर खड़ा कर देते है, जिसके कारण यहां हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

निगमायुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक, दिए सख्त निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने निगम के सभी विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। समीक्षा बैठक में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने शहर में चल रहे विभिन्न कार्यों, एवं परियोजनाओं की प्रगति का बारीकी से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने सभी विभागीय प्रमुखों को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि उनके विभाग से संबंधित जितने भी कार्य प्रगति पर हैं, उन्हें तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यों में न केवल तेजी दिखनी चाहिए, बल्कि उनमें पूर्ण पारदर्शिता और उच्च मानक भी नजर आने चाहिए। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व वसूली कार्यों में कोई भी लापरवाही क्षम्य नहीं की जायेगी। निगमायुक्त ने समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहे अधिकारियों कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। उन्होंने राजस्व वसूली अभियान में पुअर परफार्मेंस वाले टी.सी., आर.आई., को भी एक दिन का अवैतनिक कर स्पष्टीकरण माँगा है। उन्होंने शहर की मुख्य सड़कों और आंतरिक मार्गों पर जारी पैंच वर्क तथा सड़क मरम्मत के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

दुर्गा पंडालों की विद्युत व्यवस्था पर रखी जाए विशेष नजरः कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट र सभागार में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, सेवा संकल्प अभियान, किसान पंजीयन और संबल योजना की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने आगामी दुर्गा पूजा में होने वाले धार्मिक आयोजनों को देखते हुए सभी एसडीएम को अपने क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बनने वाले बड़े पंडालों की संख्या और स्थान की सटीक जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए पंडालों में विद्युत व्यवस्था, ट्रेस एवं अन्य ढांचों की मजबूती तथा सुरक्षित सामग्री और विद्युत तारों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगमए विद्युतए राजस्व, स्वास्थ्य एवं अस्पतालों से संबंधित शिकायतों का संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जल्द जारी होगा जबलपुर का मास्टर प्लान: मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

मंत्री राकेश सिंह की पहल पर मुख्यमंत्री से मिले जबलपुर के उद्योगपति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सोमवार को महाकौशल चेंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में जबलपुर के उद्योगपतियों एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट कर विस्तृत चर्चा की। बैठक लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की पहल पर आयोजित की गई। बैठक में जबलपुर आईटी पार्क, लॉजिस्टिक्स पार्क, मास्टर प्लान, सेमीकंडक्टर उद्योग, चिकित्सा, पर्यटन, रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी और अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न विषयों पर उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जबलपुर की औद्योगिक, व्यापारिक और भौगोलिक क्षमताओं का बेहतर उपयोग करते हुए पूरे महाकौशल क्षेत्र के समग्र विकास के लिए जबलपुर-केंद्रित विकास नीति पर कार्य किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री ने रखे विकास संबंधी सुझाव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर के साथ कटनी और नरसिंहपुर को जोड़कर व्यापक विकास क्षेत्र के रूप में आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित औद्योगिक कॉन्क्लेव में जबलपुर की औद्योगिक क्षमताओं, बेहतर कनेक्टिविटी, रक्षा एवं भारी उद्योगों की मौजूदगी, चिकित्सा एवं शिक्षा सुविधाओं, पर्यटन स्थलों और उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि जबलपुर महाकौशल का प्रमुख केंद्र होने के साथ-साथ शिक्षा, चिकित्सा, रक्षा, व्यापार और पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। शहर में उपलब्ध संभावनाओं को योजनाबद्ध तरीके से विकसित कर निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। जबलपुर की सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ लॉजिस्टिक्स, आईटी, पर्यटन और सेवा क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जबलपुर-केंद्रित विकास नीति के अंतर्गत क्षेत्र की प्राथमिक परियोजनाओं को गति देने और उद्योगों के लिए आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए मास्टर प्लान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर के लंबित मास्टर प्लान को शहर की भावी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। मास्टर प्लान में जनभावनाओं, स्थानीय परिस्थितियों तथा उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र के सुझावों को समुचित स्थान दिया जाए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संगठनों से मास्टर प्लान में शामिल किए जाने योग्य सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर को क्षेत्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। बड़े विमानों के संचालन और विदेशी पर्यटकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए जबलपुर की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**